हिन्दी दैनिक   पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 16 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 46 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

पलानीस्वामी भाजपा की भाषा बोल रहे: स्टालिन

एजेंसी

तमिलनाडु:तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर भाजपा की बोलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के इस आरोप को सही साबित कर दिया है कि दोनों दलों के बीच गुप्त गठबंधन है ।द्रमुक अध्यक्ष अपनी उंगलिल ओरुवन श्रृंखला (आपमें से एक) में सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे द्रमुक सहयोगियों द्वारा व्यक्त की गई राय के बारे में पूछा गया और यह भी पूछा गया कि क्या इसमें कोई विरोधाभास है? मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उनके विचारों को केवल सलाह के रूप में मानते हैं। द्रमुक की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने पुदुक्कोटटे जिले में पानी के एक ओवरहेड टैंक में मानव मल मिलने से जुड़े वेंगईवायल मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की थी।

पटना में अचानक सीएम नीतीश कुमार से मिले जयंत चौधरी, एनडीए को लेकर कही बड़ी बात, लालू पर भी किया पलटवार

जयंत चौधरी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी असाधारण कार्यशैली के कारण उनसे जुड़ा कोई भी नेता उनका साथ नहीं छोड़ेगा।

एजेंसी

पटना: केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पटना में बिहार के सीएम नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद जयंत चौधरी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार बिहार के विकास की चिंता करते हैं और वह राज्य के विकास के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमने कौशल विकास और शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदमों पर चर्चा की। केंद्र सरकार ने बिहार में कौशल विकास को प्राथमिकता दी है और इसके लिए कई योजनाएं भी शुरू की गई हैं।

जयंत चौधरी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी असाधारण कार्यशैली के कारण उनसे जुड़ा कोई भी नेता उनका साथ नहीं छोड़ेगा। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के सांसद चौधरी ने कहा,पीएम मोदी की कार्यशैली ऐसी है कि एक बार जब कोई नेता उनके साथ जुड़ जाता है, तो वे उनके असाधारण दृष्टिकोण के कारण छोड़ते नहीं हैं।उनकी यह टिप्पणी राजद प्रमुख लालू प्रसाद के हाल के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जब तक वह बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं, भाजपा राज्य में सत्ता में नहीं आएगी। चौधरी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे बिहार के चुनावी परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। चौधरी का बयान 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत के विश्वास को मजबूत करता है, विपक्ष के दावों का मुकाबला करता है और मजबूत गठबंधन एकता का संकेत देता है। वह शनिवार को बिहटा स्थित आईआईटी पटना के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए पटना आये थे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने राजनीतिक अस्थिरता की किसी भी अटकल को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की एकता की पुष्टि की।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बावजूद, भाजपा स्पष्ट है कि एनडीए उनके नेतृत्व में अक्टूबर-नवंबर में होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ेगा। उनकी विश्वसनीयता और सुशासन के मुद्दे पर भरोसा करते हुए, भाजपा को उम्मीद है कि केंद्रीय बजट में राज्य के लिए घोषित रियायतों से उसे फायदा होगा और आने वाले दिनों में किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं को और अधिक उदारता दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त वितरित करने के लिए 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर जाएंगे ।इसमें बिहार के करीब 83 लाख किसान शामिल होंगे।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजना क्रूर और शर्मनाक है: उमा भारती

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने अवैध भारतीय प्रवासियों को क्रूर एवं बेहद शर्मनाक तरीके से वापस भेजने के लिए शनिवार को अमेरिका की निंदा की।अमेरिका का एक सैन्य विमान भारत के विभिन्न राज्यों के 104 अवैध प्रवासियों को लेकर पांच फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत इन लोगों को भारत निर्वासित किया था। कुछ निर्वासितों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ-पैरों में हथकड़ी लगी रही तथा अमृतसर में उतरने के बाद ही उनकी बेड़ियां खोली गईं।भारती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा,अमेरिका से वापस भेजे गए अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ियों एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है ।उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकारों ने ह्यरेड इंडियंसह्ल और वहां रहने वाले अफ्रीकी मूल के लोगों के प्रति कई बार यह क्रूर और हिंसक रवैया दिखाया है। रेड इंडियन शब्द का इस्तेमाल यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों के लिए किया जाता था ।भाजपा नेता ने कहा, जब उन्हें (निर्वासित लोगों को) विमान से भेजा जा रहा था तब उन्हें हथकड़ियों और बेड़ियों में रखना अमेरिकी प्रशासन की क्रूरता और अमानवीयता को दर्शाता है। किसी देश में अवैध रूप से प्रवेश करना अपराध है, हर देश के कानून के अनुसार इसकी सजा का प्रावधान है, लेकिन ऐसी क्रूरता महा पाप है ।अमेरिका से 119 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा।

तेज रफ्तार बोलेरो की बस से भिड़ंत; महाकुंभ जा रहे छत्तीसगढ़ के 10 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

उत्तर प्रदेश:उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भीषण हादसा हो गया। शुक्रवार (14 फरवरी) की रात महाकुंभ में स्नान करने आ रहे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु हादसे का शिकार हो गए। बोलेरो की बस से टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि श्रद्धालु उछलकर सड़क पर गिरे। किसी का हाथ टूटा तो किसी का सिर फट गया। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। 19 घायल हैं। सूचना पर पुलिस पहुंची। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बोलेरो से निकाला। हादसा प्रयागराज-मिजार्पुर हाईवे पर मेजा इलाके में रात 2.30 बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के कोरबा के श्रद्धालु बोलेरो में सवार होकर महाकुंभ आ रहे थे। बोलेरो में सभी पुरुष सवार थे। तेज रफ्तार बोलेरो प्रयागराज-मिजार्पुर हाईवे पर महाकुंभ से लौट रही बस से टकरा गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि श्रद्धालु छिटककर सड़क पर गिरे। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए। हादसे में बोलेरो सवार 10 लोगों की मौत हो गई। बस सवार श्रद्धालु घायल हुए हैं ।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताया है। राष्ट्रपति ने '' पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में

महाराष्ट्र जैसी नहीं बिहार की स्थिति, भाजपा के लिए नीतीश कुमार क्यों हैं जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली: हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली की बड़ी जीत के बाद भाजपा ने बिहार की चुनावी जंग की तैयारी शुरू कर दी है। यहां भाजपा और जेडीयू गठबंधन में साथ-साथ चुनाव लड़ने वाली है। भाजपा ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार को गठबंधन का नेता मान लिया है ।एक वरिष्ठ नेता ने साफ किया कि वहां पर नीतीश कुमार को ही फिर से मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। राज्य के सामाजिक, जातीय और राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए भाजपा मजबूत एनडीए के साथ चुनाव लड़ना चाहती है। भाजपा ने दिल्ली में दो सीटें जद(यू) और

लोजपा(रामविलास) को देकर साफ कर दिया था कि जीत या हार जो भी हो वह बिहार में अपने सहयोगी दलों को पूरी तरह से साथ रखेगी। दिल्ली के नतीजों के बाद बिहार के एनडीए सांसदों ने प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर इसे और मजबूत किया था। जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को लेकर लग रही अटकलों को भाजपा नेतृत्व ने खारिज कर दिया और कहा है कि एनडीए एकजुट है ।सरकार में अहम हिस्सेदारी भाजपा के पास ही रहेगीकि भाजपा बिहार में एक बार फिर ज्यादा सीटों लड़ने के बावजूद जद(यू) नेता नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बरकरार रखेगी, भले ही इस बार भी उसके ज्यादा विधायक जीतें। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि बिहार की स्थितियां अभी ऐसी नहीं है।

एनएचआरसी ने जहरीली गैस के कारण तीन श्रमिकों की मौत पर बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया

एजेंसी

पश्चिम बंगाल :राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल सरकार को उन खबरों पर नोटिस जारी किया है, जिनमें कहा गया है कि कोलकाता के एक चमड़ा परिसर में मैनहोल में प्रवेश करते समय जहरीली गैस के कारण तीन निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई ।एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि यदि खबर की विषय-वस्तु सही है, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। एनएचआरसी ने एक मीडिया

रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि दो फरवरी को ह्यकोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्सह्ल में सीवर की मरम्मत करने के लिए 10 फुट गहरे मैनहोल में उतरने के दौरान जहरीली गैस के कारण तीन निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई ।आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसमें जांच की रिपोर्ट भी शामिल होनी चाहिए। एक अन्य बयान में एनएचआरसी ने कहा कि उसने मीडिया में आई उस खबर का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया था कि 22 जनवरी को छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में एक सरकारी स्कूल के करीब 38 विद्यार्थी पास की सीमेंट फैक्ट्री से निकली जहरीली गंध के कारण बीमार पड़ गए।

दिल्ली में चुनावी हार के बाद आप को लगा बड़ा झटका, तीन मौजूदा पार्षद भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में एमसीडी पार्षद अनीता बसोया, संदीप बसोया, निखिल चपराना, धर्मवीर सिंह बीजेपी में शामिल हुए। हाल में ही संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर कमाल किया है। ऐसे में अब टउऊमें भी भाजपा की सरकार बन सकती है। पूरा का पूरा नंबर गेम इससे पलट सकता है। यह अरविंद केजरीवाल के लिए भी बड़ा झटका है ।बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने

कहा कि पिछली दिल्ली सरकार के सभी कुकर्म खत्म होने वाले हैं और उसी हिसाब से सजा दी जाएगी। चाहे वह शीश महल हो, शराब घोटाला हो, जल बोर्ड घोटाला हो, पैनिक बटन घोटाला हो, राशन कार्ड घोटाला हो या फिर मोहल्ला क्लीनिक घोटाला हो। हर उस व्यक्ति को सजा मिलेगी जिसने दिल्ली को लूटने का काम किया है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा ।हाल में ही संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर कमाल किया है। ऐसे में अब टउऊमें भी भाजपा की सरकार बन सकती है। पूरा का पूरा नंबर गेम इससे पलट सकता है।

लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने की तैयारी, फडणवीस सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी

एजेंसी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों के खिलाफ नए कानून के कानूनी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामले, कानून और न्यायपालिका, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभागों के सचिव और गृह विभाग के उप सचिव शामिल हैं। सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने पिछले दिनों कहा था कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में बनाए गए समान कानूनों के बाद, महाराष्ट्र जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून लाने की योजना बना रहा है। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों के लिए सांख्यिकीय साक्ष्य का अभाव है और वह इसे 'जिहाद' का नाम देकर जबरन धर्मांतरण के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। जीआर ने समिति की जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया: वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना, 'लव जिहाद' और जबरन धार्मिक रूपांतरण के बारे में शिकायतों को संभालना, अन्य राज्यों के कानूनों की जांच करना, कानूनी ढांचे की स्थापना करना और कानूनी निहितार्थों की समीक्षा करना।

कांग्रेस संगठन में बड़ा फेरबदल, भूपेश बघेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, कई राज्यों के प्रभारी भी बदले गए

एजेंसी

नई दिल्ली: 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को दिल्ली में लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा है। यही कारण है कि पार्टी ने अपने संगठन को लेकर बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने शुक्रवार को एक बड़ा संगठनात्मक बदलाव लागू किया, जिस पर वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की छाप दिखाई दी। इसने दो राज्यों के लिए महासचिव और नौ के लिए प्रभारी नियुक्त किए। वहीं इन पदों पर रहे छह नेताओं को हटा दिया। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब के प्रभारी एआईसीसी महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए महासचिव नामित किया गया है ।रजनी

पाटिल को हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का प्रभारी बनाया गया है, जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश चौधरी अब मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी संभालेंगे। कर्नाटक कांग्रेस के दिग्गज नेता बीके हरिप्रसाद को हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी गई है और राहुल गांधी के करीबी सहयोगी कृष्णा अल्लावरू प्रमुख चुनावी राज्य बिहार की कमान संभालेंगे। अन्य प्रमुख नियुक्तियों में अजय कुमार लल्लू को ओडिशा का प्रभारी, के राजू को झारखंड का, मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का और गिरीश चोदनकर को तमिलनाडु और पुडुचेरी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। सप्तगिरि शंकर उलाका को मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड में पार्टी मामलों का प्रभार दिया गया है ।फेरबदल में दीपक बाबरिया, मोहन प्रकाश, भरत सिंह सोलंकी, राजीव शुक्ला, अजॉय कुमार और देवेंद्र यादव सहित कई वरिष्ठ नेता बाहर हो गए, जिनके योगदान को पार्टी ने स्वीकार किया। कांग्रेस के आधिकारिक बयान ने पुष्टि की कि सभी नई नियुक्तियाँ तुरंत प्रभावी होंगी। ये बदलाव ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आए हैं।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का चौथा चरण शुरू,

खगड़िया में कार्यकताओं का उमड़ा जनसैलाब, घटक दलों के अध्यक्षों ने बताया एकजुटता की ताकत

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- डॉ. दिलीप जायसवाल ने खगड़िया में ठऊअ कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित, दिए बड़े संदेश
- NDA कार्यकताओं की मेहनत से बिहार में फिर बनेगी सुशासन की सरकार : डॉ. दिलीप जायसवाल
- मोदी सरकार की नीतियां जनता की पहली पसंद :डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार में विकास और सुशासन ही ठऊअ का संकल्पर :डॉ. दिलीप जायसवाल
- 2025 विधानसभा चुनाव में NDA बनाएगा नया इतिहास :डॉ. दिलीप जायसवाल
- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बना विश्वगुरु :डॉ. दिलीप जायसवाल
- NDAएकजुट है, बिहार में विकास की यात्रा नहीं रुकेगी :डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकताओं का जोश एनडीए की ताकत : डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकर्ता सम्मेलन से कार्यकताओं का मनोबल 'हाई' : डॉ. दिलीप जायसवाल
- घटक दलों की दीवारें अब गौण हो चुकी हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 15 फरवरी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कार्यकर्ता सम्मेलन के चौथे चरण की शुरूआत आज खगड़िया से हुई। चौथे चरण के कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरूआत में एनडीए कार्यकताओं में गजब का उत्साह दिखा और एनडीए के पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने इन उत्साहित कार्यकताओं में जोश भरते हुए एकजुटता की ताकत का एहसास कराया। एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने खगड़िया के मथुरापुर मैदान में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेते हुए कार्यकताओं को प्रदेश में 225 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज कराने का संकल्प दिलाया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मथुरापुर मैदान में उमड़ा कार्यकताओं के जनसैलाब में जोश ही एनडीए की ताकत है।उन्होंने कहा कि तीन चरणों के दौरान प्रदेश के करीब आधे जिलों में कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजित किया जा चुका है। जिन-जिन जिलों में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुए हैं, वे सभी अभूतपूर्व सफलता हासिल कर चुके हैं। इन सम्मेलनों ने कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाया है और यह साफ कर दिया है कि घटक दलों के बीच की दीवारें अब गौण हो चुकी हैं।इस एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के अलावा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से भाग लिया।भाजपा अध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकताओं को संदेश देते हुए कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि एनडीए कार्यकताओं की मेहनत से बिहार में फिर से सुशासन की सरकार बनेगी और बिहार के विकास की गति और तेज होगी। मोदी सरकार की नीतियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हाल में हुए कई चुनावों से स्पष्ट है कि मोदी सरकार की नीतियां जनता की पहली पसंद है। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए के संकल्प बिहार में विकास और सुशासन रहा है और भविष्य में भी यही रहेगा। एनडीए गठबन्धन के लोगों की प्राथमिकता बिहार के विकास की रही है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में न केवल एनडीए की जीत होगी बल्कि हम एक नया इतिहास बनाएंगे। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि आज अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कुर्सी आगे बढ़ाता है।

छपरा से संचालित जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के संबंध में समीक्षा बैठक की गई

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, बैठक में रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यालय संचालन हेतु उपयुक्त भवन चिन्हित करने, गतिविधियों के आयोजन से संबंधित वार्षिक कैलेंडर तैयार करने, माह में दो बार रक्तदान शिविर आयोजित करने, वालंटियर्स की संख्या बढ़ाने हेतु निदेशित किया गया।

लिटेरा पब्लिक स्कूल में भव्य ह्यलिटेरा स्पोर्ट्स फेस्ट का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना, संवाददाता। लिटेरा पब्लिक स्कूल में ह्यलिटेरा स्पोर्ट्स फेस्टह्न का भव्य आयोजन किया गया। इस खेल उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना एवं आपसी सौहार्द्र को विकसित करना था, साथ ही उन्हें खेलों के प्रति जागरूक बनाना।

इस खेल महोत्सव में नर्सरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दोनों शाखाओं के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बड़े छात्रों के लिए बैडमिंटन, टेबल टेनिस, दौड़ एवं कबड्डी आयोजित किए गए, वहीं छोटे बच्चों के लिए सैक रेस, चम्मच दौड़ और रिले रेस जैसी रोचक गतिविधियाँ रखी गईं। लड़के और लड़कियों, दोनों ने पूरे जोश और उमंग के साथ इन खेलों में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना उपस्थित थे।जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नवेश, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, फतुहा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे।इस अवसर पर लिटेरा पब्लिक स्कूल की अध्यक्ष ममता मेहरोत्रा, निदेशक आशुतोष मेहरोत्रा एवं निदेशक श्रुति मेहरोत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे

इस भव्य आयोजन में क्षेत्रभर के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बच्चों का हौसला बढ़ाया। साथ ही, अन्य विद्यालयों के निदेशक एवं प्रधानाचार्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और लिटेरा पब्लिक स्कूल द्वारा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर श्री संजय कुमार ने छात्रों को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया और स्कूल के प्रयासों की सराहना की। श्री नवेश ने भी विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन और टीम वर्क विकसित करने का संदेश दिया।

लिटेरा पब्लिक स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त करता है, जिनकी वजह से यह आयोजन सफल रहा।

19 फरवरी 2025 को एक दिवसीय नियोजन कैम्प का होगा आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा, नियोजन कैम्प में भाग लेने हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10 वीं उत्तीर्ण रखी गई है नियोजन पदाधिकारी अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के द्वारा दिनांक- 19 फरवरी 2025 को एक दिवसीय नियोजन कैम्प का आयोजन नियोजन कार्यालय , छपरा में किया जाएगा।

इस नियोजन कैम्प में स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, गोपालगंज द्वारा रत्रह्ळ के 40 पद के वैकेंसी के विरुद्ध पात्र लोगों का चयन किया जायेगा। रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी इस नियोजन कैम्प में भाग लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। नियोजन कैम्प में भाग लेने हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10 वीं उत्तीर्ण रखा गया है तथा आयु सीमा 18-30 वर्ष होनी चाहिये। वेतन 11000 रुपये + 10000 रुपये तक इंसेंटिव होगा। जॉब लोकेशन सारण, सिवान, गोपालगंज जिला होगा। नियोजन कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंधन नियोजनालय में हो।नियोजनालय में निबंधन की प्रक्रिया ऑनलाईन कर दी गयी है जो कि भारत सरकार के पोर्टल (६६६.ल्लू२.ङ्मा५.ल्ल) के माध्यम से होता है। कोई भी अभ्यर्थी घर बैठे अपना निबंधन इस पोर्टल के माध्यम से कर सकता है। साथ ही अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा कार्यालय में भी ऑनलाईन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है। अभ्यर्थी अपना नियोजनालय निबंधन इस पोर्टल पर आवश्यक रूप से करा लेंगे। नियोजन कैम्प में भी ऑनलाईन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी।

भाजपा शासन में बिहार में दलितों पर बढ़ा अत्याचार: आनन्द माधव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

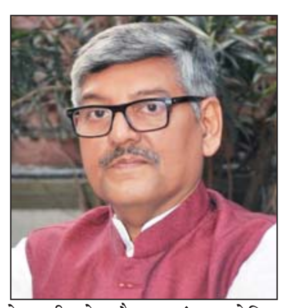

पटना. शनिवार, 15 फरवरी, 2025 भाजपा के शासन काल में दलित उत्पीड़न के मामले बिहार में तेजी से बढ़े हैं। आज स्थिति यह है कि बिहार में दलित सांसद पर भी मनबढ़ भाजपाई एवं जदयू कार्यकर्ता जानलेवा हमले कर दे रहे हैं। अनुसूचित आयोग के अनुसार दलित उत्पीड़न में चार शीर्ष राज्यों में सभी भाजपा शासित राज्य हैं। ये बातें बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता एवं चेयरमैन रिसर्च विभाग, आनन्द माधव ने कही।आनन्द माधव ने कहा कि वर्ष 2018-19 के दौरान दलित उत्पीड़न में देश के 1.3 लाख मामलों पर सर्वाधिक यूपी और बिहार में रहें। मतलब साफ है कि भाजपा और उसके गठबंधन ने सबसे ज्यादा दलितों के साथ अन्याय को अपने राज्यों में बढ़ावा दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि 18 फरवरी को जब एस सी आयोग के राष्ट्रीय चेयरमैन रामशंकर कठेरिया ने बिहार में दलित अत्याचार पर चिंता जतायी थी और कहा था कि देश में दलित अत्याचार का औसत 21 प्रतिशत है जबकि बिहार में यह 42 प्रतिशत है। 2015 से हर साल दलित उत्पीड़न के मामले बढ़ते चले गए हैं। 2018 में दलित अत्याचार के 42792 मामले दर्ज हुए तो 2019 में यह 45,935 हो गया जिसमें 3486 बलात्कार के मामले थे। दलितों पर अत्याचार के मामले में सजा दिलाने का दर 2018 में 42% थी तो 2022 में यह 34% ही रह गई। कुछ ही दिनों पहले नवादा जिले में दलितों के अस्सी घर फूँक दिये गये।दलित उत्थान की बात कहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी दलितों के पांव धोने का ड्रामा करते रहे और उनके ही शासन काल में देश के अंदर और उनके राज्य सरकारों के अंतर्गत दलितों पर अत्याचार बढ़ते गए लेकिन फिर भी फोटोजीवी प्रधानमंत्री ने इस ओर कोई सार्थक कदम नहीं उठाया।सच तो यह है कि बिहार में डबल इंजन की सरकार नहीं- महाजंगलराज है।

आनन्द माधव
प्रवक्ता

आनन्द माधव ने कही।आनन्द माधव ने कहा कि वर्ष 2018-19 के दौरान दलित उत्पीड़न में देश के 1.3 लाख मामलों पर सर्वाधिक यूपी और बिहार में रहें। मतलब साफ है कि भाजपा और उसके गठबंधन ने सबसे ज्यादा दलितों के साथ अन्याय को अपने राज्यों में बढ़ावा दिया है।

मंत्री को सौंपा गया ज्ञापन: 3000 हजार पेंशन की मांग पर जोर

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय।सर्किट हाउस में बिहार पी. डब्ल्यू. डी. संघ, बेगूसराय के प्रतिनिधि एवं दिव्यांगजन ने मिलकर तीन हजार पेंशन की मांग को लेकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले जी को ज्ञापन सौंपा। मौके पर मंत्री जी से बात करते हुए अध्यक्ष जोशी कुमार ने कहा वर्तमान समय में दिव्यांगजन को बिहार सरकार मात्र चार सौ रुपए मंत्र पेंशन दे रही है। जिससे दिव्यांगजन को
जीविका उपार्जन नहीं हो रहा है। सरकार हम लोगों पर ध्यान नहीं दे रहे है
अनुरोध है, की
की कृपा करें। सचिव विपिन कुमार ने कहा अन्य राज्यों की तरह दिव्यांगजन को भी बिहार के पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनाव में आरक्षण मिले। वही महासचिव मोहम्मद आफताब आलम ने कहा दिव्यांगजन के आयोग का गठन हो। सरकार के अध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने कहा दिव्यांगजन के सलाहकार बोर्ड का बैठक 2018 के बाद से नहीं हो रहा है। जिससे राज्य निःशक्त आयुक्त पद की रिक्ति खाली पड़ी हुई है। अनुरोध है इस पर बहाल किया जाए। मौके पर अन्य दिव्यांग गौतम कमार दीपक कुमार, गरीब
निरंजन कुमार, गोरेलाल कुमार, संजीत कुमार आदि मौजूद थे।

जीविका उपार्जन नहीं हो रहा है। सरकार हम लोगों पर ध्यान नहीं दे रहे है

2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में गरीबों के अधिकारों का रैली होगा- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

भाकपा माले ने मोतीपुर में किया जन संवाद का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर/समस्तीपुर आगामी 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में भाकपा माले का बदलो बिहार महाजुटान रैली गरीबों-वंचितों के हक-अधिकारों की दावेदारी के लिए होगा। इस महाजुटान से हम वास-आवास की गारंटी, गरीबों को आय प्रमाण पत्र देने और भूमिहीनों को वासभूमि, स्कीम वर्करों को राज्य कर्मी का दर्जा देने, 2 सौ यूनिट बिजली फ्री देने, पेंशन की राशि को 3 हजार रुपए करने आदि की मांगों को राजनीतिक गलियारों तक पहुंचाना चाहते हैं। जदयू-भाजपा की सरकार में गरीबों के साथ जो धोखा और दमन हुआ है, उसका भयावह मंजर राज्य में चारों ओर दिखाई दे रहा है। सभी सरकारी विभाग और कार्यालय चरम भ्रष्टाचार के गिरफ्त में है। जनता को कोई सुनने वाला नहीं है। उक्त बातें भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने मोतीपुर में जन संवाद के दौरान कहा। मौके पर किसान नेता ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, ललन दास, भाकपा माले के राजदेव प्रसाद सिंह, शंकर सिंह, मोतीलाल सिंह, सांझा देवी, सुनीता देवी महेश्वर शर्मा आदि मौजूद थे। किसान नेता ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर जनता से जन संवाद कर भाकपा माले मूलभूत मुद्दों पर उन्हें एकजुट करने के प्रयास में जुटे हुए हैं ताकि जदयू-भाजपा की डबल इंजन की नीतीश सरकार के कुशासन का वास्तविक चेहरा जनता के सामने स्पष्ट हो सके।

भारत नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी, एसएसबी, जयनगर ने देशी कट्टे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

भारत नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी, एसएसबी, जयनगर ने देशी कट्टे के साथ युवक को किया गिरफ्तार
दिनांकः 15 फरवरी 2025
स्थानः बी कंपनी, जानकीनगर ।
सशस्त्र सीमा बल (रइ) की 48वीं वाहिनी, के जवानों ने विवेक ओझा, उप कमांडेंट (प्रचालन) की गुप्त सूचना के आधार पर आज 15 फरवरी 2025 को सुबह 09:42 बजे विशेष गश्ती के दौरान भारत नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 277/01 से लगभग 320 मीटर भारतीय क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी तलाशी के दौरान उसके पास एक देशी कट्टा एवं जिंदा कारतूस को बरामद कर जब्त किया गया ।
जब्ती का विवरण इस प्रकार से है :-
1. देशी कट्टा झ 01 नग
2. जिंदा कारतूस झ 01 नग
3. सिल्वर जैसी दिखने वाली अंगूठी झ 01 नग
4. सिल्वर जैसा दिखने वाला कडा झ 01 नग
गिरफ्तारीः
इस कार्रवाई में अरबाज अंसारी, उम्र 24 वर्ष, सपुत्र झ स्व. इस्लाम अंसारी, ग्राम झ लठुआ, पोस्ट खोना थाना झ बासोपट्टी, जिला मधुबनी, बिहार को गिरफ्तार किया गया है । उससे पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है ।
आगे की कार्रवाई हेतु गिरफ्तार व्यक्ति को देशी कट्टे सहित अग्रिम कानूनी प्रक्रिया हेतु थाना बसोपट्टी को सौंप दिया गया है ।
कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने इस कार्यवाही के लिए एसएसबी जवानों की सराहना की और उनके मनोबल को बढ़ाते हुए उनकी सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की । एसएसबी देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है और सीमा पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को सफल नहीं होने देगा ।

अनियंत्रित हाईवा गैरेज में घूसा, चौपहिया वाहन एवं घर क्षतिग्रस्त,

स्थानीय लोगों ने मुआवजा की मांग पर किया नेशनल हाईवे जाम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- स्थानीय लोगों ने शराब पीकर रात्री में हाईवा चलाने का लगाया आरोप
- हाईवा चाकल परिचालन एवं पाल्यूशन एक्ट की धज्जियां उड़ा रहा-भाकपा माले

ताजपुर/समस्तीपुर बीती रात्रि 10.15 बजे कथित रूप नशे की हालत में अनियंत्रित हाईवा रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर 11 जीए 8571 चांदनी चौक स्थित मो० इर्शाद मुन्ना के ए टू जेड कार गैरेज में टक्कर मारते हुए गैरेज के अंदर घूस गया। टक्कर इतना जोरदार था कि दो चौपहिया वाहन क्रमशः स्कार्पियो रजिस्ट्रेशन संख्या इफ01ढट 2789 एवं दूसरा डिजायर को कुचलते हुए हाईवा दीवार तोड़ दिया। संयोग था कि स्टाफ बाहर में गाड़ी में हवा दे रहा था जिससे उसकी जान बच गई। बगल के पेंटर मो० तौफीक एवं टायर दुकानदार मो० जिलानी की दुकान का भी टक्कर से क्षति हुआ है। स्थानीय लोगों ने क्षति का तत्काल मुआवजा देने, शराब की नशे में हाईवा चलाने पर रोक लगाने, बाजार होकर हाईवा चलाने पर रोक लगाने आदि की मांग को लेकर चांदनी चौक पर नेशनल हाईवे जाम कर दिया। जामस्थल पर वाहनों का तांता लग गया। मौके पर बंगरा एवं ताजपुर थाना की पुलिस पहुंचकर स्थानीय लोगों को समझा- बुझाकर जाम समाप्त कराने की कोशिश में लग गई लेकिन लोग लोग तत्काल मुआवजा देने की मांग पर अड़े हैं। पूछे जाने पर भाकपा माले के सुरेंद्र प्रसाद सिंह एवं आसिफ होदा ने कहा कि भाकपा माले ताजपुर में हाईवा के आतंक के खिलाफ पहले से आंदोलनरत है। उन्होंने कहा कि शराब पीकर हाईवा चलाया जाता है। खुले हाईवा में मिट्टी- बालू ढ़ोया जाता है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल गैरेज मालिक को मुआवजा देने, बाजार होकर हाईवा चलाने पर रोक लगाने, शराब पीकर हाईवा चलाने पर रोक लगाने की मांग की है। पुलिस के काफी मान-मनौव्वल के बाद बंगरा थाना पर हाईवा के मैनेजर, जनप्रतिनिधि, राजनीतिक पार्टी के नेता एवं पुलिस की मौजूदगी में बैठक कर मांगों को पूरा करने के आश्वासन पर करीब दो घंटे बाद जाम हटाया गया।

सपही गांव में शादी समारोहसे बोलेरो चोरी, पुलिस जांच में जुटी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सपही गांव में शादी समारोह से बोलेरो चोरी हो जाने का मामला सामने आया। मशरक थाना क्षेत्र के सिकटी भिखम गांव निवासी कन्हैया लाल ठाकुर पिता स्व सकलदेव ठाकुर ने बताया कि अपना बोलेरो बीआर 04 जे 0946 लेकर सपही गांव में शादी समारोह में गया था वहीं पर बोलेरो खड़ा कर खाना खाने गया और जब वापस आया तो देखा कि बोलेरो चोरी कर ली गई है। थाना पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है

दिनकर की धरती पर पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव जी का, कुमार गौतम ने किया भव्य स्वागत

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बरौनी/ बेगुसराय बीते शनिवार को तेघरा प्रखंड अंतर्गत बरौनी स्थित होटल तथास्तु के सभागार में समता जन संवाद का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके आयोजक श्री कुमार गौतम थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री देवेंद्र प्रसाद यादव के बेगूसराय जिला आगमन पर जन सुराजी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने गर्म जोशी से उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जन सुराज के जिला अध्यक्ष डॉ रजनीश कुमार जी ने किया वही मंच संचालन अजय कुमार एवं अनवर हैरान ने की !

सभागार के मंच पर पहुंचते ही श्री देवेंद्र प्रसाद यादव जी को जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार एवं जिला प्रभारी बुलू दास ने फूल माला पहना कर एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य मोहम्मद रिजवान उस्मानी ने चादर से एवं महिला नेत्री रूपम देवी गुलदस्ता और कुमार गौतम ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

समता जन संवाद के सभा को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा

जन सूरज के सूत्रधार प्रशांत किशोर रणनीतिकार है। कोई राजनेता नहीं तो ! क्यों घबरा रहे हैं छोटे भाई और बड़े भाई ।

15 साल के राज बड़े भाई और 20 साल के राज छोटे भाई की हाथों से खिसकते हुई दिख रही है इसीलिए घबरा रहे हैं बड़े भाई और छोटे भाई।

बिहार में अब परिवर्तन की हवा चल चुकी है यह हवा नहीं आंधी है क्योंकि जन सुराज आ रहा है जनता में है छट पटाहट के कब तीसरा विकल्प मिले

धुंधली राजनीति से जनता का मन उचक रहा है। जनता के समस्या को समाधान करने के लिए ही बनाया गया

है जन सुराज

जनता का सुंदर राज जन सुराज

बिहार में लालू जी के शहजादे ने ढ़कोसली घोषणाएं किए

जो जनता को सिर्फ भ्रमित करने का काम कर रही है।

माय बहिन मान योजना को लेकर ढाई हजार रुपया देने की घोषणा किए हैं यह मुझे बिल्कुल गलत लगता है क्योंकि बिहार का बजट

2 लाख 46 हजार करोड़ का है

जो डेढ़ लाख करोड़ इस योजना में खर्च हो जाएगा तो बचेगा लगभग

1 लाख करोड़

तो फिर 200 यूनिट बिजली कहां से फ्री देंगे और सामाजिक सुरक्षा पेंशन बिहार के लगभग 25 लाख सरकारी मुलाजिम को दारमहा कहां से देंगे यह बिल्कुल ढ़कोसली घोषणा है लोगों को बरगलाने के लिए।

मुझे तो लगता है इनका साथ गांठ बीजेपी से हो गई है क्योंकि बजट तो बीजेपी ही बढ़ाएगी क्योंकि केंद्र सरकार में तो बीजेपी की है कही इनको बजट बढ़ा देगी बीजेपी

इसीलिए मुझे लगता है इनका आपस में तालमेल हो गया है ।

अब बिहार वासी की है एक ही नारा

सबको शिक्षा और सबको काम इसी से मिल जाएगी सबको रोटी कपड़ा और मकान

झांसे में नहीं आना है जन सुराज को बिहार में मजबूती से लाना है।

पूर्व खाद उद्योग मंत्री श्री देवेंद्र प्रसाद यादव जी ने ही अपने शासनकाल में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए लाल कार्ड और पीला कार्ड को संपूर्ण हिंदुस्तान में लागू करने का काम किए थे इस समता जन संवाद में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री यादव को सुनने के लिए सभा में सैकड़ो लोग ने भाग लिया मौके पर मौजूद प्रखंड अध्यक्ष श्री कृष्णा मोहन सिंह, अनुमंडल महासचिव मोहम्मद मजहर अली, महिला नेत्री रूपम देवी एवं संगीता देवी, साहिल अंसारी ,युवा नगर मंडल अध्यक्ष सूरज कुमार उर्फ बंटी, जिला महासचिव मोहम्मद आजाद, डॉ शंकर सोनू , विंग कमांडर रणजीत सिंह, बरौनी नगर मंडल अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास, संतोष सिंह, राजन कुमार, मोहम्मद मुबारक अली, मोहम्मद आशिक अभिनाश कुमार उर्फ शीलू , अनु मंडल अध्यक्ष विपिन कुमार, हाफिज रुस्तम इत्यादि मौजूद थे

केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने आस्था की डुबकी लगाई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज त्रिवेणी संगम प्रयागराज में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने आस्था की डुबकी लगाई। मीडिया से बात करते हुए कहा ये मेरा सौभाग्य हैं की स्नान करने का मौका मिला चिराग ने कहा पूरे परिवार के साथ आज आस्था की डुबकी लगाई लम्बे समय से सोच रहा था। की महा कुंभ में स्नान करे मैं विश्वास रखता हूँ अस्था रखता हूँ और उम्मीद रखता हूँ। जितने लोग ने यहाँ स्नान किया भगवान उनको खुश रखे तरकी दे। हमारा देश-प्रदेश खुशहाल बने प्रधानमंत्री जी का जो सपना हैं विकसित देश बनने की हमलोग उस में सफल हो इन्ही सब कामना के साथ यहाँ आया था ।उक्त आशय की जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।

मशरक में एन एच 227 ए राम जानकी मुख्य सड़क पर शव रख ग्रामीणों ने किया जाम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव में श्मशान भूमि पर कब्जा कर लेने के विवाद को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को दिल्ली से आए शव को दुमदुमा में एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर रख आवागमन ठप्प कर दिया और डीएम को बुलानें की मांग करने लगें। मौके पर सीओ सुमंत कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार दल बल के साथ पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में श्मशान की जमीन पर गांव के ही सुनील राय समेत कुछ लोग कब्जा कर लिए हैं उसकी शिकायत सीओ और थाना पुलिस मे दर्ज कराई गई। वहीं उनसे विवाद को जल्द सुलझाने का अनुरोध किया गया। पर मामले में कोई भी उचित कार्रवाई नहीं की गयी। वहीं गांव के ही शंकर साह उम्र 45 वर्ष पिता बिदा साह की मौत दिल्ली में ब्रेन हेमरेज से होने के बाद शव को गांव में लाकर दाह संस्कार करने लाया गया तो उन लोगों के द्वारा जलानें का विरोध किया गया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा शव को मुख्य सड़क पर रख घंटो जाम कर अपना विरोध दर्ज कराया गया। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों की जाम पर प्रशासन लाचार दिखी। ग्रामीणों में सरपंच फुलेश्वर राय, कामेश्वर राय समेत अन्य सैकड़ों महिला पुरूष ग्रामीण मौजूद रहे।

घर बनवाने को लेकर हुई मारपीट में दो घायल, आधा दर्जन पर प्राथमिकी दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज थाना क्षेत्र के छपियां बुजुर्ग में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में आधा दर्जन पर प्राथमिकी दर्ज हुआ है. इस घटना को लेकर हामिद हुसैन ने स्थानीय थाना में आवेदन देते हुए कहा है कि मेरे जमीन पर मेरी भांजी उसका पति कब्जा करने के नियम से जबरन नींव डालवा रहे थे. जबकि उक्त जमीन पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है. किसी भी पक्ष को उस जमीन पर मकान नहीं बनवाना है. जबरन उस जमीन पर नन्हु साईं, आमना खातून, राजा, नेहा खातून, आलिया खातून, तनवीर व शमशाद मकान बनवा रहे थे. जब आवेदक द्वारा मकान नहीं बनाने पर मना किया गया तो उक्त सभी आरोपी गायत्री गलौज करते हुए मारपीट किए. आवेदक ने कहा है कि मेरे छोटे लड़का आजम अली को भी मारपीट कर

हामिद हुसैन ने स्थानीय थाना में आवेदन देते हुए कहा है कि मेरे जमीन पर मेरी भांजी उसका पति कब्जा करने के नियम से जबरन नींव डालवा रहे थे. जबकि उक्त जमीन पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है

घायल कर दिए. वहीं मेरे लड़के और नातीन के हाथ से दो मोबाइल छीन लिए. अगल बगल के लोग जाकर बीच बचाव किए. वहीं घायलों की ईलाज सीएचसी हुसैनगंज में कराया गया. उक्त सभी आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

कराची ने सिहमा को 9 विकेट से हराया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(समस्तीपुर)' गांधी मैदान में खेले गए रोमांचक मुकाबले में कराची की टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सिहमा को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले के हीरो रहे रोहित कुमार, जिन्होंने तूफानी शतक जड़ते हुए अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई।सिहमा ने खड़ा किया 216 रनों का विशाल स्कोर कराची के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सिहमा के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित करते हुए शानदार बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवरों में 216 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। हालांकि, कराची के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में बेहतरीन वापसी की और कुछ अहम विकेट चटकाए।

रोहित-शरणजीत की तूफानी जोड़ी ने मचाया धमाल 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कराची की टीम की ओपनिंग जोड़ी ने आक्रामक अंदाज में शुरूआत की। रोहित कुमार और शरणजीत कुमार ने मैदान में चौकों-छक्कों की बारिश कर दी और गेंदबाजों को टिकने का कोई मौका नहीं दिया। रोहित कुमार ने मात्र 42 गेंदों में नाबाद 104 रन की विस्फोटक पारी खेली ।शरणजीत कुमार ने 37 गेंदों पर 97 रन बनाए और टीम को मात्र 13.1 ओवरों में जीत दिला दी ।रोहित बने ह्यमैन ऑफ द मैचह्नअपने शतक और बेहतरीन प्रदर्शन के चलते रोहित कुमार को ह्यमैन ऑफ द मैचह्न के पुरस्कार से नवाजा गया। पुरस्कार वितरण समारोह में आयोजक इंदु गुप्ता ने रोहित को सम्मानित किया और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

कराची की उम्मीदें बढ़ीं, टूनार्मेंट में दिखाया दम इस धमाकेदार जीत के बाद कराची की टीम टूनार्मेंट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल हो गई है। उनकी यह जीत आने वाले मुकाबलों में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित होगी। अब सबकी नजरें कराची के अगले मैचों पर होंगी, जहां वे इसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे ।क्या कराची की यह फॉर्म उन्हें टूनार्मेंट का चैंपियन बना पाएगी? बने रहिए हमारे साथ क्रिकेट के ताजा अपडेट्स के लिए!

गुरुवार की शाम एक साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ एक दरिंदे ने हैवानियत किया

आरोपी की जमकर पिटाई किया और केवटी पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- केवटी थाना क्षेत्र के कसनरैनी गाँव मे (सदर दरभंगा प्रखण्ड क्षेत्र) गुरुवार की शाम एक साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ एक दरिंदे ने हैवानियत किया। घटना की जानकारी पर परिजनों ने आरोपी की जमकर पिटाई किया और केवटी पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया ।आरोपी 35 वर्षीय सुनील कुमार जाले थाना क्षेत्र का निवासी है ।वह अपनी बहन के घर 10-15 दिन पूर्व आया था। बहन के घर रहने के कारण सटे बगल की घर की एक छोटी बच्ची के संग घुलमिल गया था बच्ची भी उसके साथ खेला करती थी।

घटना के समय भी वह बच्ची को उठा लिया और एक सुनसान कमरे में दुष्कर्म कर बच्ची को छोड़ दिया। रोती हुई बच्ची को किसी दूसरी बच्ची ने उसे उठाकर उसकी माँ तक पहुँचायी तब उसकी माँ तक पहुँचायी तब उसकी माँ को घटना समझ मे आई। फिर आरोपी को पकड़ा गया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सूचना दी गई। केवटी पुलिस रात करीब 10:30 बजे घटना स्थल पर पहुँचकर आरोपी को पकड़कर थाना ले आई ।बच्ची का इलाज डीएमसीएच मे चल रहा है। घटना स्थल पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ है। आसपास के लोग सख्ती से फोटो खींचने से मना कर दिया ।इधर सूचना पर सिटी एसपी अशोक कुमार थाना पर आरोपी से पूछताछ के बाद फॉरेंसिक जाँच टीम के संग घटना स्थल के लिए निकल गये। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पीड़िता बच्ची के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नही हुआ है।

रहमानी होमियो क्लिनिक द्वारा विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय जिले के बखरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को चिकिमिद उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्थित रहमानी होमियो क्लिनिक के नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर में हजारों मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया, साथ ही 2 लाख से अधिक एलोपैथिक व होम्योपैथिक दवाइयों का वितरण भी किया गया ।प्रसिद्ध डॉक्टरों की उपस्थिति में हुआ शिविर का आयोजन इस शिविर का नेतृत्व बेगूसराय के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह (ट.इ.इ.र, टऊ) व रहमानी होमियो क्लिनिक के निदेशक एवं अनुभवी चिकित्सक डॉ. एम.एन. रहमानी ने किया। उनके मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला। शिविर में जिले के कई जाने-माने चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही, जिन्होंने मरीजों की जांच

कर उचित परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराईं ।गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति शिविर के दौरान शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार, पूर्व मुखिया अब्दुल हलीम समेत क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे चिकित्सा शिविर समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। सप्ताह में दो दिन रहमानी होमियो क्लिनिक के निदेशक डॉ. एम.एन. रहमानी ने घोषणा की कि डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह अब सप्ताह में दो दिन रहमानी होमियो क्लिनिक में मरीजों का उपचार करेंगे। यह कदम ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा। स्थानीय लोगों को मिला लाभ इस शिविर से बखरी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी संख्या में लाभ मिला। मरीजों को शिशु रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग, हड्डी रोग, मधुमेह, रक्तचाप और अन्य बीमारियों के लिए विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया।

राम जानकी पथ के निर्माण से इलाके में आएंगी समृद्धि,सीओ ने किया निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या और मां सीता की जन्मस्थली जनकपुर तक प्रस्तावित एन एच 227 ए राम जानकी पथ का निर्माण कार्य के लिए भूमी अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है। सीओ मशरक सुमंत कुमार ने गुरुवार को निर्माण कार्य के अधिकारी और कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के साथ बैठक की और मशरक के देवरिया,बंसोही और चैनपुर गांव में अधिग्रहित की जा रही भूमी का निरीक्षण किया। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि राम-जानकी पथ के निर्माण से इलाके में समृद्धि आएगी। इस पथ के बनने से पर्यटन, व्यापार, रोजगार, और ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे आर्थिक लाभ होगा और बेहतर कनेक्टिविटी से स्वास्थ्य, शिक्षा, और उद्योग क्षेत्र में भी सकारात्मक असर पड़ेगा। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि इसके लिए राजस्व विभाग की टीम अंचल लिपिक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में कई पंचायतों में कैंप लगा रहीं हैं। वहीं जिन लोगों को किसी भी तरह की दिक्कत हैं वह सीधे अंचल कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं। वहीं राम-जानकी मार्ग में भूमी अधिग्रहण का काम तेजी से चल रहा है। जानकारी के अनुसार राम जानकी मार्ग के लिए मशरक प्रखंड के जिन गांवों की जमीन का अधिग्रहण करने के लिए चिन्हित किया गया है। उनमें चैनपुर,किशुनपुरा, मठिया, देवरिया,दुमदुमा,दुरगौली, बहरौली और बंसोही गांव शामिल हैं। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि मशरक के 5 किलोमीटर की दूरी में सड़क गुजरेगा। अंचल लिपिक प्रवीण कुमार ने बताया कि 8 गांवों की 23 एकड़ की जमींन अधिग्रहण की जानी है जिसके लिए 27 करोड़ रूपए का भुगतान किया जाएगा। जिसमें अभी तक 15 करोड़ रुपए का भूमी मुवाअजा के रूप में भुगतना किया जा चुका है। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि सारण के मशरक एवम पानापुर प्रखंड के गांव से यह महत्वपूर्ण मार्ग गुजरेगी । इससे सारण राम जानकी पथ का हिस्सा बनेगा और इस क्षेत्र का भी विकास धार्मिक , पर्यटन स्थल के रूप में होने की उम्मीद जगी हैं। वहीं उन्होंने कहा कि राम-जानकी पथ में मशरक में भूमी अधिग्रहण में जिला भू-अर्जन विभाग की भुगतान में भ्रष्टचार बड़ी बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं जिसकी शिकायत जिलाधिकारी सारण से की गयी हैं।

227 ए राम जानकी पथ का निर्माण कार्य के लिए भूमी अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है। सीओ मशरक सुमंत कुमार ने गुरुवार को निर्माण कार्य के अधिकारी और कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के साथ बैठक की और मशरक के देवरिया,बंसोही और चैनपुर गांव में अधिग्रहित की जा रही भूमी का निरीक्षण किया। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि राम-जानकी पथ के निर्माण से इलाके में समृद्धि आएगी। इस पथ के बनने से पर्यटन, व्यापार, रोजगार, और ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सड़क दुर्घटना में दो टेम्पो टकराए 9 लोग जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप के समीप का है मामला, झारखण्ड के बोकारो के बाबू लाल कैलू महतो बसंती देवी सुरेश दास संधियां कुमारी किरण दास कुन्ती देवी कैलू देवी सभी लोगों जख्मी हुए जिसकी इलाज पीएचसी हरलाखी में इलाज चल रही है आज सुबह करीब 11 बजे के आसपास सड़क हादसा हो गया, ग्रामीणों ने आनन फानन मे पास के ही पीएचसी उमगाव में इलाज के लिये ले गये, मिली जानकारी अनुसार सभी लोगों बोकारो से ट्रेन से धनुषा नेपाल आश्रम में एक कार्यक्रम भाग लेने जा रहे थे प्रत्याशदकों ने बताया की जयनगर से टेम्पो आ रही थी पीछे से दूसरे टेम्पो तेज रफ्तार से आकर टक्कर मार दी जिससे टेम्पो दुर्घटना

मधुबनी जिला के हरलाखी थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप के समीप का है मामला,

ग्रस्त हो गई टेम्पो में सवार यात्री जख्मी हो गया

हसनपुर विधान के भावी उम्मीदवार इंदु गुप्ता व बिहार के चर्चित समाजसेवी एवं गरीबों के मसीहा सुरेंद्र गुप्ता ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण का किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हसनपुर विधानसभा क्षेत्र उजान, परी गांव में कड़ाके की ठंड को देखते हुए समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए एक सराहनीय कदम उठाया गया। हसनपुर विधान के भावी उम्मीदवार इंदु गुप्ता और बिहार के चर्चित समाजसेवी एवं गरीबों के मसीहा सुरेंद्र गुप्ता ने जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण का आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ठंड से जूझ रहे गरीब एवं बेसहारा लोगों को राहत प्रदान करना था ।समाजसेवा की अनूठी मिसाल कंबल वितरण कार्यक्रम हसनपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे लाभान्वित हुए। इस मौके पर सुरेंद्र गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा,"गरीबों की सेवा करना हमारी पहली प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे। समाज के हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचाने का हमारा संकल्प जारी रहेगा ।स्थानीय

जनता ने की सराहनीय पहल की प्रशंसा इस आयोजन के दौरान स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की खूब प्रशंसा की और इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक कदम बताया। लोगों का कहना था कि इस तरह की पहल से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना भी बढ़ती है। रामलाल यादव, जो कार्यक्रम में कंबल प्राप्त करने आए थे, ने कहा,"हम गरीबों के लिए यह बहुत बड़ी मदद है। सुरेंद्र गुप्ता जी और इंदु गुप्ता जी जैसे लोग अगर आगे आते रहेंगे, तो गरीबों को भी जीवनयापन में सहारा मिलेगा।"समाज सेवा का संकल्प कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के समाजसेवी, स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने भी इस प्रयास को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। भावी विधायक उम्मीदवार इंदु गुप्ता ने कहा,"हमारी कोशिश यही है कि जरूरतमंदों तक हर संभव मदद पहुंचे। हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि समाजसेवा भी है। आने वाले समय में भी हम इसी तरह के कार्यक्रम जारी रखेंगे। जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशीकंबल पाकर गरीबों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कई बुजुर्गों ने कहा कि हर साल इस तरह की मदद मिलती रहे, तो ठंड से उनकी परेशानियां कम हो जाएंगी। हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में हुआ यह कंबल वितरण कार्यक्रम न केवल जरूरतमंदों के लिए राहतभरा साबित हुआ, बल्कि समाज में दया, सहयोग और सेवा भावना को भी बढ़ावा दिया। इस पहल से प्रेरणा लेते हुए अगर अन्य लोग भी इसी तरह आगे आएं, तो समाज के कमजोर वर्ग को मदद मिल सकती है और एक बेहतर समाज की नींव रखी जा सकती है।

कालाजार उन्मूलन को लेकर जेनेवा स्विट्जरलैंड की टीम ने सारण में किया निरीक्षण

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- सेंटर ऑफ एक्सिलेंस कालाजार वार्ड और जांच का घर का लिया जायजा
- डीएनडीआई संस्था की अंतरराष्ट्रीय टीम पहुंची सारण
- कालाजार उन्मूलन की ओर अग्रसर है सारण जिला

छपरा। कालाजार उन्मूलन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में विभिन्न स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कालाजार उन्मूलन को लेकर जेनेवा स्वीट्जरलैंड की अंतर-राष्ट्रीय टीम के द्वारा छपरा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया गया। टीम में ड्रग्स फॉर नेग्लेक्टेड डिजीज इनिशिएटिव (डीएनडीआई) संस्था की ओर से जेनेवा स्विट्जरलैंड की हेड ऑफ एक्सट्रनल रिलेशन एन्ना, एक्सट्रनल रिलेशन मैनेजर अनुप्रिया, हेड ऑफ ऑपरेशन अमित और आईपीसी कोर्डिनेटर राजकिशोर शामिल थे। टीम के सदस्यों ने सदर अस्पताल स्थित कालाजार वार्ड, सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, जांच घर और एमसीएच अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, कालाजार रोगियों की पहचान, इलाज, और जांच से संबंधित जानकारी इक्कठा की गयी। जिसमें सारण में कालाजार उन्मूलन के लिए किये जा रहे प्रयास, मरीजों को दी जाने वाली सुविधाएं, मरीजों की संख्या, पिछले पांच साल डाटा और डक्यूमेंट की जांच की गयी। साथ जिले के अमनौर सीएचसी में टीम के द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों का क्षमतावर्धन किया गया। कालाजार मरीजों की पहचान, इलाज से संबंधित जानकारी दी गयी। इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर जांच की गयी और आवश्यक सुझाव दिया गया।

कालाजार मरीजों में कमी लाने का प्रयासः
वीडीसीओ अनुज कुमार ने बताया कि सारण जिला कालाजार उन्मूलन की ओर अग्रसर है। सारण में सभी प्रखंडों में प्रति दस हजार के जनसंख्या पर 1 मरीज से अधिक नहीं होना चाहिए इससे बरकरार रखा गया है। साथ हीं इसे तीन साल तक सस्टेन भी रखा गया है। सारण जिले के सभी प्रखंडों में एन्डमिसिटी रेट 0.5% से नीचे है। उन्होने बताया कि सारण में पिछले साल 2024 में 60 वीएल और 30 पीकेडीएल के मरीज मिले थे। वहीं इस साल 2025 में 2 वीएल और 2 पीकेडीएल के मरीज मिले हैं। कालाजार के मरीजों में कमी लाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है ।

संक्रमित बालू मक्खी के काटने से होता है कालाजारः
जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि कालाजार एक वेक्टर जनित रोग है जो संक्रमित बालू मक्खी के काटने से होता है । यह संक्रमित बालू मक्खी कालाजार रोग के कारक परजीवी लीशमेनिया डोनोवानी को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैलाती है। यह बालू मक्खी कम प्रकाश वाले, नम जगहों, मिट्टी की दीवारों, मवेशी बांधने के स्थान आदि पर पाए जाते हैं। कालाजार उत्पन्न करने वाले परजीवी के संक्रमण से रोगी के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे वह अन्य दूसरे गंभीर रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। जिले के किसी भी व्यक्ति में कालाजार से संबंधित लक्षण दिखे तो उसे अनिवार्य रूप से कालाजार की जांच करानी चाहिए। ताकि समय रहते बीमारी की जानकारी मिल सके। इस मौके पर वीडीसीओ अनुज कुमार, सदर अस्पताल के डॉ हरेंद्र कुमार, लेखा पाल बंटी कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष युवा चौपाल का निमंत्रण लेकर पहुंचे ताजपुर

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) : - - जिले के ताजपुर प्रखंड के सिरसिया में युवा राष्ट्रीय जनता दल के बैनर तले युवा चौपाल आयोजन किया गया।युवा चौपाल मे पहुचे युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव,प्रधान महासचिव रणविजय साहू, जिला संगठन के प्रभारी दिलीप यादव का स्वागत कार्यकताओं ने पाग,चादर व फूल माला से कार्यकताओं नें किया।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा राजद के जिला प्रधान महासचिव महताब आलम विक्की और संचालन सुजीत यादव ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रधान महासचिव सह विधायक रणविजय साहू ने कहा कि दिल्ली की सरकार अपनी नीतियों से देश की संघीय व्यवस्था को कमजोर कर रही है ।रोजगार,महँगाई के मुदे पर डबल इंजन की सरकार विफल है।सत्ता के संरक्षण में अपराध हो रहा है अपराधियों में प्रशासन का कोई भय नही है।युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव ने उपस्थित कार्यकताओं से 5 मार्च को पटना के मिलर स्कूल में प्रस्तावित युवा चौपाल मे भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में अहंकारी सत्ता से लड़ाई में युवाओ की बड़ी भूमिका है।सरकार संविधान को खत्म कर देना चाहती है महागठबंधन सरकार द्वारा बढ़ाए गए आरक्षण की सीमा को नौवी अनुसूचि में नही डालना सरकार के वंचित विरोधी चरित्र को दिखाता है। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष नूर आलम,नगर अध्यक्ष अजहर मिकरानी,युवा प्रखंड प्रधान महासिचव नेयाज अहमद, अल्पसंख्यक सेल के जिला अध्यक्ष फैयाज अलम,राहुल राय,पवन सिंह,रजनीश कुमार दीपक कुमार नूरुजोहा आफो,चुन्नू भाई,वरिष्ठ राजद नेता विष्णुदेव सिंह सरायरंजन युवा प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद राजा मोहम्मद इस्त्राफील,आदि मौजूद थे

आखिरकार सलमान के हत्यारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार, हत्यारा सुजीत ने अपना जुर्म किया कबूल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को डीएसपी कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता डीएसपी टू विजय महतो ने की। प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए डीएसपी टू ने बताया कि दिनांक11 जनवरी 2025 को दोपहर में मो लाडले, पिता मो० सफिक, ग्राम नागरबस्ती, महराजगंज वार्ड संख्या 04, थाना मथुरापुर, जिला समस्तीपुर का 7 वर्षीय भांजा मो सलमान के गुम होने की सूचना थाना को दी गयी थी, जिस संबंध में मथुरापुर थाना कांड संख्या 05/25, दिनांक 14.01.25, धारा 137 (2)/140 (3) बीएनएस अंकित कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में दिनांक 28.01.25 के संध्या में बहेरा चौक से एकद्वारी जाने वाली सड़क के किनारे महावीर साह के सरसों लगे खेत से मो सलमान का शव बरामद हुआ था। घटना की संवेदनशीलता के मद्दे नजर कांड के उदभेदन तथा संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। फलस्वरूप मानवीय एवं तकनिकी सूचना के आधार पर घटना में संलिप्त अभियुक्त सुजीत कुमार पिता परमेश्वर साह उर्फ नुनु साह, ग्राम नागरबस्ती वार्ड संख्या 04, थाना मथुरापुर, जिला-समस्तीपुर को गिरफ्तार कर कांड का सफल उदभेदन किया गया है। डीएसपी टू ने बताया कि हिरासत में लिए गये आरोपी सुजीत कुमार ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गये आरोपी सुजीत कुमार पिता परमेश्वर साह उर्फ नुनु साह, ग्राम नागरबस्ती वार्ड संख्या 04, थाना मथुरापुर, जिला समस्तीपुर निवासी का नाम शामिल है। डीएसपी टू विजय महतो ने बताया कि कांड के उदभेदन में शामिल पुलिस पदाधिकारियो में पु०नि० नीरज तिवारी अंचल निरीक्षक सदर अंचल समस्तीपुर, पु०नि० शिव पूजन कुमार प्रभारी डीआईयू, समस्तीपुर,पु०अ०नि० मुकेश कुमार, थानाध्यक्ष मथुरापुर थाना, पु०अ०नि० अश्वथामा कुमार मथुरापुर थाना, पु०अ०नि० अमीत कुमार डीआईयू शाखा समस्तीपुर, पु०अ०नि धन्नजय कुमार डी०आई०यू० शाखा, समस्तीपुर, स०अ०नि० राजू कुमार यादव, मथुरापुर थाना, पीटीसी अरविन्द कुमार, डीआईयू शाखा समस्तीपुर का नाम शामिल है।

डीएम ने किया मत्स्य बीज हैचरी का निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को जिला पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी रोशन कुशवाहा के द्वारा संयुक्त रूप से रोसड़ा अंचल अन्तर्गत फुलबाबू सहनी, पिता टिपो सहनी, ग्राम रोसड़ा, अंचल रोसड़ा समस्तीपुर का मत्स्य बीज हैचरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी समस्तीपुर के द्वारा फुलबाबू सहनी, (संचालक गंगा मत्स्य बीज हैचरी) से मत्स्य बीज उत्पादन एवं आपूर्ति से संबंधित पृच्छा की गई। श्री सहनी के द्वारा बतलाया गया की मेरे द्वारा रोहु, कतला, नैनी, मृगल आदि मछलियों के बीज का उत्पादन कृत्रीम प्रजनन द्वारा किया जाता है एवं जिला एवं निकटवर्ती जिलों ने स्पान, फाई एवं मत्स्य अंगुलिकाओं की आपूर्ति की जाती है। मेरे द्वारा मत्स्य बीज उत्पादन से वार्षिक 18.00 लाख रू तक की कमाई की जा रही है एवं 12 युवाओं को रोजगार भी दिया जा रहा है। जिला पदाधिकारी द्वारा श्री सहनी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अधिक से अधिक युवाओं को मत्स्य व्यवसाय से जोड़ने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। लाभुक फुलबाबू सहनी द्वारा बतलाया गया की मत्स्य बीज हैचरी एवं तालाब निर्माण में मत्स्य विभाग द्वारा अब तक लगभग 10 लाख रू अनुदान के रूप में आर्थिक मदद देकर प्रोत्साहित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा शिवाजीनगर अंचल में क्रियान्वित सात निश्चय पार्ट 02 के तहत मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना का निरीक्षण किया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा बतलाया गया की समुह में यहाँ पर तीन लाभुकों द्वारा लगभग 15 एकड़ में बेकार पड़े चौर की भूमि को विकसीत कराते हुए मत्स्य पालन का कार्य किया जा रहा है। मत्स्य कृषक संजय सहनी, श्याम बाबु यादव एवं अशर्फी सहनी के द्वारा बतलाया गया की लीज पर जमीन लेकर तालाब का निर्माण करवाया गया है, जिसमें जिला मत्स्य कार्यालय से लगभग 15.00 लाख रू अनुदान के रूप में प्राप्त हुआ एवं 06 युवाओं को रोजगार भी दिया जा रहा है।

नीलाम पत्र वादों की समीक्षात्मक बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों के साथ नीलाम पत्र वादों की समीक्षात्मक बैठक शनिवार को की गई। विदित हो कि विभागीय निर्देश के आलोक में सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी को 1990 तक के एवं उसके पूर्व के सभी नीलाम पत्र वादों को यथाशीघ्र निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया है जिसके आलोक में विभाग द्वारा एवं प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जा रहा है। उक्त आलोक में आज की बैठक में अपर समाहर्ता समस्तीपुर द्वारा सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हुए अनुमंडल पदाधिकारी/ भूमि सुधार उप समाहर्ता/ अंचलाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अन्य नीलाम पत्र पदाधिकारी तथा जिला स्तरीय उप समाहर्ता एवं अन्य नीलाम पत्र पदाधिकारी को विभागीय निर्देश के आलोक में नीलाम पत्र वादों के निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया।

वारिसनगर प्रीमियम लीग टूनार्मेंट के फाइनल मैच में

चंदन इलेवन महुआ की टीम ने शांति निकेतन बेगूसराय टीम को 47 रनों से पराजित कर कप पर अपना कब्जा जमाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित नर्सरी मैदान में शनिवार को आयोजित वारिसनगर प्रीमियम लीग टूनार्मेंट के फाइनल मैच में चंदन इलेवन महुआ की टीम ने शांति निकेतन बेगूसराय को 47 रनो से पराजित कर कप पर कब्जा जमाया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महुआ की टीम ने हैप्पी यादव के 32 गेंद पर छः छक्का व 5 चौका की मदद से 64 रन, कप्तान सुप्रीम के 21 गेंद पर चार छक्का व सात चौका की मदद से 55 रन, प्रियांशु के 16 गेंद पर पांच छक्का व एक चौका की मदद से नाबाद 47 रन तथा विशाल यादव के 28 गेंद पर पांच छक्का व एक चौका की मदद से नाबाद 45 रन की मदद से निर्धारित ओवर में चार विकेट खोकर 245 रन बनाया। जवाब मे खेलने उतरी बेगूसराय की टीम राजेश सिंह के 40 गेंद पर नौ छक्का व तीन चौका की मदद से 80 रन, गौरव कुमार के 16 गेंद पांच छक्का व तीन चौका की मदद से 46 रन तथा आदर्श एडी के 18 रन पर चार छक्का व दो चौका की मदद से 34 रनो के बावजूद 19.1 ओवर में 208 रनो पर ऑल आउट हो गई। एक समय मैच काफी संघर्षपूर्ण लग रहा था, परंतु राजेश सिंह के ऑउट होने के बाद तथा यवा अमित यादव के 19 वें ओवर दो विकेट लेकर मेडन ओवर करने एवं उसी ओवर में एक रन आउट होने पर मैच का पासा ही बदल गया। महुआ टीम के सुप्रीम को मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बॉलर विशाल यादव, मैन ऑफ द सीरीज विशाल पीजीआई का पुरस्कार दिया गया। सभी पुरस्कार थानाध्यक्ष निरंजन कुमार, प्रखंड प्रमुख राजू कुमार, प्रभात कुमार, आफताब आलम व मो इरशाद ने संयुक्त रूप से दिया गया। मैच में निर्णायक की भूमिका मनीष चंद्रा व दीपू झा ने, स्कोरर की भूमिका रामधीन व राकेश कुमार तथा कमेंटेटर की भूमिका मुन्ना ने निभाया। टूनार्मेंट के सफल संचालन के लिए प्रमोद कुमार, ओमकांत, शिशु, पिंटू, नीरज आदि ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।ः

आवास सहायक द्वारा जोड़े गये लाभूको का घर तक नहीं दिखाया, बीडीओ ने आवास सहायक पर लगाई फटकार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में पात्र व्यक्तियों का जोड़े जा रहे है। इसी का भौतिक सत्यापन के क्रम में सोरमार पंचायत में कलई खुली। निरीक्षण के क्रम में आवास सहायक से वार्ड वाइज जोड़े गये नाम की सूची की मांग की गई।आवास सहायक ने जोड़े गये नाम की सूची प्रखंड विकास पदाधिकारी को नहीं दिया ना कोई रजिस्टर मेंटेन किया गया, जिससे वार्ड वाइज घरों का सत्यापन करने में समस्या हुई।जब आवास सहायक से ही बोला गया क्या आप घर दिखाइए किसका किसका नाम जोड़ा गया है तो दो व्यक्तियों का नाम उनका घर दिखाया। जब सूची में देखा गया तो पाया गया कि उनका नाम ही नहीं जुड़ा है वहीं पर कई ऐसे पात्र व्यक्ति पाए गये जिनका नाम अभी तक उनके द्वारा नहीं जोड़ा गया है, उक्त मामले को लेकर महिलाएं सब शिकायत कर रही थी। निरीक्षण के क्रम में ही पंचायत भवन पर सभी जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों के साथ इस क्रम में विशेष जानकारी दी गई।जोड़े गये व्यक्तियों का सूची निकालकर पंचायत भवन पर चिपकाया गया। तथा कहा गया कि सभी लोग नाम देख लीजिए कि किसका नाम जुड़ा है किसका नहीं जुड़ा है। यह सूची प्रति सप्ताह चिपकाया जाएगा। सूची चिपकने से लोगों में एक अच्छा संदेश गया है लोगों में उत्साह था कि अब किसका - किसका नाम जुड़ रहा है। सभी लोगों को पता चल जाएगा। मामले में बीडीओ देवेंद्र कुमार का बताना है कि क्रॉस वेरिफिकेशन किया जा रहा है पात्रता रखने वाले सभी लाभुकों का नाम हर हाल में जोड़ा जाएगा जो कर्मी इसमें कोताही बरतेंगे उनके विरोध कार्रवाई निश्चित की जाएगी।

अज्ञात ट्रक ने कार में मारी ठोकर ट्रक चालक ट्रक लेकर हुआ फरार

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क के विरसिंहपुर चौक के समीप अज्ञात एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार में ठोकर मारी। कार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई। घटना की सूचना पर डायल 112 की टीम सहित थाना के एएसआई दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचकर कार।

जनता दरबार में पहुंचे छः फरियादी, दो का हुआ निषपादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना परिसर में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में नया और पुराने मामले को लेकर छः फरियादी पहुंचे हुए थे। जिसमें से दो मामले का निष्पादन किया गया। जिन फरियादियों का आज निष्पादन हुआ उनमें इशरत प्रवीण, मो सगीर, मालती देवी, मनोज सहनी का नाम शामिल है। जनता दरबार के अवसर पर राजस्व अधिकारी रत्नेश्वर दास, थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार, अंचल कर्मी मंटून कुमार, सूरज कुमार आदि मौजूद थे।

हद है ! लापरवाह लोग मर जाएंगे , लेकिन नहीं लगाएंगे हेलमेट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र से गुजर रही एन एच 227 ए राम जानकी पथ और छपरा मशरक एस एच 90 व मशरक सिवान शीतलपुर एस एच 73 पर अक्सर देखा जा रहा है कि सड़क दुर्घटना का मुख्य कारण लापरवाही ही हो रहीं है। बावजूद इसके लोग लापरवाही कर दुर्घटनाओं को खुला न्यौता देते हैं। मशरक के विभिन्न गांवों में भी लोग सड़क पर चलते समय लापरवाही बरत रहे हैं। यही कारण है कि लोगों की लापरवाही उनके जान पर बन आती है। इन दिनों हर दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है। इन दुर्घटना में लोगों की मौत भी हो रही है। आंकड़ों पर अगर हम गौर करें तो मशरक में जिन दुर्घटना में बाइक चालकों की मौत हुई हैं। अधिकांश ने हेलमेट नहीं पहना था। बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं लगाकर लोग यातयात के नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसके बाद दुर्घटना होने पर लोगों के जान पर बन आती है। सड़क दुर्घटनाओं में मां-बेटे, पति-पत्नी और एक ही परिवार के सदस्यों की मौत हो रही हैं। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने लोगों से अपील किया कि लोग यातायात नियमों के उल्लघंन की हालत में वाहन न चलाएं। ऐसे वाहन चलाने पर कार्रवाई हो रही है। तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना कागजात सभी पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। सड़क हादसे भी सबसे ज्यादा लापरवाही के कारण होते हैं। सड़कों पर तेज गति से वाहन चालने, बिना हेलमेट के सफर करने और सीट बेल्ट नहीं लगाने से हादसे होते हैं। मशरक के चौक चौराहे पर यातायात नियमों का पालन करने में वाहन चालक

लापरवाही कर रहे हैं। सड़क से गुजरने वाली हर 10 में से नौ बाइक सवार बिना हेमलेट के होते हैं। अक्सर देखा जाता है कि बाइक पर तीन लोग सवार होकर सफर करते हैं। बच्चे भी बड़े वाहन दौड़ा रहे हैं। हादसे से कोई सबक लेने को तैयार नहीं। नियमों के प्रति लोगों की लापरवाही के कारण यातायात पुलिस भी चालान का कार्रवाई करती है। बावजूद इसके लोग अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे। लोग जुमार्ना तो भरने को तैयार हैं लेकिन यातायात के नियमों का पालन करने को तैयार नहीं हैं। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष व बहरौली मुखिया अजीत सिंह ने कहा कि नाबालिग का तेज रफ्तार में बाइक चलाना भी अक्सर सड़क दुर्घटना का कारण बन रहा है। प्रशासन को नाबालिग बाइक चालकों के साथ साथ अभिभावकों पर भी सख्ती बरतने की आवश्यकता है, सड़क सुरक्षा नियम की जानकारी नहीं होना भी दुर्घटना का कारण है। नारायणी सेवा संस्थान के जिला समन्वयक अखिलेंद्र सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग को गांव स्तर के स्कूल-कॉलेज सहित सार्वजनिक जगहों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना चाहिए। बाइक पर मानक के अनुरूप सवारी करने के नियम को सख्ती से पालन कराने की आवश्यकता है। साथ ही हर हाल में वाहन पर दो लोगों को ही चलना चाहिए। सरपंच बिनोद प्रसाद ने कहा कि सड़क दुर्घटना से बचने के लिए अभिभावकों को भी अपने बच्चों के प्रति सक्रियता रखनी चाहिए। वाहन चालक अपने वाहन का उपयोग निर्धारित गति से करें।वाहन चलाते समय ओवरटेक से बचना चाहिए। अगर जीवन सुरक्षित रहा, तो जीवन भर वाहन चला सकेंगे। चरिहारा गांव निवासी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि हेलमेट के साथ जूता पहनकर ही लोगों को वाहन चलाने की इजाजत हो। साथ ही नशा करके वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस को सख्ती के साथ कठोर कार्रवाई करने की जरूरत पर काम करना चाहिए?। उच्च विद्यालय मशरक के शिक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि स्कूल-कॉलेज के पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय होनी चाहिए। हेलमेट प्रशासन से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए पहनने की सीख देना आवश्यक है। पुलिस भी मामले पर पूरी तरह से काम करें ना कि खानापूर्ति तक सीमित रहें।

बेगूसराय में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में घटक दलों के अध्यक्षों ने कार्यकताओं का बढ़ाया उत्साह, एक स्वर में कहा - बिहार का विकास प्राथमिकता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिहार चहुंमुखी विकास की उड़ान भरेगा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए सरकार में बिहार नए अभ्युदय की कहानी लिखेगा : डॉ. जायसवाल
- बिहार को विकसित बनाने में हम सब मिलकर अपनी भागीदारी निभाएं : डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार के विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण और किसानों की समृद्धि के लिए एनडीए जरूरी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने दिया भरोसा, 'एनडीए ही वह ताकत है जो बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है'
- कार्यकताओं की एकता से एनडीए की बढ़ी ताकत : डॉ. जायसवाल
- आमजनों के कल्याण और हित को सर्वोपरि रखकर एनडीए करती है काम : उमेश सिंह कुशवाहा

- एनडीए कार्यकताओं की एकजुटता ने संकल्प को आसान बनाया : राजू तिवारी
- बिहार में 225 से ज्यादा सीटें लाकर एनडीए बनाएगी सरकार : अनिल सिंह
- प्रदेश में अब अपराधियों को मिलती है सजा : मदन चौधरी

पटना, 15 फरवरी। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के चौथे चरण के पहले दिन आज बेगूसराय में भी कार्यकताओं का जुटान हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने यहां आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि एनडीए की प्राथमिकता बिहार का विकास है। सभी ने अगले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत का भी दावा किया।

बेगूसराय के कपूर्री उच्च विद्यालय, धमौली में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत से जुट जाने का आह्वान किया। सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप काम करना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की पटरी पर लाकर दिखा दिया है। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में केंद्र से मिल रही मदद से बिहार चहुंमुखी विकास की उड़ान भरेगा। उन्होंने हाल ही में केंद्रीय बजट में बिहार को मिली सौगातों का जिक्र करते हुए कहा कि एनडीए सरकार में बिहार नए अभ्युदय की कहानी लिखेगा। आज बिहार को विकसित करना केंद्र सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि बिहार के विकास, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। जरूरत है कि हम भी बिहार को विकसित बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि एनडीए ही वह ताकत है जो बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। राजद की सरकार को बिहार के लोग 15 साल देख चुके हैं जब बिहार को एक बीमारू राज्य के रूप में रेखांकित किया जाता था, आज वही बिहार की योजनाओं को अन्य राज्य अपना रहे हैं। संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकताओं की उमड़ी भीड़ को ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि कार्यकताओं की एकता से एनडीए की ताकत और हौसला दोनों बढ़ा है। अब कोई ऐसी शक्ति नहीं है जो आगामी चुनाव में एनडीए को इतिहास बनाने से रोक सकती है। कार्यकताओं की उपस्थिति से उत्साहित जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए आमजनों के कल्याण और हित को सर्वोपरि रखकर ही काम करती है। भरोसा देते हुए उन्होंने कहा कि आगे भी आमजनों के कल्याण और हित को सर्वोपरि रखकर ही कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में बिहार को आर्थिक और सामाजिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की आज वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान बनी है और दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकसित बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि इस मैदान में जुटे कार्यकताओं की एकजुटता और संकल्प साफ है। अर्जुन की तरह इन्हें मछली की आंख की तरह सिर्फ विधानसभा चुनाव की 225 सीटों का लक्ष्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ फिर से एनडीए की सरकार बनानी है। हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि बिहार में 225 से ज्यादा सीटें लाकर एनडीए सरकार बनाएगी। बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि यहां के लोगों को अब राजद का शासनकाल नहीं चाहिए। अब लोग कभी भी उस जंगलराज को नहीं चाहते। आज यहां के लोग लालटेन को भूलकर बिजली का आनंद ले रहे हैं।

रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने भी एनडीए कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि एनडीए की सरकार है तो हर कार्य मुमकिन है।

संक्षिप्त डायरी

.पीएम मोदी का अमेरिका दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक रहा : प्रेम कुमार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 15 फरवरी। बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज विश्व लीडर के रूप में नरेंद्र मोदी स्थापित हैं।

उन्होंने कहा कि हर कोई उनकी बातों को ध्यान से सुनता है और उस पर अमल भी करता है। प्रधानमंत्री का अमेरिका दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। 26/11 के दोषी तहबुर राणा को अमेरिका ,भारत को सौंपने वाला है, यह सपना प्रधानमंत्री के कारण ही सच होने वाला है।

यही नहीं एफ 35 फाइटर विमान जो पांचवीं पीढ़ी की आधुनिक लड़ाकू विमान है वह भी भारत को अमेरिका से मिलने वाला है। पहले से हमारे पास फ्रांस की आधुनिक लड़ाकू विमान राफेल है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो कहते हैं वह करते हैं। ऐसे वैश्विक लीडर के सामने देश सभी चुनौतियों को आसानी से पार करते हुए आधुनिक भारत, विकसित भारत का सपना साकार करने में लगा है।

उन्होंने कहा कि अभी वर्ष की शुरूआत ने हमने दिल्ली का चुनाव जीता है और इस वर्ष के अंत होने से पहले बिहार का चुनाव भी हम लोग जीतेंगे। केंद्र में नरेंद्र मोदी और बिहार में एनडीए गठबंधन के नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में यह चुनाव लड़ा जाएगा और 225 से अधिक सीटें जीतकर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनाएंगे।

मोदी-नीतीश के संयुक्त ठगी का शिकार है बिहार: डा0 अखिलेश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 15 फरवरी, 2025 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के युगलबंदी से बिहार त्रस्त रहा है। ठगी के इनके अन्दाज भी अलग है। नीतीश जब भी भाजपा के गोदी में जाते हैं तो लोगों को उम्मीद जग जाती है कि शायद बिहार का भला हो। लोग समझते हैं कि बिहार को अब विशेष राज्य का दर्जा, नहीं तो स्पेशल पैकेज मिलकर रहेगा लेकिन ढाक का तीन पात। मोदी जी नीतीश बाबू को झुनझूना पकड़ाते हैं और दोनों खुश होकर ताली पिटने लगते हैं। पिछले 10 वर्षों से बिहार के साथ यही घटिया मजाक का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

नया वक्फ बिल न्याय का गला घोटेगा : उलमा बोर्ड हिंद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबरार नौमानी

सीतामढीः उलमा बोर्ड हिन्द के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद सदरे आलम नौमानी ने अपने बयान में कहा के वक्फ बिल संशोधन कर के सरकार कैसे मुसलमानों की संपत्ति पर कब्जा करने की साजिश कर रही है.

मौलाना नौमानी ने कहा कि नया वक्फ विधेयक न केवल वक्फ की परिभाषा, संरक्षक की भूमिका और वक्फ बोर्ड की शक्तियों को बदल देगा, जबकि पहली बार केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से सरकार वक्फ की संपत्तियों पर काबिज हो जाए गी । सरकार ने वक्फ संपत्तियों पर निर्णय लेने की पूरी शक्ति कलेक्टर को दी गई है, वक्फ संपत्तियों पर विवाद के मामले में वक्फ ट्रिब्यूनल को इसका निपटारा करने का अधिकार था, लेकिन विधेयक में यह शक्ति कलेक्टर को दे दी गई है। मौजूदा वक्फ अधिनियम के तहत कोई भी विवाद एक साल के भीतर वक्फ ट्रिब्यूनल के समक्ष लाया जा सकता था, नए विद्यायक ने कलेक्टर और सरकारी अधिकारियों को मनमानी कर ने की शक्ति दी है । उन्होंने कहा कि विधेयक में यह शर्त भी शामिल है कि अपनी संपत्ति समर्पित करने वाला व्यक्ति कम से कम पिछले 5 वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा हो. यह प्रावधान नैतिक सिद्धांतों और भारतीय संविधान की भावना के विरुद्ध है। वर्तमान कानून के तहत, किसी भी व्यक्ति को धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किसी भी चल या अचल संपत्ति को स्थायी रूप से दान करने की अनुमति है। मौलाना नौमानी ने सवाल किया कि यह कौन तय करेगा कि कौन व्यक्ति लंबे समय से इस्लाम का पालन कर रहा है अथवा नहीं, जबकि विधेयक गैर-मुस्लिमों को सदस्य बनने की अनुमति देता है। वक्फ की संपत्ति मुसलमानों की निजी संपत्ति है, जो धार्मिक या धर्मार्थ के उद्देश्यों के लिए वक्फ किया गया है।

आरओबी निर्माण के लिए धन्यवाद प्रेषित करने पहुंचे युवकों को नगर विधायक ने भेंट किया रामचरितमानस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नौजवानों ने 13 वर्षों से ठप पड़े आरओबी निर्माण के वादे को साकार करने के लिए विधान सभा कार्यालय भासर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 500 नौजवानों ने नगर विधायक को धन्यवाद ज्ञापित करने विधान सभा कार्यालय भासर पहुंचकर विधायक को साधुवाद देते हुए कहा आप नई पीढ़ी के आइकॉन हैं। हम सभी को वचन के प्रतिबद्धता का नैतिक शिक्षा आपसे प्राप्त हुआ है। आपकी सादगी और स्पष्टवादिता भी नई पीढ़ी के लिए एक सीख है। 2047 के विकसित भारत के संकल्प में हम सभी अपने अपने क्षेत्र में कठोर परिश्रम और कर्मयोग से आपके साथ खड़े हैं। विधायक ने भाव विभोर होकर प्रसन्नता के अश्रुपूरित आंखों से कहा आप सबों के प्यार का हम सदैव ऋणी रहेंगे, और हमे और कर्मठता से विकास करने का आज अदभुत संबल मिला है। विधायक ने धन्यवाद देने आए सभी नौजवानों को रामचरितमानस भेंट करते हुए कहा ये सिर्फ काव्य नही है, सनातनियों के सम्पूर्ण जीवन क्षेत्र में सभी दाईत्वों के सफलता पूर्वक धर्मयुक्त निर्वहन का मूलमंत्र है।

मधुबनी जिला अतिथि गृह, परिषदन के सभागार में जनता दल यू0 किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला अतिथि गृह (परिषदन) के सभागार में जनता दल यू0 किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विश्वजीत कुमार सिंह मुन्ना के अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम नवगठित कमिटी के साथियों के बीच मनोनयन पत्र का वितरण एवं सम्मान समारोह किसान एवं सहकारिता के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय मनोज कुमार एवं प्रदेश से आए हुए आगंतुक अतिथियों के हाथों वितरण किया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि बिहार में किसानों के हित में जितना कार्य माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में हुआ उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ। साथियों मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2005 में जब नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री बने उससे पहले सरकार के स्तर पर कोई भी विकासात्मक कार्य पैमाने पर नहीं किया गया था। बिहार में प्रथम बार मुख्यमंत्री जी ने कृषि रोड मैप का निर्माण करवाया जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के द्वारा करवाया गया। बिहार में सभी जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड में कृषि भवन का निर्माण करवा कर किसान के हित में कृषि कार्यालय स्थापित करवाएं। बिहार में कृषि मित्रों को बहाल कर किसानों को प्रशिक्षित करवाया गया। खेती करने के लिए उनके सहयोग के लिए कृषि को आधुनिकीकरण करवाया गया। किसान के हित के लिए यंत्रीकरण की सुविधा एवं अनुदान दिया गया। किसान के अन्य भंडारण के लिए गोदाम का निर्माण करवाया गया।

अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी आनंद कुमार के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बैठक हुई

(दरभंगा):- पिछले दिनों कनीज फातमा बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय असराहा के कैम्पस में छात्र एवं छात्राओं की ओर से 39 सूत्री मांगों को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद गुरुवार को विद्यालय परिसर में ही दरभंगा जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी आनंद कुमार के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम, पूर्व मुखिया अब्दुल मालिक, असराहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि खुर्शीद आलम, इंतेशार उर्फ डब्लू, जकी अहमद, शमशाद अहमद, तौकीर अहमद, नौशाद अहमद व माशुक इकबाल अता आदि शामिल हुए। बैठक विद्यालय के प्रिसिंपल चेंबर में की गई जो लगभग दो घंटे तक चली। बैठक में आनंद कुमार के साथ मायाकान्त, राहुल कुमार और प्रिसिंपल भी उपस्थित रहे। छात्रों की सभी मांगो पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया जिसमें से मुख्य 13 बिंदुओं को जनप्रतिनिधियों द्वारा चिन्हित करके दिया गया जिसे अविलंब पूरा करने का विश्वास आनंद कुमार ने दिलाया।

प्रिसिंपल और शिक्षकों पर लगे आरोप और हटाने वाली मांगो पर आनंद कुमार ने जनप्रतिनिधियों से कहा के आप स्वतंत्र हैं इसके लिए विभाग को लिख सकते हैं लेकिन अब आगे से किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिलेगी सभी लोग आनंद कुमार की बातों से सहमत हुए। खाने में सुधार किया गया है और शिक्षक भी बहाल किया गया है। वहीं विद्यालय कैम्पस में आनंद कुमार ने सभी प्रतिनिधियों के साथ घुम कर सारी कमियों को दूर करने का भरोसा दिलाया।

1- कनीज फातिमा अल्पसंख्यक विद्यालय के वर्तमान प्राचार्य चंद्रमोहन सिंहा को हटाया जाए, 2- छात्रों को शिक्षा में हो रही कठिनाईयों को देखते हुए सभी विष्यों के शिक्षक उपलब्ध कराए जाएं, 3- लाइब्रेरी में पुस्तकें और छात्रों के बैठने की पूर्ण व्यवस्था करवाई जाए, 4- विद्यालय कैम्पस में संध्या में चलने वाले बंद कोचिंग को अविलंब चालू करवाया जाए, 5- अंग्रेजी शिक्षक एस.एन. यादव की छवि छात्राओं के हित में नहीं है, छात्राओं की सुरक्षा को देखते हुए अविलंब हटाया जाए, 6- विद्यालय में छात्रा एवं छात्राओं के इलाज के लिए डॉक्टर और दवाईयों की समूचित व्यवस्था करवाई जाए साथ ही दवा और इलाज के नाम पर छात्रों या उसके अभिभावकों से पैसा नहीं लिया जाए, 7- छात्रों से मिलने वाले परिजनों के साथ विद्यालय के स्टाफ द्वारा किए जा रहे दुर्व्यवहार को बंद करवाया जाए, साथ ही शिक्षकों द्वारा छात्रों को अपशब्द न बोला जाए, 8- छात्रों को शिक्षा से संबंधित सामाग्री समय पर उपलब्ध करवाई जाए साथ ही कपड़ा, मोजा, बेल्ट आदि भी समय पर दिया जाए, 9- छात्रों के लिए पीने का पानी उपर की मंजिल पर भी उपलब्ध करवाया जाए, 10- छात्रों को मेनू के हिसाब से नाश्ता और खाना समय पर दिया जाए, 11- कुक स्टाफ की कमी को अविलंब पूरा किया जाए, 12- विद्यालय का पानी बाहर आम जनता के चलने वाली सड़कों पर बहने से हो रही कठिनाईयों को देखते हुए अविलंब बंद करवाने की व्यवस्था करवाई जाए, 13- विद्यालय और छात्रों के हित को देखते हुए कम से कम 11 स्थानीय लोगों की एक कमिटि बनाई जाए जिसके देख रेख में विद्यालय सुचारू रूप से चल सके।

नई शुरूआत का वसंत

गीता दुबे

आज वसंत पंचमी का दिन है, लेकिन उसके भीतर न कोई उमंग है, न उल्लास। जब से दोनों बच्चों ने अमेरिका की नागरिकता ले ली है, उसके जीवन में एक रिक्तता घर कर गई है। वह धीरे-धीरे जीवन के प्रति उदासीन होती चली गई है।

सुबह से ही वह बरामदे में खड़ी सामने के मैदान में बने पंडाल को मूकदृष्टि से देख रही है, अतीत में खोई हुई। पच्चीस वर्ष पहले, जब वह इस घर में ब्याह कर आई थी, उसके मन में सपनों की एक दुनिया थी। उसने बी.ए. ऑनर्स प्रथम श्रेणी में किया था और आगे पढ़कर कुछ बनना चाहती थी। लेकिन जब उसने अपने पति से यह इच्छा जाहिर की, तो उसका उत्तर सुनकर वह भीतर तक टूट गई थी।

पति ने कहा था–

देखो, मेरे लिए तुम्हारी पढ़ाई का मतलब बस इतना है कि तुम मेरे बीमार माता-पिता और छोटे भाई-बहनों की अच्छी देखभाल कर सको।

पति के विरुद्ध बोलना न उसने देखा था, न ही सुना था। वह चुप रह गई। उस दिन के बाद उसने अपने सपनों को तिलांजलि दे दी और खुद को इस घर की जिम्मेदारियों के प्रति सुपुर्द कर दिया। वह उसी में अपनी खुशी तलाशने लगी।

समय बीता, और जब उसकी गोद में दो नन्हे फूल खिले, तो उसे लगा कि वह दुनिया की सबसे खुशनसीब स्त्री है। मातृत्व के सुख ने उसे बाकी सब चिंताओं से परे कर दिया। वह अपनी दुनिया में उलझी रही, अपने आप को बेहद व्यस्त और खुश पाती रही। पर वह यह नहीं समझ पाई कि उसके अपने सपने कब और कहाँ बिखर गए। धीरे-धीरे वह केवल माँ, बहू, भाभी, चाची बनकर रह गई। माता-पिता ने जो नाम दिया था, वह तो कब का मिट चुका था।

अब, पच्चीस वर्षों बाद, उसे यही सवाल सताए जा रहा है- उसने आखिर पाया क्या?

बच्चे भी तो अब अपने नहीं रहे। इस बार जब रिंकू भारत आया था, तो वह अमेरिका से अपनी ममा के लिए एप्पल का लैपटाप लेकर लाया था। जाते समय उसने कहा था-

ममा अब हम आपसे इसी पर वीडियो कॉल किया करेंगे और हम ढेर सारी बातें किया करेंगे।

लेकिन वह वीडियो कॉल कैसे करेगी? उसे तो लैपटॉप चलाना ही नहीं आता !

वह खुद को पूरी तरह अकेला पा रही थी। घर वही था, दीवारें वही थीं, लेकिन अब वह उसमें अपने आप को तलाश रही थी। वह अपने अतीत में डूबी खड़ी थी, तभी एक बच्ची, जिसकी उम्र बारह या तेरह वर्ष की रही होगी, पास आकर बोली-

आंटी, आंटी, क्या पूजा के लिए आपके बगान से कुछ फूल ले सकती हूँ?

जरूर, जरूर, जितने चाहे ले लो, उसने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

बच्ची फूल लेकर जाने लगी, फिर ठिठककर बोली-

आंटी, आप भी चलिए ना, पंडाल में!

वह न जाने किस अनकही शक्ति से बंधी उसके साथ पंडाल तक चली आई। माँ सरस्वती की मूर्ति के सामने पूरी श्रद्धा से नतमस्तक हो गई। और तभी, जैसे भीतर कहीं कुछ जाग उठा। एक अजीब-सी ऊर्जा ने उसे घेर लिया।

अब वह केवल फूल ही नहीं बाँट रही थी, बल्कि खुद अपने हाथों से कागज की झालर बना रही थी, पंडाल को सजा रही थी। उसी क्षण वह बच्ची मुस्कुराकर उसके पास आई और बोली-

थैंक यू आंटी! आप बहुत अच्छी हैं। मेरा नाम सोनल है, मैं आपसे दोस्ती करना चाहती हूँ। आपका नाम क्या है? मैं आपको फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजूँगी!

वह ठिठक गई।

उसका नाम?

कई सालों से तो किसी ने उसे उसके नाम से पुकारा ही नहीं था।

क्षणभर की चुप्पी के बाद, जैसे खुद को दोबारा पहचानते हुए उसने कहा– मेरा नाम... मेरा नाम अनामिका है। लेकिन मुझे कंप्यूटर चलाना नहीं आता। क्या तुम सिखा दोगी?

जी, आंटी! सोनल ने उत्साह से कहा।

उसने सोनल का हाथ थाम लिया। एक हल्की मुस्कान उसके चेहरे पर खिल उठी। आज, बरसों बाद, उसने खुद से एक वादा किया- वह अपने सारे सपने पूरे करेगी।

उसके भीतर से एक आवाज आई- जहाँ सब कुछ खत्म होता है, वहीं से एक नई शुरूआत होती है।

यह उसकी नई शुरूआत का वसंत था।

सड़क यात्राएँ

रीना सिन्हा सलोनी

सड़क यात्राएँ कस्बों, गाँवों, खेतों और जंगलों से गुजरती हुई पतली-चौड़ी और चिकनी-ऊबड़खाबड़ सी अंतहीन सड़कें न जाने कहाँ जाकर रुकती हैं ... और इन्हीं सड़कों पर अपने गंतव्य की ओर दौड़ती भागती गाड़ियाँ, माल ढोते भारी भरकम ट्रकों की कतारें, दोपहिया और साइकिल पर सवार आते-जाते लोग यूँ तो हर जगह एक से ही लगते हैं ... पर अगर गौर किया जाए तो जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती है और स्थान बदलते हैं वैसे-वैसे परिवेश के साथ-साथ स्थानीय लोग, उनके घरों की बनावट, कपड़े पहनने का ढंग और बोली बदलती जाती है और इस बदलाव को बेहद करीब से महसूस करने के लिए सड़क यात्राओं से बेहतर कोई विकल्प नहीं... रेल या विमान यात्रा से उलट अपनी गाड़ी से की गई सड़क यात्रा में आप जहाँ चाहें वहाँ रुक सकते हैं और रास्ते में पड़ने वाले गाँवों,जंगलों, खेतों और लोगों से परिचित ही नहीं बल्कि उनके बारे में बेहतर जान सकते हैं ...शायद यही है सड़क यात्रा का असल रोमांच जिसे महसूस करने हम निकल पड़े ओडिशा के झाँसुगोड़ा की ओर ... झारखंड से सीमा पार कर ओडिशा में प्रवेश करते ही हमें संथाल और आदिवासी लोगों की जगह अब उड़िया बोलते लोग मिलने लगे थे... रंग बिरंगी और खास आकृतियों से सजी संबलपुर की बुनी सूती साड़िओं को पारंपरिक तरीके से पहने औरतों को देखकर अंदाज लगाना मुश्किल न था की हम ओडिशा में हैं ...खेतों के पार फैली छोटी-छोटी पहाड़ियाँ धीरे-धीरे गायब होने लगीं थीं और उनका स्थान ले लिया था छिटपुट पहाड़ी चट्टानों, झाड़ियों और जंगलों नें... सड़क के दोनों और दूर दूर तक फैली खुली जमीन ज्यादातर सूखी और उजाड़ ही थी ... बीच-बीच में कहीं कोई गाँव आता तो उसके आस पास धान, टमाटर, आलू और अन्य सब्जियों वाले खेत हरे भरे हो उठते और झाड़ियों और पेड़ों के झुरमुट में लाल खपरैली झोपड़ियों के झुंड झाँकते नजर आ जाते...सूखी लकड़ियों के बाड़े से घिरी मिट्टी और इटों की दीवारों वाली खपरैल झोपड़ियाँ... पास बंधी गाय और बकरियों के झुंड... और पास ही खेलते बच्चों का झुंड... कई झोपड़ियों के लिए बना एक अकेला चापाकल और वहाँ बड़े बड़े तसलों में पानी भरती महिलाओं की भीड़ ...पपीते और अमरूद के कई पेड़ और पेड़ के नीचे खटिया पर बैठे लोग...बैर, सहजन, आम और कटहल के अलावा और कई तरह के पेड़ों से घिरे ये गाँव मन को सुकून तो दे रहे थे पर इन गाँवों के लोगों के तंग हालात यहाँ की फैली गरीबी की कहानी भी कह रहे थे... ओड़िशा के कालाहांडी और बलांगीर कभी भारत के सबसे गरीब गाँव हुआ करते थे पर अब यहाँ के गाँवों स्थिति धीरे धीरे बदल रही है...आज ओडिशा के सुदूर हर गाँव में बने सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायत का दफ्तर, जरूरी सामान वाली छोटी छोटी दुकानें और गाँव तक पहुँची बिजली के साथ-साथ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता को देखना अपनेआप में सुखद था... यहाँ के गांवों में बस्ता लेकर स्कूल जाते छोटे छोटे बच्चे आज के भारत के गाँवों की बदलती तस्वीर थे... इन गाँवों को देखकर लगता है शायद यही असली भारत है... हमारे देश का ज्यादातर हिस्सा जो गाँवों में बसता है उसे देखने और उनकी समस्याओं के बारे में जाने के लिए उन्हें पास से देखने की जरूरत है...और सड़क से की गई यात्राओं के दौरान उन्हें देखा ही नहीं बल्कि जिया भी जा सकता है।

हम हिन्दुस्तानी है

सुदीप्ता जेठी राउत

राहुल एवं पंकज दोनों को साथ में खेलते देख राहुल की मां (मोनिका)आग बबूला होकर दौड़ती हुई आयी और राहुल की कान जोरों से खींचती हुई राहुल को डांटते हुए घर की ओर चल दी। पंकज की मां (तपस्या) सामने खड़ी थी। उसकी कानों में हर एक शब्द तीर की भांति बिन्ध रही थी। मोनिका अपने बेटे को डांटते हुए कहने लगी--- कितनी बार कहा है कि पंकज के साथ नहीं खेलना है बल्कि अपने स्कूल के दोस्तों के साथ खेलो।पता नहीं उसके साथ रह के तुम्हें क्या मिलता है। हम लोग कितने कष्ट से तुम्हें इंग्लिश स्कूल में दाखिला करवाएं है और तुम उस हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ने वाले लड़के के साथ चिपके रहते हो।उसका क्या अपने पापा जैसा मजदूर बनेगा, लेकिन तुम्हें इंग्लिश स्कूल में पड़कर अफसर बनना होगा। राहुल कुछ बोलना कि मोनिका फिर चिल्ला उठती। यह सुनकर तपस्या ओर धीरज न धर पायी और मोनिका को टोकते हुए कहने लगी--- क्या तुम्हें भविष्य देखना आता है? जो मेरा बेटा क्या बनेगा, वो बता दिया। ऐसी गलत सोच मत पालो कि सिर्फ इंग्लिश मीडियम में पढ़ने से ही बच्चा तरक्की की ओर बढ़ता और हिंदी मीडियम के बच्चे मजदूर. हम हिंदुस्तानी हैं, हिंदी भाषी है और यह हमारा सौभाग्य है।आगे की पीढ़ी को भी यही सिखाएंगे मजदूर या अफसर यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।हम अपनी भाषा के साथ विदेशी भाषा का भी ज्ञान देंगे। सिर्फ विदेशी भाषा का नहीं, तपस्या अपनी बात खत्म कर अपने घर की ओर चल दी और मोनिका स्तब्ध सी खड़ी रह गई।

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं

डॉ मयंक मुरारी

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं
कौन सा शब्दों में वो एहसास
लिखूं

उस दौर के अमिट ख्याल में खोया
सुवास में सिमटी तुम्हारी सांस
लिखूं

स्पंदन के तार से जुड़ तेरा बस
होना
बेहद नाजुक उस दौर का रास
लिखूं

दुखद, बीच राह में तुम्हारा छोड़
जाना
दिल की चाह का कैसे परिहास
लिखूं

हरएक पल नया रंग लाती यह
जिंदगी
बता, कैसे तेरा वो जादुई प्रकाश
लिखूं

लालसा

रंजना वर्मा उन्मुक्त

महेश बाबु अपनी पत्नी के साथ बैठे चाय पी रहे थे।

बेटे ने जो फ्लैट बुक किया था,उसकी चाभी उसे मिल गयी है।कहीं शह बहू और बच्चों के साथ वहीं न शिफ्ट कर जाये।....पत्नी ने कहा ।

अरे नहीं! उसने फ्लैट बुक करते समय ही कहा था,केवल पैसा इन्वेस्ट कर रहा था।मुझे यकीन है, हमलोग को छोड़ कर वह कभी नहीं जायेगा ।.....महेश बाबु ने मुस्कुराते हुए कहा ।पता नहीं क्यों उनकी आँखों के सामने उनकी माँ का चेहरा आ गया ।बीस साल पहले उन्होंने अपने माता-पिता का घर यह कहते हुए छोड़ दिया था कि ऑफिस की तरफ से इतना बढ़िया फ्लैट मिल रहा है,अगर अभी शिफ्ट नहीं करेंगे तो फ्लैट हाथ से चला जायेगा ।पत्नी का इतना दबाब था कि उन्होंने अपनी माँ का अश्रुपूरित आँखों को भी नजरअंदाज कर दिया ।माँ ने बड़ी धीमी आवाज और बेचारगी भरे आवाज में कहा था,तुमलोगों के बगैर हमलोग कैसे रह पायेंगे ।बच्चों के बिना घर खाने को दौड़ेगा।

माँ का उदास और बुझा हुआ चेहरा उनकी आँखों के सामने आ गया ।लेकिन पत्नी की हार्दिक इच्छा और सुखद स्वच्छन्द जीवन की लालसा ने उन्हें सरकारी आवास में रहने को मजबूर कर दिया ।

वे अभी ये सब सोच ही रहे थे कि तभी बेटा आया और उनकी बगल में बैठ गया ।बोला, पिताजी! एक बात कहनी है ।हमें नये फ्लैट की चाभी मिल गयी है ।हमलोग वहीं शिफ्ट होना चाहते हैं ।वहाँ से मेरा ऑफिस और बच्चों का स्कूल नजदीक है।नीना को भी वहीं पास के स्कूल में टीचर की नौकरी लग गयी है ।

महेश बाबु ने अपनी पत्नी की तरफ देखा ......उसका चेहरा बिलकुल उनकी माँ की तरह दिख रहा था ..... उदास और बुझा हुआ ।

वर्षगाँठ

आनन्द बाला शर्मा

प्रभाकर जी और सुधा जी आज अपने विवाह चालीसवीं वर्षगाँठ मना रहे थे। सुबह से ही बधाइयों का तांता लगा हुआ था।आस पड़ोस वालों, मित्रों परिचितों और रिश्तेदारों की शुभकामनाओं के बीच समय का पता ही नहीं चला। बच्चे भले ही दूर थे पर उनकी फोन कॉल्स, मेसेज और विडियो कॉलिंग पर उनसे हुई बातचीत ने दूरी का अहसास ही नहीं होने दिया । मन उल्लास और खुशी से भरा था। सुधा जी ने आज दोपहर का भोजन प्रभाकर जी की पसंद का बनाया था। भोजन के बाद दोनों बालकनी में बैठकर बातें करने लगे। यादों का सिलसिला जारी था। बातों के बीच सुधा को विचार मग्न गुमसुम सा देख प्रभाकर ने सुधा के हाथों कों अपने हाथों में ले कोमल स्वर में पूछा- क्या बात है सुधा ? क्या सोच रही हो? 'कुछ नहीं, बस ऐसे ही'- सुधा ने धीमे स्वर में कहा 'नहीं कुछ तो है तुम्हें बताना ही होगा सुधा'- प्रभाकर जी ने जोर देकर पूछा।

सुधा ने धीरे-धीरे कहना शुरू किया- यही कि जब मैं आपसे किसी बात पर रूठ जाती थी तो आप मुझे कभी मनाने की कोशिश क्यों नहीं करते थे। कुछ पूछते भी नहीं थे। मैं हमेशा यह चाहती थी कि आप कुछ मनुहार करें, मुझे मनाएं पर आपने कभी यह नहीं किया ।

'बात यह है सुधा कि मैं जानता था कि तुम नाराज हो 'पर मैं बात बढ़ाना नहीं चाहता था। अगर मैं कुछ पूछता तो तुम कुछ कहती और जवाब में मैं फिर कुछ कहता ।इस तरह बात बढ़ती ही जाती । मेरे न बोलने पर शिकायतों का सिलसिला थम जाता था और कुछ समय बाद फिर सब नार्मल हो जाता था। इतनी सी ही बात थी बस।' सुधा के चेहरे की चमक लौट आई थी।

हिंदी मीडियम

निर्मला कर्ण

निकेत आज कार्यालय में अपने उच्च अधिकारी के रूप में सौरभ को देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उन दोनों के पिता रविंद्र और मोहन अपने विद्यालय के समय के ही मित्र थे। मोहन तृतीय वर्ग की सरकारी नौकरी में थे और रविंद्र का अपना व्यवसाय था। व्यवसायी रविंद्र के बच्चे शहर के सबसे बड़े अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय में पढ़ते थे, वहीं मोहन बच्चों को हिंदी माध्यम के सरकारी विद्यालय में ही पढ़ाते थे। कुछ तो सामान्य आय और अधिक मातृभाषा के प्रति लगाव के कारण। रविंद्र इसके लिए कंजूस कहकर उनकी खिल्ली उड़ाते और उनके बच्चे भी मोहन के बच्चों को हेय समझते, जताते भी थे नीचे स्तर का बच्चा कहकर।

बच्चों के दुःखी होने पर मोहन अपनी भाषा का महत्व बताकर प्रोत्साहित करते लगन से पढ़ाई करने के लिए। उनकी पढ़ाई में वह पूरी सहायता करते । समय का महत्व बतला कर समय बर्बाद नहीं करने की बात भी समझाते । वह उनकी पढ़ाई,और उनके पूरे क्रियाकलाप पर स्वयं निगरानी करते ।

आज माता-पिता का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन पाकर और पढ़ाई में लगन शील कुशाग्र बुद्धि सौरभ ने अधिकारी के रूप में जब कार्यालय में अपना योगदान दिया इसी कार्यालय में सहायक के रूप में कार्यरत निकेत जो हमेशा उसकी खिल्ली उड़ाता था हिंदी माध्यम का विद्यार्थी कहकर उसके समक्ष अपनी आँखें शर्म से झुकाये हुए था।

रविंद्र ने उसे समझाया - मित्र भाषा तो सिर्फ माध्यम है, हमारी अपनी भाषा में भी पढ़ाई के बहुत साधन हैं। हिंदी में हम अपनी पढ़ाई की सभी बातें आसानी से समझ सकते हैं क्योंकि वह हमारी मातृभाषा है। भाषा तो हम कभी भी सीख सकते हैं, सिर्फ अंग्रेजी बोलना बड़ी बात नहीं होती है। सफलता हमें भाषा से नहीं अपनी बुद्धि और लगन से मिलती है।

व्यंग्य वार्ता

सांढ़ होने का सुख

ललन शर्मा

सांढ़ दरअसल ऐसा जीव है जो विश्व के किसी भी कोने में पाया जाता है। हमारे देश में तो हर गली-मुहल्ले व बाजार में सांढ़ मिल जाते हैं दरअसल सांढ़ ही किसी राष्ट्र का रीढ़ होता है। जिस मुल्क में सांढ़ न हो या सांढ़ की पूजा न हो तो उस राष्ट्र का न तो कोई नैतिक मूल्य होता है और न ही उसकी राष्ट्रीय पहचान होती है।

सांढ़ बनने का सुख लार्ड महाबलेश्वर के किसी होटल में छुट्टियाँ बिताने से कहीं ज्यादा है क्योंकि यह सुख चिरस्थायी होता है हमारे समाज में, सांढ़ को भोले शंकर का ड्राइवर सह गाड़ी होने के कारण देवता तुल्य माना गया है और इसी कारण सांढ़ को भी भोले शंकर की तरह मस्त-मस्त रहने की आदत होती है। फलस्वरूप सांढ़ को हर कोई श्रद्धा की दृष्टि से देखता है (आँखें हो या ना हो), यह जिसके द्वार पर चला जाता है वहाँ कुछ न कुछ प्राप्त कर ही लेता है। इसी गुण सम्पन्नता का लाभ उठाते हुए हमारे एक नेता मित्र ने अपना नाम सांढ़ कुमार रख लिया।

हमारे यहाँ सांढ़ को बांध कर रखने की प्रथा नहीं है इसलिए हम उन्हें खुला-सांढ़ भी कहते हैं है यानी सांढ़ सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त होता है। चाहे वह तिहाड़ जेल (कांजी हाउस) की दीवार हो या अदालत की फटकार हो। घटिया से घटिया सांढ़ की भी समाज में एक सांस्कृतिक पहचान होती है इसलिए लोगों को चाहिए कि वे सांढ़ होने सुख अवश्य प्राप्त करें। सांढ़ में एक और खास बात होती है कि वह जब चाहे जहाँ चाहे मूँह मार सकता है जैसे वह चाहे तो पशुपालन विभाग का चारा खा सकता है। किसी सेठ की तिजोरी खुलवा सकता है, हवाला मार्ग बनवा सकता है। मूँह मारने के इस सात्विक गुण के साथ देह मारने का भी गुण सांढ़ में होता है। पर सांढ़ को कोई नहीं मार सकता है कोई इसे नहीं टोकता। सभी लोग सांढ़ के इन पुनीत कारनामों को श्रद्धा से देखते हैं। सांढ़ पर किसी प्रकार की आचरण-संहिता लागू नहीं होती है पर इसके हित में सरकारी संहिता में काट-छांट जरूर की जाती है।

सांढ़ के रहने के लिए कोई स्थान फिक्स नहीं होता है उसके लिए वसुधा ही कुटूम्ब है अस्तु वह अपर हाउस से लेकर विधान हाऊस को अपना घर समझता है कुछ लोग बैल को सांढ़ की श्रेणी में रखते हैं पर इससे सांढ़ खानदान के लिए कापीराइट का मामला बनता है यानि सांढ़ाधिकार कानून के खिलाफ बात है क्योंकि बैल का काम रात दिन खेत-खलिहान या बैलगाड़ी से जुते रहना है। आजीवन चार पैरों पर खड़ा रह श्रम करना है और सांढ़ तो सारे बंधनों से मुक्त-उन्मुक्त होकर भारत की खोज करने वाला प्राणी है इसलिए सांढ़ को बैल कहकर उसका अनादर नहीं करना चाहिए।

अर्थमंत्री के अनुसार जब से उदारीकरण शुरू हुआ है। सांढ़ों का उत्पादन बढ़ा है। सांढ़ों की गुणवता में वृद्धि हुई है। हरेक सांढ़ चार कदम सदन की ओर बढ़ा है और भविष्य में सांढ़ों की निर्यात की संभावना भी हैं। इसलिए हर गली-मुहल्लों में सांढ़-उद्योग फलने-फूलने लगे हैं इस तरह हम सुनहरे सांढ़ युग की ओर बढ़ रहे हैं है। सांढ़ों की एक और विशेषता है कि जब ये युद्ध करते हैं तो उसे संवैधनिक दर्जा दिया जाता है चूँकि सांढ़-युद्ध भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है इसलिए इस विशेष युद्ध पर क्रिमिनल कानून लागू नहीं होता इसलिए सांढ़ बनकर आदमी कानून को अपनी जेब में रखकर आसानी से विचरण कर सकता है। आप सभी जानते है कि हमारे राष्ट्र का दोहन हो रहा है या राष्ट्र को दुहा जा रहा है। दुहने की बात पर स्पष्ट है कि राष्ट्र या तो गाय होगी या गांधी जी की बकरी चूँकि गाय ज्यादा दुध देती है इसलिए नई आर्थिक नीति में गाय ही लाभदायक है। अब आप ही बतायें गाय को दुधारू बनाने के लिए या राष्ट्र को अपनी पीढ़ी चलाने के लिए या यों समझिए कि अपनी सभ्यता-संस्कृति बचाने के लिए सांढ़ महोदय की जरूरत तो पड़ेगी या नहीं। अतः सांढ़ हमारे देश का भविष्य निर्माण कर्ता है अस्तु सांढ़ बनकर राष्ट्र सेवा करने का सुख प्राप्त करें तथा दूसरों को सांढ़ बनने के लिए प्रेरित करें और सभी को एक नारा दें- सांढ़ ही देश को महान बनाता है

चुनावी परिणाम का रंग

बिनोद बेगाना

कार्यालय में 'आप' के, झाड़ू फॉके धूल।
वोटर नाचे जश्न में,लिए कमल का फूल।।

'महल';'जाम' में फँस गए,आप केजरीवाल।
और प्रदूषण ने किया,बुरा आपका हाल।।

मैली यमुना रह गई, दिल्ली हुई न साफ।
कचरों के अंबार ने, नहीं किया तब माफ।।

हुई शिष्य की आज जो,बड़ी करारी हार।
अन्ना के दिल को मिले,चैन सुकून करार।।

चले नहीं सरकार में,बहुत दिनों तक झूठ।
इस कारण वोटर सभी,गए 'आप' से रूठ।।

पतझड़ की मानिंद ही,झड़े 'आप' के पात।
और बसंती फूल से,खिले 'कमल' के गात।।

सीधी टक्कर से हुआ,बीजेपी को लाभ।
धुमिल और भी हो गई, कांग्रेस की आभ।।

लो आ गया बसंत

डॉ आशा गुप्ता श्रेया

धीमी होती जीवन गति भरो नई उमंग सब में
स्पंदित जड़ टहनियाँ वसुधा मुसकाये जग में
प्रेम नगर में ढूँढें प्रियतम बंजारा फाल्गुन रंग
कुहू कुहू कर कोयलिया पुकारती उपवन में !

सुख पा पुष्प झूमते गाते हैं बासंती धुन में
दीपशिखा सी जिंदगी संभले आँधी के घन में
ईश्वर का वरदान है मानव जनम धरा पर
हृदय स्नेह विश्वास से चलो संग संग जीवन में !

थिरकन को तरसे मधुवन नवजीवन तरंग में
भ्रमर दल भी कर रहे गुंजन मद भरे चमन में
महकाने को साँसों को मंद बयार चल रही
माँशारदे वीणावादिनी आशीष फले तनमन में!

सिंदूरी दिवस फागुनी प्रकृति के आँगन में
केसरिया सा रंग लिए खिले पलाश वन में
उड़ते पराग देखो बिखेरे सुगंध चहुँ दिशाएं
पंक्षी चहके आओ ऋतुराज खिले हर्ष हरमन में !

ऋतुराज की चतुरंगिणी सेना हंसती जग में
तम हटा प्रकृति लाती है प्रकाश इस जग में
बासंती परिधान देख उड़ते खग धरा नभ तक
लो आ गया बसंत उठो हँसो मनु इस जग में!

कॉफी

पुष्पा पाण्डेय

आ गयी? मैदान जीत कर।

घर के अन्दर प्रवेश करते ही दादी सास ने इन शब्दों से मेरा स्वागत किया। हाथ में मेडल और सम्मान पत्र को तिरछी नजर से निहारती हुई उन्होंने कहा।

आज कितना नुकसान हुआ। चाय के बदले कमली कॉफी बनाकर पी और कटोरी भर कर सब्जी ले गयी।

दादी सास कुछ दिनों से मेरे साथ रह रही थीं। घुटनों के दर्द से परेशान थीं। इलाज कराने के लिए अपने पास लेकर आई थी। आज पहली बार उन्हें कमली के साथ अकेले घर में रहना पड़ा। बड़ी मुस्तैदी के साथ कमली की निगरानी करती रहीं। भला नौकरों पर घर कैसे छोड़ती।...

अटल जी की पुण्य तिथि पर आयोजित साहित्यिक समारोह में मुझे साहित्य-रत्न सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया था।साढ़े ग्यारह बजे का समय था। नाश्ते का काम निपटाकर दोपहर का भोजन सहायिका कमली के सुपुर्द कर चली गयी थी। बेचारी दादी सास की नजरों में मेरे इस मामूली सा दिखने वाला मेडल एक कप दूध पर भारी कैसे दिखता? पीछे खड़े पतिदेव ने मेरी तरफ देखते हुए मुस्कुरा कर कहा।

कप दूध और एक कटोरी सब्जी या यह मेडल और सम्मान पत्र ?

मधुमास

गीता सिन्हा गीतांजलि

सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
फूल - फूल मुस्काया,
फैलेगी मंजरियों की सुवास।
घर-घर, आँगन - आँगन,
ढ़ो रही हवा धीरे-धीरे.... फिर,
फलों में भर देगी मिठास।
बेरों की झाड़ियाँ गदराई।
हरे - हरे, पीले - पीले जो थे कल,
होने लगे लाल- लाल आज।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
ठंढ़क भागी दूर-दूर,
बसंत आने का देने लगा आभास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सूखे पौधे भी पहने अब,
हरियाली वाले परिधान,
जो कान तरसे थे हमारे,
अब आने लगी कोयलों की तान।
बेकार हुए सब ऊनी कपड़े,
देने लगे तन को त्रास।
अब ₹कोल्ड ड्रिंक₹ सज जाएगा,
सबको आएगा ये रास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सरसों के पीले फूल सभी,
बदल गए हरी फलियों में।
पीला रंग फीका सा पड़ा,
जैसे खेतों में पड़ी कुहास,
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
महुआ के फल अब टपकेंगे,
हवाओं की फीकी सी वो ₹हास₹
घोलेगी मादक सुगंध
मदमस्त पवन की लगी है आस।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*

मैं वही धड़कन हूँ

मनीष कुमार

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी धड़कती है।
ना किसी मजहब की, ना किसी जाति की,
ना ऊँच-नीच की, ना सरहदों की मोहताज।

मैं उस बच्चे की हँसी में भी बसती हूँ,
जो भूख से बेखबर माँ की बाहों में सो जाता है।
मैं उस मजदूर की साँसों में भी घुली हूँ,
जो ईंट-दर-ईंट अपना कल जोड़ता है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी धड़कती है।
पर तुमने मुझे बाँट दिया—
नामों में, बस्तियों में, पहचानों में।
कहीं मैं तेजी से धड़कती हूँ,
कहीं मैं सहमी हुई सिसकती हूँ।

मैं उस बूढ़े बाप के सीने में भी हूँ,
जो दरवाजे पर बैठा बेटे की राह तकता है।
मैं उस माँ के दिल में भी धड़कती हूँ,
जो परदेस गए बेटे की चिट्ठी को सीने से लगाती है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी धड़कती है।
फिर क्यों मुझमें इतनी दीवारें खड़ी कर दी?
क्यों मेरा स्पंदन कहीं तेज, कहीं मंद कर दिया?
मैं तो बस ज़िंदा रहना चाहती हूँ,
हर दिल में—बिना किसी दायरे, बिना किसी भेद के।

मत बाँटो मुझे, मत जकड़ो मुझे—
मैं तो जीवन की पुकार हूँ,
मैं तो बस एक धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी धड़कती है।

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में 1886 की बेंच पेटेंट मोटर वैगन के प्रतिरुप को देखते हुए लोग। दस दिवसीय इस शॉ में 40 से अधिक ऑटोमाबाइल प्रतियोगियों ने भाग लिया।

नए आयकर बिल: टैक्स सरल बनाने की कवायद

- धारा 80सी के तहत किए गए हैं बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का विषय बना दिया है नया आयकर बिल का प्रस्ताव, जिसके अनुसार टैक्स संबंधी नियमों की भाषा सरल बनाई जाएगी। नए बिल में कोई इनकम टैक्स स्लैब या कैपिटल गेन्स टैक्स संशोधन नहीं है, लेकिन धारा 80सी के तहत बड़े बदलाव हैं। यदि आप पुरानी टैक्स व्यवस्था का अनुसरण करते हैं, तो धारा 80सी के बजाय धारा 123 के तहत टैक्स बचाने के विकल्पों से परिचित होंगे। अब इस धारा के अनुसार टैक्सपेयर को प्राप्त राशि के उत्तराधिकारी द्वारा भुगतान किया गया या जमा की गई राशि पर छूट मिलेगी, जो शेड्यूल एक्सवी में उल्लिखित राशियों के कुल के बराबर होगी, परन्तु 1.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। यह नया आयकर बिल 622 पन्नों का है और 536 धाराएं शामिल हैं, जबकि वर्तमान आयकर अधिनियम में 823 पन्नों में 298 धाराएं हैं।

नए बिल में हर धारा का एक खंड है, सिवाय उन अप्रासंगिक धाराओं के। जबकि बताया गया है कि इस बिल के माध्यम से कर कानूनों को सरल बनाया जाएगा।

ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के प्रस्ताव को ठुकराया

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई के अधिग्रहण का मामला

नई दिल्ली । विश्वविख्यात उद्यमी और एलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला के मालिक एलन मस्क को उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई की अधिग्रहण की हसरत पूरी होने में मुश्किले आ रही है। ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के 97.4 बिलियन के अधिग्रहण प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, कहते हुए कि कंपनी बिक्री के लिए नहीं है। एलन मस्क जो पहले ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, अब कंपनी से अलग हो चुके हैं। मस्क के वकील ने बताया कि ओपनएआई अपने लाभकारी उद्यम का निजी स्वामित्व बेचने की योजना बना रही है, जिससे कुछ बोर्ड सदस्य व्यक्तिगत लाभ उठा सकते हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और मस्क के बीच वर्षों से चल रहा टकराव जारी है, जिसमें एलन मस्क ने ओपनएआई को लाभकारी बनाने के पक्ष में नहीं देखा। ओपनएआई ने अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन बनाने की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य था अधिक पूंजी जुटाना और गैर-लाभकारी प्रतिबंधों को हटाना। ओपनएआई ने मस्क के प्रति कटु रूख अपनाया है, जिससे वार्षिक बोर्ड की चुनौतियों में नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। एलन मस्क के वकीलों ने ओपनएआई के साथ चल रहे संघर्ष को निपटाने के लिए अदालत में कानूनी कदम उठाया है, जिसमें वकीलों ने कहा कि यदि ओपनएआई अपनी लाभकारी इकाई बनाने की योजना छोड़ देता है तो उनकी बोली वापस ली जाएगी। ओपनएआई ने मानवता के लिए एआई के लाभ को पहुंचाने की मिशन में प्रतिबद्धता जताई है, और इस उद्देश्य को मजबूत बनाने के लिए अपने मिशन पर कड़ी नजर रखी है। एलन मस्क और ओपनएआई के बीच टकराव के बीच बढ़ते विवाद में, एक ओर ओपनएआई ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जबकि दूसरी ओर मस्क और उनके वकील उसे निपटाने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इस संघर्ष के माध्यम से ओपनएआई की दिशा और उद्देश्य पर प्रकाश डालने के लिए और एलन मस्क की तकनीकी उच्चताओं को रक्षा करने के लिए एक सख्त स्तर पर कानूनी और नैतिक झगड़ा चल रहा है।

कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम

नई दिल्ली ।

वर्तमान में, देश में बिकने वाले कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है और 2025 में इसकी बिक्री दोगुनी होने की संभावना जताई जा रही है।

नए मॉडल के लॉन्च और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के चलते यह आंकड़ा तेजी से बढ़ सकता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार, 2023 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 82,688 यूनिट थी, जो 2024 में 19.93प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट तक पहुंच गई। हालांकि, कुल यात्री वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी केवल 2.4प्रतिशत रही। हुंडई के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और नए मॉडल की बढ़ती संख्या से 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी हो सकती है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। वर्तमान में, भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में टाटा मोटर्स का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 2024 में 62.01प्रतिशतरही। हालांकि, नए कंपनियों के प्रवेश से यह परिदृश्य बदल सकता है।

2025 में मारुति ई-विटारा, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, महिंद्रा बीई6 और किआ कैरेंस ईवी जैसी कई नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च होने वाली हैं।

भारतीय बाजार में 78 लाख करोड़ की गिरावट

- भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ पार किया था

नई दिल्ली ।

भारतीय बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) शुक्रवार को नीचे दिखा 400 लाख करोड़ रुपये से नीचे पहुंच गया। हालांकि, बाजार थोड़ा सुधरकर 400.2 लाख करोड़ रुपये पर रुका, जो इस साल का सबसे निचला स्तर है। भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये का स्तर पार किया था और 29 सिंतबर को यह 477.93 लाख करोड़ रुपये की ऊंचाई पर पहुंचा था। तब से बाजार पूंजीकरण में करीब 78 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। तेज गिरावट की मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बिकवाली की गई निवेशों के पीछे है। एफपीआई ने इस वर्ष कुल 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की है। तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर रह सकते हैं, जिससे बाजार में ताजा बिकवाली का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन, यह खरीदारी के अवसर भी पैदा कर सकता है जिसमें मजबूत वृद्धि या सुधार की राह पर

बढ़ रही कंपनियाँ शामिल हो सकती हैं। बाजार का मार्केट कैप डॉलर में 4.6 लाख करोड़ डॉलर है, जो पिछले कुछ महीनों में करीब 1.2 लाख करोड़ डॉलर की कमी दर्ज की गई है। भारतीय बाजार अब मल्टीपल मूल्यांकन पर चुनौती खड़ी कर रहा है, जिससे निवेशकों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

एनपीसीआई ने यूपीआई यूजर्स के लिए बढ़ाई राहत, अब रिफंड होगा जल्द

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए देश के करोड़ों यूपीआई यूजर्स के लिए राहत की खबर आगामी है। अब फेल होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन या अटके हुए पैसों के रिफंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक सर्कुलर के माध्यम से हाल ही में एनपीसीआई ने घोषणा की है कि नए नियमों के बैठक, चार्जबैक अनुरोधों की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर दिया गया है। इस नई प्रक्रिया के अनुसार, लाभार्थी बैंकों द्वारा दाखिल किए गए ट्रांजेक्शन क्रेडिट कन्फर्मेशन (टीसीसी) या रिटर्न रिक्वेस्ट (आरईटी) के आधार पर चार्जबैक अनुरोध या तो ऑटोमेटेड रूप से स्वीकार या अस्वीकार कर दिए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि प्राथमिक ट्रांजेक्शन-रिलेटेड मुद्दों को तेजी से समाधान किया जा सके। इस ऑटोमेटेड प्रक्रिया की शुरुआत 15 फरवरी से हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो यूपीआई यूजर्स को फायदा पहुंचाएगा और उन्हें सुविधात्मक रूप से सेवाएं प्रदान करेगा। इस नई प्रक्रिया से चार्जबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और दक्षता आएगी, जिससे सिस्टम में सुधार होगा।

वेलेंटाइन डे के बाद चांदी 1 लाख के पार, सोना भी हुआ महंगा

नई दिल्ली । फरवरी के महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। एक ही दिन में चांदी की कीमत में 2,350 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई, इससे वह 1,00,600 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। वेलेंटाइन डे के बाद सोने और चांदी की कीमतें और भी बढ़ गई हैं जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भारत में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए प्रति ग्राम तक पहुंच गई है, जबकि 24 कैरेट सोने की दर 8,732 रुपए प्रति ग्राम हो गई है। वहीं चांदी की भी कीमत 100.60 रुपए प्रति ग्राम और 1,00,600 रुपए प्रति किलोग्राम है। यह अचानक बढ़ोतरी ने चांदी को 1 लाख के पार पहुंचा दिया है। विभिन्न शहरों में सोने की कीमतों में इजाफा होने से लोगों के मुताबिक सोने-चांदी की कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना है। नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। लखनऊ में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। पटना में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,996 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,722 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है।

एलआईसी ने तीसरी तिमाही में कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते साल की समान तिमाही में 9,468.99 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी का कर के बाद मुनाफा 29,138 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,913 करोड़ रुपये पर था। यह सालाना आधार पर 8.27 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी ने 3,40,563 करोड़ रुपये का कुल प्रीमियम जुटाया है। इसमें सालाना आधार पर 5.51 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) सालाना आधार पर 10.29 प्रतिशत बढ़कर 54,77,651 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में एलआईसी की नए बिजनेस प्रीमियम आय (व्यक्तिगत) सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत बढ़कर 42,441 करोड़ रुपये रही है। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, हमारा ध्यान और रणनीति एक गतिशील वातावरण में अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद और चैनल मिश्रण को बदलने की दिशा में लगातार बना हुआ है। मोहंती ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस (वीएनबी) मार्जिन बेहतर होकर 17.1 प्रतिशत हो गया है, जो कि बीते साल समान अवधि में 16.6 प्रतिशत था। इस दौरान वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस 6,477 करोड़ रुपये रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,938 करोड़ रुपये थी। मोहंती ने बताया कि अब तक 1.25 लाख से अधिक महिलाओं को बीमा सखी योजना में पंजीकृत किया गया है और 70,000 से अधिक को बीमा सखी के रूप में नियुक्त किया है।

बीते हफ्ते बाजार में रही दो महीने में सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई ।

ट्रंप की टैरिफ नीतियों पर अनिश्चितता, मिश्रित कारपोरेट आय, निरंत एफआईआई बिकवाली और डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की वजह से बीते सप्ताह भारतीय बाजार में दो सप्ताह की बढ़त का सिलसिला टूट गया और ये दो महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो ताजा टैरिफ चिंताओं और विदेशी फंडों के निरंतर निकासी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 343.83 अंक गिरकर 77,516.36 अंक पर खुला और 548.39 अंक गिरकर सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 105.55 अंक गिरकर 23,454.40 अंक पर खुला और 178.35 अंक गिरकर 23,381.60 पर बंद हुआ। स्मॉल और मिडकैप शेयरों में बड़ी बिकवाली के कारण मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट दिखी। सेंसेक्स 1,120.72 अंक गिरकर 76,191.08 पर खुला और 1,018.20 अंक गिरकर दो सप्ताह के निचले स्तर 76,293.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 345.65 (अंक फिसलकर 23,035.95 के स्तर पर खुला और 309.80 अंक टूटकर 23,071.80 अंक पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 274.56 अंक की गिरावट के साथ 76,019.04 अंक पर खुला और 122.52 अंक की गिरावट के साथ 76,171.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 78.45 अंक फिसलकर 22,993.35 अंक पर खुला और एनएसई निफ्टी लगातार छठे दिन गिरावट के साथ 26.55 अंक गिरकर 23,045.25 पर बंद हुआ। लगातार गिरावट की मार झेल रहे निवेशकों के लिए गुरुवार की सुबह राहत भरी खबर लेकर आई। शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। इस दौरान सेंसेक्स 214.08 अंक बढ़कर 76,385.16 अंक पर खुला और 32.11 अंक गिरकर 76,138.97 पर बंद हुआ। निफ्टी 69.8 अंक चढ़कर 23,115.05 अंक पर खुला और 13.85 अंक गिरकर 23,031.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 282.82 अंक या फिर 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,856.15 पर खुला और 199 अंक की गिरावट के साथ 75,939 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 134.20 अंक की गिरावट पर खुला और 102 अंक की गिरावट रही, ये 22,929 के स्तर पर बंद हुआ।

फोर्टिस हेल्थकेयर श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करेगी

मुंबई । फोर्टिस हेल्थकेयर ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फोर्टिस हॉस्पिटल के माध्यम से श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। इस सौदे के तहत फोर्टिस हेल्थकेयर ने श्रीमन अस्पताल के पूरे व्यवसाय संचालन, अस्पताल की इमारत और अस्पताल की जमीन का अधिग्रहण करेगी है। कंपनी ने कहा कि यह लेन-देन पूरी तरह से नकद में होगा और कुल खरीद मूल्य लगभग 462 करोड़ रुपये है। इसमें स्टांप ड्यूटी और अन्य नियामक खर्च शामिल नहीं है। एफएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कई अधिग्रहण कर रहे हैं और इस अधिग्रहण को हम एक अच्छा कदम मानते हैं क्योंकि कंपनी की पहले से ही पंजाब में मजबूत उपस्थिति है, जिससे हमें इस अस्पताल के अधिग्रहण से अधिक लाभ मिलेगा।

बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष में 262 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस साल उनके निगम ने 17 साल बाद पहली बार मुनाफा दर्ज किया है। सरकार ने हाल ही में बीएसएनएल की 4जी सर्विस के विस्तार के लिए अत्यधिक 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किया था। इससे कंपनी ने सेवाओं और ग्राहक बेस को बढ़ाने पर फोकस किया। कंपनी ने अपनी लागत और व्यय में कटौती की है जिससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में घाटे में कमी आई है। उनके मोबाइल सेवाओं में आमदनी में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल के इस मुनाफे को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने यह भी बताया कि बीएसएनएल ने एबीआईटीडीए वित्त वर्ष 23-24 तक दोगुनी हो गई है, जिससे उनका अनुमानित राजस्व लगभग 2,100 करोड़ रुपये हो गया है। इन सभी नतीजों से साफ होता है कि बीएसएनल ने 4जी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करके एक बड़ा कदम उठाया है और इससे कंपनी के लिए एक उज्जवल भविष्य की संभावना है।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को शीर्ष उद्योग संगठनों ने बताया ऐतिहासिक, व्यापार और निवेश में होगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

शीर्ष उद्योग संगठनों एसोचैम और फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा को व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने में ऐतिहासिक बताया।

एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के निरंतर विश्वास और मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से कई ठोस परिणाम सामने आए हैं। इसमें रक्षा, आतंकवाद, जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा, दोनों देशों को कवर करने वाली ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश के अलावा भारत की मानव पूंजी का लाभ उठाने में सहयोग को मजबूत करना शामिल है। एक अन्य प्रमुख परिणाम, वर्ष के अंत तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए यूएस-भारत रोडमैप का विकास है।

वहीं फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार के अनुसार, यह यात्रा गहन आर्थिक सहयोग, व्यापार का विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभर रहा है। ये घटनाक्रम भारतीय निर्यातकों को नए मौके प्रदान करेगा। टेक्नोलॉजी, डिफेंस और ग्रीन एनर्जी पर ध्यान केंद्रित करने से विशेष रूप से भारत के निर्यात क्षेत्रों को लाभ होगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। कुमार ने बढ़ते निवेश फोकस की सराहना की, जो भारत में नए उद्योगों और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, मेक इन इंडिया पहल को गति प्रदान करेगा और भारतीय निर्यात की मांग को बढ़ाएगा।

फोकस क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और वस्त्र शामिल हैं, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिशन 500 के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 500 अरब डॉलर तक पहुंचना है। कुमार ने इस साल के अंत तक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए प्रारंभिक समय-सीमा की सराहना की, जिसका उद्देश्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापार बाधाओं को कम करना और सप्लाई चेन इंटीग्रेशन में सुधार करना है। फियो प्रमुख कुमार ने कहा, ये निवेश भारतीय निर्यातकों के लिए नए मौके पैदा करेगा और भारत को नवाचार तथा विनिर्माण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। आईटी, एआई और 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय तकनीकी व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण विकास संभावनाएं खुलेंगी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार आठवें दिन गिरावट से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। इस गिरावट से निवेशकों के 25.31 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीतियों और वैश्विक ट्रेड वॉर की आशंका से बाजार की स्थिति और कमजोर हो गई है। विशेषज्ञों की राय बाजार के भविष्य को लेकर अब भी मिले-जुले संकेत दे रही है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि कमजोर तिमाही नतीजों, रुपए में गिरावट और टैरिफ जैसे बाहरी फैक टर्स से निकट भविष्य में बाजार धारणा कमजोर रहने का अनुमान है। इस हफ्ते लगातार आठ सत्रों में हुई बिकवाली से निवेशकों में चिंता है। अगले हफ्ते बाजार में तेजी आने पर दांव लगाने की भी संभावना है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक स में 3.24 फीसदी और मिडकैप इंडेक स में 2.59 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में भी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सिर्फ आईटी क्षेत्र फायदे में रहा, जबकि बाकी सेक्टर में निकली गिरावट। निवेशकों के लिए आगे का माहौल अनिश्चित है और विशेषज्ञों की मान्यता है कि सावधानी बरतनी चाहिए।

अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति की एक अनबूझ पहेली

प्रो प्रदीप माथुर

क्या कोई राजनीतिक दत सिर्फ भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे के सहारे जिंदा रह सकता है? आम आदमी पार्टी का सफर बताता है कि सिर्फ लोकलुभावन नारों और जनाक्रोश की लहर पर सवार होकर बदलाव लाना संभव नहीं है। आज अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी देश की राजनीति के चौराहे पर खड़ी है। भविष्य ही बताएगा कि वे कहां जाएंगे और कहां तक पहुंचेंगे।

जब वे अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में थे और अब जब वे सत्ता की कुर्सी से बेइज्जत होकर बाहर निकल गए हैं, तब भी अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति का एक अनसुलझा रहस्य बने हुए हैं। वे सत्ता की राजनीति की दुनिया में एक असामान्य रास्ते से आए थे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में काम करते हुए, वे सूचना के अधिकार आंदोलन से जुड़े और फिर अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जुड़ गए। वहां से वे चुनावी राजनीति में आए और अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर देश के शीर्ष नेताओं में से एक बन गए। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि कोई भी समझ नहीं पाया कि राजनीति में उनका अभूतपूर्व विकास कैसे और किन कारणों से हुआ।

राजनीति में उनके तेजी से बढ़ते कद पर एक नजर डालना उचित होगा। वर्ष 2011 में अरविंद केजरीवाल की पहल पर अन्ना हजारे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने दिल्ली आए थे। इस आंदोलन का मुख्य निशाना सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी थी और इसलिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इस आंदोलन में रुचि लेना शुरू कर दिया। जिस दिन अन्ना लोकपाल विधेयक की मांग को लेकर अनशन पर बैठने वाले थे, उसी दिन डॉ मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया और यह केजरीवाल के राजनीतिक करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

आंदोलन की सफलता के बाद केजरीवाल ने राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला किया। हालांकि अन्ना हजारे राजनीति में नहीं आना चाहते थे। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का समर्थन करने वाली भाजपा भी आम आदमी पार्टी (आप) के गठन के खिलाफ थी. लेकिन केजरीवाल और उनके साथियों ने पार्टी बनाने का फैसला किया।

आम आदमी पार्टी ने राजनीति में पारदर्शिता लाने का वादा किया। पार्टी ने कहा कि उसे मिलने वाला हर दान चेक के जरिए ही स्वीकार किया जाएगा और हर दानकर्ता का नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से दिखाया जाएगा। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि चुनाव लड़ने के लिए टिकट सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों को दिए जाएँगे जिन्हें जमीनी स्तर के कार्यकताओं और स्वयंसेवकों का समर्थन प्राप्त होगा।

इसके अलावा पार्टी ने वीआईपी संस्कृति को छोड़ने का वादा करते हुए कहा कि उसके नेता सादा जीवन जिएँगे। बाद में पार्टी अपने सभी वादों से मुकर गई।

सत्ता में आने से पहले केजरीवाल को दलीय राजनीति का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन यह मानना होगा कि उनमें राजनीति की बारीकियों को समझने की बुद्धि थी। वे उस स्थिति का अच्छी तरह आकलन कर पाए थे जिसमें मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की कांग्रेस जनसमर्थन के अभाव में कमजोर हो गई थी और मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजनीति में उस शून्य को भरने की तेजी से कोशिश कर रही थी।

राजनीति में खाली मैदान को समझने की इसी क्षमता के कारण केजरीवाल पंजाब चुनाव में अपनी पार्टी को अभूतपूर्व जीत दिलाने में सफल रहे। गुजरात और हरियाणा में, जहां भाजपा और कांग्रेस की मजबूत पकड़ थी, वे बिलकुल भी सफल नहीं हुए। केजरीवाल यह भी जानते हैं कि भारतीय राजनीति में आपको हमेशा नैतिकता और मूल्यों की बात करनी चाहिए। उनकी नैतिकता और ईमानदारी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह ही संदेह के घेरे में है, लेकिन मतदाताओं के मन में अपनी अच्छी छवि बनाकर वे चुनावी सफलता की सीढ़ियां चढ़ते रहे हैं।

राजनीति में तेजी से बढ़ते कद के कारण जहां केजरीवाल खुद महत्वाकांक्षा का शिकार हो गए, वहीं दूसरी ओर उनके राजनीतिक विरोधी भी उनके खिलाफ लामबंद हो गए। 2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद 2015 और 2020 में दिल्ली
विधानसभा चुनाव हारने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को गहरा सदमा लगा। इससे प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल के बीच अहंकार का टकराव हुआ और भाजपा के लिए केजरीवाल और आम आदमी पार्टी राहुल गांधी और कांग्रेस से भी बड़े दुश्मन बन गए।

अक्सर कहा जाता है कि केजरीवाल दिल से हिंदुत्ववादी हैं और उन्हें आरएसएस का गुप्त समर्थन प्राप्त है। ऐसा कहने वालों का मानना है कि केजरीवाल भगवा ब्रिगेड से नहीं बल्कि मोदी से विरोध करते हैं और उनके असली राजनीतिक दुश्मन कांग्रेस और वामपंथी झुकाव वाली दूसरी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक पार्टियां है। अगर हम हाल ही में हुए गुजरात और हरियाणा विधानसभा चुनावों और पिछले साल हुए दिल्ली लोकसभा चुनावों को देखें तो यह बात काफी हद तक सच लगती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस ने केजरीवाल को उसी के अंदाज में जवाब देने का फैसला किया।

अति महत्वाकांक्षा के अलावा केजरीवाल की दो और समस्याएं है। वह विचारधारा विहीन राजनीति कर रहे हैं और उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसी राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। अगर उन्हें लगता है कि हिंदुत्व के प्रति उनका झुकाव आम आदमी पार्टी को भाजपा के बजाय आरएसएस के करीब ले आएगा तो यह उनकी भूल है। उनकी दूसरी समस्या यह है कि खुद को आम आदमी पार्टी का नेता और दिल्ली की गरीब जनता का बेटा कहने के बावजूद उनकी मानसिकता सामंतवादी है. जो हमारी नौकरशाही की एक सामान्य विशेषता है। इसी कारण से उन सभी लोगों को पार्टी से निकाल दिया गया, जिनका व्यक्तित्व उनसे बड़ा था और जिनमें सामाजिक भावनाएं थीं। अगर वे सभी लोग आम आदमी पार्टी में होते, तो आम आदमी पार्टी एक अच्छी और शक्तिशाली पार्टी के रूप में भाजपा और कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती थी। लेकिन असुरक्षा की भावना के कारण खुद को शीर्ष पर बनाए रखने की प्रवृत्ति के कारण केजरीवाल ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। वह भूल गए कि भारतीय राजनीति में ऊपर उठने का असली रास्ता त्याग है, पद पाना नहीं।

आखिर में सवाल यह उठता है कि क्या कोई राजनीतिक दत सिर्फ भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे के सहारे जिंदा रह सकता है? आम आदमी पार्टी का सफर बताता है कि सिर्फ लोकलुभावन नारों और जनाक्रोश की लहर पर सवार होकर बदलाव लाना संभव नहीं है।

आज अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी देश की राजनीति के चौराहे पर खड़ी है। भविष्य ही बताएगा कि वे कहां जाएंगे और कहां तक पहुंचेंगे।

(लेखक न्यूज वेबसाइट के संपादक हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

विपक्ष की जीत

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी परीक्षण के बाद संसद में पेश किया गया, परंतु भारी विरोध के कारण सरकार ने इसे वापस लेकर विपक्षी सदस्यों की असहमति रिपोर्ट के साथ पुनः जारी किया। इसमें वे टिप्पणियां भी शामिल की गई, जिन्हें पहले संपादित कर दिया था। रिपोर्ट में विपक्षी सदस्यों की टिप्पणी को को शामिल न करने को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन करार दिया। उच्च सदन से विपक्ष ने भारी हंगामे के बाद बहिर्गमन किया। राष्ट्रपति की मुहर लगते ही 66 साल पुराने वक्फ के कई कानून बदल जाएंगे। इस कानून के बदलने का असर वक्फ की संपत्तियों पर होना तय है। देश में तकरीबन 32 वक्फ हैं। अल्लाह को दान की गई संपत्ति को वक्फ कहा जाता है। इसमें मस्जिद, कब्रिस्तान, ईदगाह, मजारें शामिल हैं। कुछ राज्यों में शिया-सुन्नियों के अलग-अलग वक्फ भी हैं। अल्पसंख्यक मंत्रालय के अनुसार, वक्फ के पास साढ़े सोलह हजार से ज्यादा चल संपत्तियों व पौने नौ लाख अचल संपत्तियों का पंजीयन है। इनमें से कई संपत्तियों, इमारतों व भूमि के इनके पास कोई दस्तावेज नहीं हैं। अब तक के नियमों के अनुसार बोर्ड. में सिर्फ मुसलमान ही सदस्य हुआ करते थे। मगर नये नियमों में दो गैर-मुस्लिम भी रखे जाएंगे। इसका विरोध सिर्फ मुसलमानों द्वारा ही नहीं हो रहा है, बल्कि विपक्षी दलों ने भी नये नियमों पर आपत्ति दर्ज की है। इसे धार्मिक भेदभाव पर आधारित व संविधान के मूल्यों के खिलाफ बताया जा रहा है। ऑल इंड़िया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड. के अध्यक्ष ने इस विधेयक के पारित होने पर देशव्यापी आंदोलन की धमकी भी दी। मोदी सरकार पर धार्मिक आधार पर देशवासियों के साथ किये जा रहे भेदभाव से कोई असहमत नहीं है। कहना गलत नहीं होगा कि विभिन्न हिन्दू धार्मिक संस्थाओं व तमाम मंदिरों के पास भी बगैर दस्तावेजों वाली संपत्तियां हो सकती हैं। देश में सरकारी/खाली पड़ी जमीनों पर अतिक्रमण करने और नाजायज तौर पर निर्माण करने में विशेष समुदाय के लोग ही शामिल नहीं हैं। पिछली सरकारों ने यदि वक्फ को विशेष छूट दे रखी थी तो बहुसंख्यकों को आज परोक्ष-अपरोक्ष तौर पर मनमानी करने का मौका कम नहीं दिया जा रहा। भू-माफियाओं या अतिक्रमण की नीयत से धर्म की आड़. लेने वाले किसी भी शख्स पर किसी तरह के राजनीतिक प्रश्रय से सख्ती से रोकने के प्रयास होने चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में धार्मिक आधार पर पक्षपात निंदनीय है।

नौनिहालों के सपनों पर हावी होते कोचिंग सेंटर

प्रियंका सौरभ

भारत में कोचिंग सुविधाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। ये केंद्र छात्रों को स्कूल स्तर की परीक्षाओं के साथ-साथ जेईई, नीट और यूपीएससी की तैयारी में मदद करते हैं। हालाँकि, इस उद्योग की विस्फोटक वृद्धि से कई चिंताएँ भी पैदा हो रही हैं। लगभग 58, 000 करोड़ के बाजार मूल्य के साथ, भारत का फलता-फूलता कोचिंग क्षेत्र अब पूरे देश से करोड़ों छात्रों को आकर्षित करता है। पारंपरिक शिक्षा में अंतर को पाटने के लिए, ये निजी संस्थान विशेष परीक्षा की तैयारी प्रदान करते हैं। हालाँकि, चिंताएँ हैं कि उनका बाजार-संचालित दृष्टिकोण औपचारिक शिक्षा के मानकों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है और शैक्षणिक माँगों को बढ़ाकर छात्रों की पढाई पर भारी बोझ डालता है। कोचिंग सेंटरों के विस्फोटक विकास के कारण भारत में औपचारिक शिक्षा प्रणाली और छात्रों के कल्याण सम्बंधित चिंताएँ जताई गई हैं।

छात्रों की भलाई और औपचारिक शिक्षा में कोचिंग सेंटरों का प्रभाव कम हो गया है। छात्र अपनी अकादमिक पढ़ाई से पहले कोचिंग सत्रों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे व्यापक शिक्षा प्रदान करने में स्कूलों की भूमिका कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, बहुत से छात्र केवल उपस्थिति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल जाते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए केवल ट्यूशन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। कोचिंग सेंटर में लंबे समय तक पढ़कर कड़ी प्रतिस्पर्धा करने वाले छात्र तनाव, चिंता और बर्नआउट का अनुभव करते हैं। कोटा के छात्रों की आत्महत्या की रिपोर्ट कोचिंग सेंटर के माहौल से होने वाले गंभीर मनोवैज्ञानिक नुकसान को दर्शाती है। कोचिंग सेंटर अकादमिक फोकस और तैयारी की रणनीतियों पर हावी हैं, जिससे छात्रों की अपनी शिक्षा में रुचि खत्म हो जाती है। कोचिंग सेशन में भाग लेने के लिए, कई सीबीएसई स्कूलों में छात्र महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक वर्षों के दौरान नियमित कक्षाएँ छोड़ देते हैं। उच्च कोचिंग लागत आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को उच्च-गुणवत्ता की तैयारी तक पहुँचने से रोककर शैक्षिक अवसरों में अंतर को और बढ़ा देती है। प्रीमियम जेईई तैयारी कार्यक्रमों की लागत लाखों तक है, जो उन लोगों को अलग करती है जो कोचिंग का खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते हैं।

कोचिंग उद्योग कई कारकों के परिणामस्वरूप विकसित हुआ है। कोचिंग की आवश्यकता उच्च-दांव वाली प्रवेश परीक्षाओं, जैसे कि जेईई और एनईईटी पर जोर देने से प्रेरित है। आईआईटी सीटों की सीमित संख्या के कारण, छात्र चयनित होने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं। माता-पिता और छात्रों के अनुसार, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग सेंटर आवश्यक हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन में सुधार होगा, इसलिए कई माता-पिता कोचिंग फीस पर बड़ी रकम खर्च करते हैं। औपचारिक शिक्षा में प्रतियोगी परीक्षाओं की उन्नत तैयारी का अभाव अक्सर एक कमी छोड़ देता है जिसे कोचिंग सेंटर भर देते हैं। राज्य बोर्ड राज्य बोर्ड और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान पर जोर देते हैं, जबकि कोचिंग सेंटर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष तैयारी प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटर में शामिल होने के लिए छात्रों पर साथियों और अभिभावकों के दबाव के परिणामस्वरूप कोचिंग संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। पूरा परिवार कोटा और हैदराबाद जैसी जगहों पर कोचिंग के अवसरों के लिए जा रहा है। कोचिंग सेंटर रैंक-केंद्रित विज्ञापनों और सफलता की कहानियों के साथ छात्रों को आकर्षित करते हैं। अपने विज्ञापनों में, कोचिंग सेंटर अपने सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रदर्शित करते हैं, जिससे यह धारणा बनती है कि सफलता सुनिश्चित है। इसका सामान्य रूप से शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। कोचिंग सेंटरों द्वारा पाठ्यक्रम से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर जोर दिए जाने के परिणामस्वरूप छात्र अपनी नियमित शैक्षणिक पढ़ाई की उपेक्षा करते हैं। कक्षा 11 और 12 के दौरान, छात्र पूरे दिन के जेईई या नीट कोचिंग सत्र में भाग लेने के लिए अक्सर स्कूल छोड़ देते हैं। औपचारिक शिक्षा की वैधता कम हो जाती है क्योंकि छात्र अपना ध्यान कोचिंग सेंटरों की ओर मोड़ते हैं, जिससे शिक्षक की प्रेरणा कम हो जाती है। छात्र केवल कोचिंग सामग्री का उपयोग करते हैं और शहरी क्षेत्रों के स्कूल कक्षा में कम भागीदारी की रिपोर्ट करते हैं। परीक्षाओं में सफल होने के लिए रटने को प्रोत्साहित करके, कोचिंग सेंटर स्कूलों में सिखाई जाने वाली आलोचनात्मक सोच और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग कौशल को कमजोर कर देते हैं। प्रवेश परीक्षा अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ अक्सर वैचारिक विश्लेषण की तुलना में नियमित समस्याओं को हल करने पर अधिक जोर देती हैं। खेल, कला और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं क्योंकि छात्र कोचिंग कक्षाओं में बहुत अधिक समय व्यतीत करते हैं। छात्र अक्सर इंजीनियरिंग या मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी करते समय स्कूल द्वारा प्रायोजित एथलेटिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से चूक जाते हैं। परीक्षा-केंद्रित संसाधनों तक पहुँच उच्च कोचिंग लागतों द्वारा सीमित है, जिसके परिणामस्वरूप एक दोहरी प्रणाली है जहाँ केवल गरीब ही मुख्यधारा की शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। सरकारी स्कूली बच्चे अल्प शैक्षिक संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि अमीर छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में जाते हैं।

स्कूलों में पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए, निजी कोचिंग सुविधाओं पर निर्भरता कम करने के लिए स्कूलों में कोचिंग सत्र और उन्नत शिक्षण मॉड्यूल शुरू करें। ऑनलाइन संसाधनों को प्रोत्साहित करें जो परीक्षण लेने की लागत और आय के बीच के अंतर को कम करने के लिए अधिक किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं। सभी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नपटल और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म द्वारा दिए जाने वाले मुफ़्त संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। विशेष कोचिंग की आवश्यकता को कम करने के लिए ज्ञान-भारी परीक्षाओं की तुलना में योग्यता-आधारित आकलन को प्राथमिकता दें। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम विषय-वस्तु के ज्ञान की तुलना में योग्यता और आलोचनात्मक सोच को प्राथमिकता देता है। स्कूल के शिक्षकों को उन्नत निर्देश और सलाह देने के लिए आवश्यक संसाधन देने के लिए शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों पर पैसा खर्च करें। देश भर के शिक्षकों के पेशेवर कौशल को बढ़ाना निष्ठां जैसे सरकारी कार्यक्रमों का लक्ष्य है। ऐसे दिशा-निर्देश बनाएँ जो एक अच्छी तरह से पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दें जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा देने की रणनीतियों के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक और एथलेटिक निर्देश को जोड़ता हो। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अंतःविषय शिक्षा को बढ़ावा देती है और उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से जुड़े तनाव को कम करती है। कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, व्यक्तिगत शिक्षण और नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से औपचारिक शिक्षा को बढ़ाकर कोचिंग केंद्रों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। मजबूत कानून, उचित मूल्य, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और छात्रों की भलाई को बढ़ावा देने से निष्पक्ष, व्यापक शिक्षण वातावरण की गारंटी होगी। नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। भविष्य समानांतर शैक्षिक प्रणालियों में नहीं है, बल्कि अंतराल को बंद करने में है।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानकर अहंकार न करें

ईश्वर ने जब संसार की रचना की तब उसने सभी जीवों में एक समान रक्त का संचार किया। इसलिए मनुष्य हो अथवा पशु सभी के शरीर में बह रहा खून का रंग लाल है। विभिन्न योनियों की रचना भी इसलिए की ताकि मनुष्य कभी इस बात का अहंकार न करें कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है क्योंकि जीवन और मरण के चक्र में कौन कब किस योनि में जाएगा यह किसी को पता नहीं।

समानता के पीछे ईश्वर की यही इच्छा थी कि संसार में आपसी प्रेम और सद्भाव बना रहे, लोगों में छोटे अथवा बड़े का भेद पैदा नहीं हो। लेकिन समय के साथ मनुष्य की बौद्धिक क्षमता बढ़ती गयी किन्तु व्यवहारिक ज्ञान का लोप होता चला गया। मनुष्य ईश्वर की इच्छा को समझ नहीं पाया और आपस में भेद-भाव करने लगा। शास्त्रों में लिखा है कि जो ईश्वर की इच्छा का सम्मान नहीं करता है ईश्वर उससे नाराज होते हैं परिणामस्वरूप व्यक्ति का पतन हो जाता है।

एक कथा इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। महाभारत युद्ध के बाद काफी समय तक पांचों पाण्डवों ने कुशलता पूर्वक शासन करते हुए राज सुख का आनंद लिया। इसके बाद अपने उत्तराधिकारी को शासन का कार्य भार सौंप कर सभी ने सशरीर स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने की योजना बनायी। निश्चित समय पर द्रौपदी समेत पांचों पाण्डव स्वर्ग की यात्रा पर निकल पड़े। मार्ग में उन्हें एक काला कुत्ता मिला। कुत्ता भी इनके पीछे-पीछे चल पड़ा। युधिष्ठर को छोड़कर सभी भाई एवं द्रौपदी को यह अच्छा नहीं लगा कि कुत्ता उनके साथ सशरीर स्वर्ग प्राप्त करे।

सभी भाईयों ने कुत्ते को धक्का देकर पर्वत से नीचे गिराना चाहा। लेकिन, कुत्ता पर्वत से नहीं गिरा बल्कि बारी-बारी से सभी भाई और द्रौपदी पर्वत से गिर पड़े और सशरीर स्वर्ग नहीं पहुंच पाये। युधिष्ठर के पीछे-पीछे कुत्ता चलता रहा लेकिन युधिष्ठर ने इसका एतराज नहीं किया। स्वर्ग के पास पहुंचने पर एक विमान सामने नजर आया।

युधिष्ठर इसमें बैठ गये तो कुत्ता भी साथ में आकर बैठ गया, इस पर भी युधिष्ठर ने एतराज नहीं किया। युधिष्ठर की दयालुता और समानता के भाव को देखकर कुत्ता बनकर साथ में चल रहे धर्मराज अपने वास्तविक रूप में प्रकट हो गये और युधिष्ठर से कहा कि वास्तव में तुम धर्म के प्रतीक हो और तुम सशरीर स्वर्ग में प्रवेश करने की योग्यता रखते हुए। इस तरह समानता के भाव की वजह से युधिष्ठर सशरीर स्वर्ग में स्थान प्राप्त करने में सफल हुए और असमानता का भाव रखने वाले शेष पाण्डव अपने उद्देश्य में असफल हुए।

गंगा-यमुनाः साफ-सफाई के खोखले दावे

सुरेश भाई

कहावत है कि 'पानी में मल-मूत्र का विसर्जन और आग में थूकना' दोनों मनुष्य जीवन को सुखी नहीं रख सकता है, लेकिन जब मनुष्य श्रेष्ठ प्राणी बन गया है तब ये दोनों काम एक साथ कर रहे हैं। इन आदतों में सुधार न होने के कारण गंगा-जमुनी संस्कृति पर गंदगी का साम्राज्य बढ़ गया है। इसके बावजूद बुजुर्गों की कही बातों के पीछे का जो वैज्ञानिक सच है उसकी चर्चा ही नहीं हो रही है और यदा-कदा सत्ताधारी लोग कह देते हैं कि वे गंगा और यमुना को साफ कर देंगे।

हम गंगा के उस रौद्र रूप को भी भूल जाते हैं जब वह बरसात में स्वयं स्वच्छ हो जाती है, लेकिन जहां साल भर में गंगा, यमुना के जल में जितनी कमी होती है उससे कई गुना अधिक उसमें उड़ेली जा रही गंदगी की मात्रा भी दिनों दिन बढ़ रही है। यानी स्थिति अब इतनी बिगड़ चुकी है कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रतिदिन 10139.3 मिलियन लीटर में (एमएलडी) सीवेज जा रहा है। जबकि बताया जाता है कि अब तक इसको साफ करने के नाम पर लगाए गए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट आधे के बराबर भी गंदगी को साफ नहीं कर पा रहे हैं। इसी पर करोड़ों रुपये भी खर्च हो रहे हैं फिर भी गंगा में उड़ेली जा रही गंदगी थोड़ी सी भी कम नहीं हो रही है। बल्कि जल की गुणवत्ता को जहरीला बनाने वाले कचरे की मात्रा दिनों दिन बढ़ती जा रही है। भूजल भी इतना अधिक प्रदूषित हो गया है कि उसके सेवन से तरह-तरह के रोग हो रहे हैं। अब तक गंगा सफाई के प्रयास कम नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद हरिद्वार से ही गंगा जल स्नान करने योग्य नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब पहली बार बनारस से चुनाव में जीत हासिल की तो उन्होंने बहुत ही भावुक होकर कहा कि वे गंगा की अविरलता और निर्मलता की लिए काम करेंगे। इसके फलस्वरूप 'नमामि गंगे परियोजना' प्रारंभ की गई। उस समय जल संसाधन मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रही उमा भारती को गंगा सफाई की जिम्मेदारी भी दी गई थी। उमा भारती जी ने यूपीए सरकार के सामने भी गंगा पर बांधों और बैराजों का प्रबल विरोध किया था। उन्हें जब यह जिम्मेदारी मिली तो लोगों की बड़ी आशा थी कि गंगा सचमुच साफ हो जाएगी, लेकिन उनके ढाई साल के कार्यकाल में गंगा सफाई के लिए प्रस्तावित बजट 20 हजार करोड़ में से जब लगभग 5 हजार करोड़ ही खर्च हुए तो एनजीटी ने पूछा कि गंगा के 2500 किमी लंबाई में कोई भी जगह बता दो जहां गंगा साफ हो गई है। उनके बाद नितिन गडकरी जी को 'नमामि गंगे' की जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने 2019 तक गंगा की सफाई का दावा किया था। तब से अब तक स्थिति यह है कि हरिद्वार के बाद कोलकाता तक गंगा में स्नान करने लायक पानी भी नहीं बचा है। 2024 के अंत तक तो ऐसी स्थिति भी सामने आई कि गंगा के उद्गम गंगोत्री के स्वच्छ जल में भी इतनी गंदगी बढ़ गई थी कि उसे भी विशेषज्ञों ने स्नान करने योग्य नहीं पाया। जिसमें रात-दिन कुछ सुधार भी किए गए हैं। उद्गम से ही गंगा का प्रदूषित होना इसलिए है कि गंगा के किनारे बने हुए शौचालयों के पाइपों का संपर्क जलधारा से जुड़ा हुआ है। मनुष्य द्वारा पैदा किए जा रहे अन्य प्रकार के गंदे जल की निकासी भी हो रही है। छोटे-बड़े उद्योगों और कारखानों से छोड़े जा रहे कचरे ने भी गंगा के अस्तित्व पर संकट पैदा कर दिया है। यह कैसी विडंबना है कि गंगा में घनघोर गंदगी के बहाने के बाद भी हमारी आस्था खत्म नहीं होती है। हम गंदगी भी उड़ेल रहे हैं और फिर उसकी आरती भी उतार रहे हैं। गंगा अकेली नहीं है। इसकी सबसे बड़ी नदी जिसकी लंबाई बंदरपूछ पर्वत (6300मी) से यमुनोत्री मंदिर होकर आ रही लगभग 1376 किमी की दूरी पर प्रयागराज में गंगा से मिलती है। यमुना की सहायक नदियां जैसे टोंस, हिंडन, चंबल, छोटी बेतवा, केन आदि है। इन सब की हालात किसी गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति से कम नहीं है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी अपने कार्यकाल में यमुना की सफाई की घोषणाएं की थी, लेकिन वे अपना वादा पूरा न कर सके। अभी दिल्ली में भाजपा सरकार आयी है; वे भी सफाई का दावा कर रहे हैं।

इस पर सवाल उठता है कि गंगा की सफाई के लिए जो नियम कानून बने हैं उसके तहत जो स्थिति उभर कर आ रही है कि क्या यमुना भी आने वाले दिनों में साफ हो पाएगी? यह सवाल इसलिए है कि केवल दिल्ली में यमुना जितनी लंबाई में बहती है उसी में 80 प्रतिशत गंदगी फैली हुई है। क्या यमुना साफ होगी? गंगा की निर्मलता के लिए विचारों की कमी नहीं है। अच्छी-अच्छी योजनाएं और परियोजनाएं भी हैं, किंतु अविरलता के विषय पर भी सोचना इसलिए जरूरी है

कि यदि जल धारा को रोकने वाले बांध और बैराज बनेंगे तो उससे गंगा में प्रदूषण की समस्या बढ़ेगी और गंगा, यमुना के क्षेत्र में भूजल की कमी होगी। इसलिए नदी धाराओं के आसपास की वनस्पतियों और जलाशयों के विकास पर भी ध्यान देने की जरूरत है। ध्यान रहे कि नदियों के पास रहने वाले समाज को न जोड़ सके तो थोड़े दिन की सफाई के बाद फिर यमुना भी वैसी की वैसी रह जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

टीजर के साथ सामने आया विजय की अगली फिल्म का नाम, एक्शन और स्टंट करते नजर आए एक्टर

विजय देवरकोंडा की फिल्म, जिसे अस्थाई रूप से वीडी 12 कहा जा रहा था, उसके टाइटल का खुलासा हो गया है। दरअसल, आज बुधवार को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। इसी में फिल्म के टाइटल से परदा उठा है। और फिल्म का नाम है, किंगडम। यह फिल्म इसी साल मई में रिलीज होगी।

विजय ने दिखाया एक्शन

आज जारी हुए टीजर में विजय देवरकोंडा एक्शन का दम दिखाते नजर आए हैं। टीजर करीब एक मिनट 55 सकेंड का है। जैसा की इसका नाम है किंगडम, फिल्म की कहानी भी वैसी है। टीजर सितारा एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी ने किया है।
विजय देवरकोंडा ने साझा किया पोस्ट
टीजर में विजय देवरकोंडा जेल में कैद नजर आए हैं। यह फिल्म 30 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय देवरकोंडा ने भी पोस्ट साझा कर फिल्म के टाइटल का जिक्र फैंस से किया है। उन्होंने लिखा है, फिल्म का नाम किंगडम है। सवाल, गलतियां, रक्तपात और नियति...।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

टीजर पर यूजर्स की प्रतिक्रिया आ रही हैं। टीजर हिंदी भाषा में भी जारी हुआ है। बता दें कि फिल्म के हिंदी वर्जन में रणबीर कपूर आवाज दे रहे हैं। यूजर्स को उनका अंदाज पसंद आ रहा है। इस फिल्म को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। सिनेमाघरों के बाद यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

श्रीलीला के हाथ लगी अनुराग बसु की फिल्म!

श्रीलीला कई फिल्मों के जरिए अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। अब खबर है कि वह बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका पहले नाम आशिकी 3 बताया जा रहा था। हालांकि, अब फिल्म का नाम आशिकी 3 नहीं है, क्योंकि इस शीर्षक पर विवाद जारी है। ऐसे में फिल्म के शीर्षक को लेकर आधिकारिक एलान होना बाकी है। वहीं, अब फिल्म की मुख्य नायिका को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

तृप्ति थीं फिल्म के लिए पहली पसंद

इससे पहले खबर थी कि फिल्म में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की लिया गया था। हालांकि, बाद में कुछ कारणों से फिल्म से बाहर हो गईं। तृप्ति के फिल्म से बाहर होने को लेकर कई धारणाएं बनाई गईं कि किरदार के मासूम चेहरे की मांग के कारण तृप्ति को बाहर किया गया है, क्योंकि वह रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में अपने प्रदर्शन के कारण फैंस के बीच बोल्ड इमेज बना चुकी हैं। हालांकि, अनुराग बसु ने इन बातों का खंडन करते हुए कहा था कि ये बातें सच नहीं हैं और तृप्ति भी यह जानती हैं।
फिल्म की अभिनेत्री बनीं श्रीलीला
अब फिल्म के लिए नई अभिनेत्री को चुन लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक अनुराग बसु की मुख्य महिला अभिनेत्री की तलाश आखिरकार श्रीलीला पर आकर रुकी। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके पास गया था और वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। तृप्ति डिमरी के बाहर होने के बाद से यह फिल्म चर्चा में थी, जिसके कारण फिल्म की टीम ही जानती है।

टीम जल्द करेगी आधिकारिक घोषणा

अनुराग बसु की अगली फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है और कलाकारों के बारे में अटकलें केवल उत्साह को बढ़ाती हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि साउथ इंडस्ट्री की सेंसेशन श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ जोड़ा जाएगा। यह एक दिलचस्प जोड़ी होगी, जिसे देखना दिलचस्प होगा। श्रीलीला अपने करियर में इस नए रोमांटिक रोमांच की शुरुआत करने के लिए उत्सुक हैं, जबकि उनकी टीम जल्द ही एक भव्य घोषणा करने के तरीकों की तलाश कर रही है।

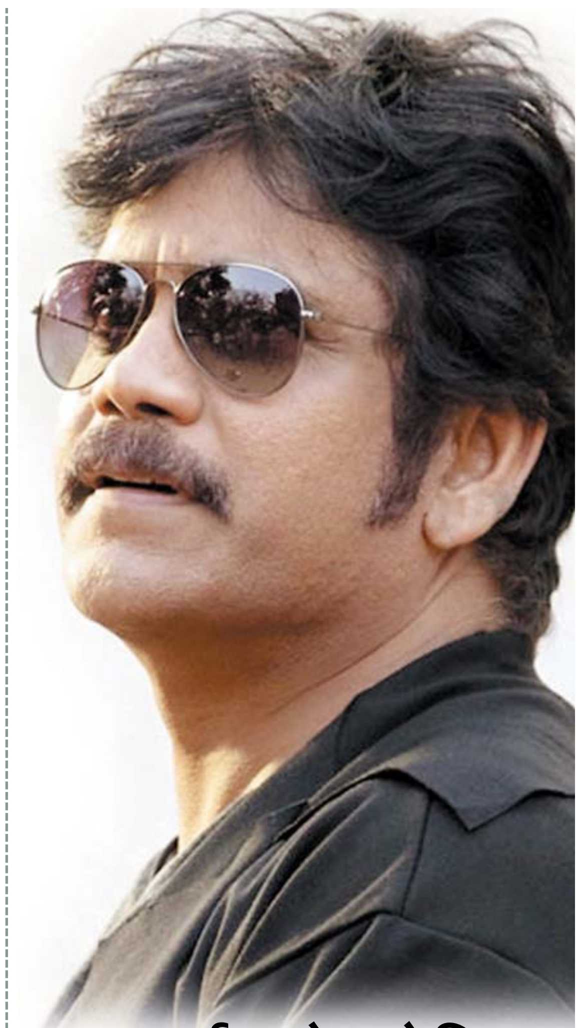

नागार्जुन ने शोभिता को दिया तंडेल की सफलता का श्रेय

नागा चैतन्य की फिल्म तंडेल को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इससे उनके पिता नागार्जुन बेहद खुश हैं। फिल्म को मिल रही जबर्दस्त प्रतिक्रिया पर उन्होंने बेटे की पीठ थपथपाई है। साथ ही इसका श्रेय बहुरानी शोभिता धुलिपाला को भी दिया है। नागार्जुन का कहना है कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि नागा ने शोभिता से शादी की।

शोभिता को दिया सफलता का श्रेय

फिल्म तंडेल 07 फरवरी को रिलीज हुई। इसे काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नागा चैतन्य के अलावा उनकी पत्नी शोभिता धुलिपाला और पिता नागार्जुन भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि फिल्म के लिए नागा चैतन्य ने जमकर मेहनत की। साथ ही कहा कि इसके पीछे शोभिता का भी हाथ रहा है।

शोभिता हमेशा से खास हैं

नागार्जुन बेटे की फिल्म की सफलता की खुशी पर बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने शोभिता को शुक्रिया कहा। साथ ही बताया कि बेटे को मिल रही इस अपार सफलता के पीछे की एक अहम वजह शोभिता हैं। नागार्जुन ने नागा चैतन्य से कहा, यह सफलता शोभिता से आपकी शादी होने की वजह से है। शोभिता हमेशा खास हैं! आगे उन्होंने शोभिता से कहा, आपने चैतन्य के लिए जो किया है, वह शानदार है। आपने उनके अंदर के अभिनेता को बाहर निकाला है। इसके अलावा नागार्जुन ने दर्शकों और फैंस का भी शुक्रिया अदा किया, जिनकी वजह से यह सफलता हासिल हो सकी। उन्होंने फिल्म निर्माता चंदू मोंडेती, निर्माता बनी व्यास, संगीतकार देवी श्री प्रसाद और नागा चैतन्य के साथ नजर आईं साई पल्लवी सभी का शुक्रिया अदा किया।

महेश बाबू के लिए बोलीं शिल्पा शिरोडकर

भारतीय तेलुगु फिल्म अभिनेता महेश बाबू को उनकी शानदार फिल्मों और एक्शन सीन को लेकर चर्चा होती रहती है। महेश बाबू का शिल्पा शिरोडकर से भी रिश्ता है। शिल्पा की बहन नम्रता शिरोडकर महेश बाबू की पत्नी हैं। शिल्पा ने अब महेश बाबू को लेकर कुछ बातें कही हैं।

बहुत हार्ड वर्क करते हैं

शिल्पा शिरोडकर ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में कहा, वाकई उसकी उम्र कम हो रही है। इतना ही नहीं, सच में महेश सबसे अच्छे एक्टर हैं। वह बहुत ज्यादा हार्ड वर्क करते हैं। सभी अभिनेता हार्ड वर्क करते हैं, लेकिन मैं महेश का काम देखती हूं इसलिए कह सकती हूं।

वो दिन में दो बार वर्कआउट करते हैं

शिल्पा ने कहा, महेश को वे बहुत करीब से जानती हैं इसलिए कह सकती हैं कि वह दिन में दो बार वर्क आउट करते हैं। वे घर का साधारण सा खाना ही पसंद करते हैं। ये जो भी है, सब अपने माइंड और हार्ट का खेल है। शिल्पा ने बताया कि महेश बाबू को पार्टी करना भी पसंद नहीं है।

अगली फिल्म में प्रभास के साथ नजर आएंगे अनुपम खेर

अनुपम खेर के हाथ एक और फिल्म लगी है। वे साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ इसमें काम करेंगे। यह जानकारी खुद अनुपम खेर ने साझा की है। मूल रूप से साउथ की इस फिल्म को मैत्री मूवीज के बैनर तले बनाया जाएगा। वहीं, इसके निर्देशन की कमान भी साउथ के लोकप्रिय निर्देशक हनु राव राघवपुडी के हाथ है। अनुपम खेर की यह 544वीं फिल्म है। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से प्रभास के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ लिखा है, अनाउंसमेंट- यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरी 544वीं फिल्म भारतीय सिनेमा के बाहुबली प्रभास के साथ है! फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है। इस फिल्म को बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक हनु राव राघवपुडी निर्देशित करेंगे।
अनुपम खेर ने आगे लिखा है, इस फिल्म को मैत्री मूवीज के शानदार निर्माताओं की टीम बनाएगी। कमाल की कहानी है!! और क्या चाहिए लाइफ में दोस्तों! जय हो! अनुपम खेर के पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं।

अजय देवगन के साथ रिश्ते को लेकर बोले डायरेक्टर अनुभव

डायरेक्टर अनुभव सिन्हा ने हाल ही में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म कैश के दौरान उनकी और अजय देवगन की आखिरी बार बात हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए 18 साल का समय हो गया है, लेकिन अजय और अनुभव की कभी आपस में बात नहीं हुई। डायरेक्टर ने दोनों के बीच बातचीत बंद होने का कारण बताया है।

अनुभव ने अजय से बात न होने का कारण बताया

अनुभव सिन्हा कहा, 'हमारे बीच कभी कोई लड़ाई नहीं हुई। वह बस मुझसे बात नहीं करते और मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों है। फिल्म कैश की मेकिंग के बाद से, हम एक-दूसरे से मिले भी नहीं हैं। शायद वो मुझे इग्नोर करते हैं या उनके मन में कुछ और भी हो सकता है। मैंने उन्हें दो-तीन बार मैसेज भी किए, लेकिन उनकी तरफ से कभी कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए मैंने खुद से सोच लिया कि शायद वह भूल गए होंगे या उन्होंने मेरा मैसेज देखा ही नहीं होगा। लेकिन, हमें बात किए हुए लगभग 18 साल हो गए हैं।'

हमारे बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ

डायरेक्टर से पूछा गया कि फिल्म की शूटिंग के समय उनके बीच कोई विवाद हुआ था? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- नहीं, हमारे बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ था। हां, उस समय प्रोड्यूसर और फाइनेंसर के बीच विवाद हुआ था।

यारों के यार हैं अजय देवगन

डायरेक्टर अनुभव ने अजय की तारीफ करते हुए कहा- अजय मेरे पसंदीदा कलाकारों में से एक थे। मैं उन्हें एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में पसंद करता था। उनके साथ रहना और काम करना मुझे अच्छा लगता था। वह यारों के यार जैसे हैं। अजय हमेशा जरूरत पड़ने पर दोस्त की मदद के लिए सबसे पहले खड़े रहते हैं।

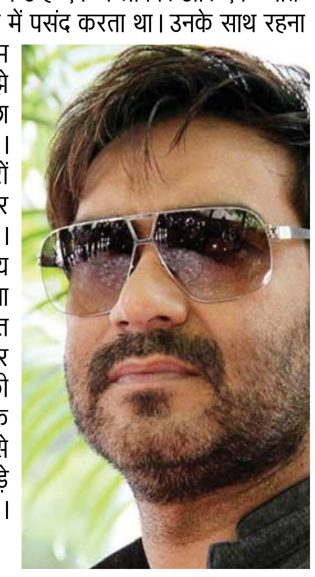

जूनियर एनटीआर के फैंस का इंतजार होगा जल्द खत्म

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनटीआर 31' की घोषणा बहुत पहले ही कर दी गई थी, लेकिन कुछ कारणों से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो सकी। हालांकि, अब ऐसा लग रहा है कि जूनियर एनटीआर के फैंस का इंतजार जल्द ही खत्म होगा। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक अहम अपडेट सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जूनियार एनटीआर के इस आगामी प्रोजेक्ट का पहला शेड्यूल अगले हफ्ते विकाराबाद फॉरेस्ट में शुरू होने वाला है। इस फिल्म का नाम नाम 'ड्रैगन' बताया जा रहा है, रिपोर्ट्स बताती हैं कि इसके शुरुआती सीन जूनियर एनटीआर के बिना शूट किए जाएंगे। अभिनेता फिलहाल अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म में रुक्मिणी वसंत को फीमेल लीड रोल में नजर आ सकती हैं, टोविनो थॉमस कथित तौर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, फिल्म 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। ऋचा घोष के नाबाद 64 रन और एलिस पेरी के 57 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को वूमेंस प्रीमियर लीग के उद्घाटन मुकाबले में गुजरात जायंट्स को नौ गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 202 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान स्मृति मंधाना (नौ) और डेनिएल वायट (चार) रन बनाकर आउट हुई। दोनों ही बल्लेबाजों को एश्ली गार्डनर ने आउट किया। इसके बाद एलिस पेरी और राघवी बिष्ट की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई।

11वें ओवर में डिएंड्रा डॉटिन ने राघवी बिष्ट (25) का आउट कर आरसीबी को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में सायली सातघरे ने एलिस पेरी को आउटकर गुजरात जायंट्स को चौथा झटका दिया। एलिस पेरी ने 34 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ऋचा घोष और कनिका आहूजा ने आरसीबी की पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। आरसीबी ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 202 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऋचा घोष ने 27 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 64) रनों की पारी खेली। कनिका आहूजा ने 13 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 30) रन बनाये।गुजरात की ओर से एश्ली गार्डनर ने दो विकेट लिये। डिएंड्रा डॉटिन और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की बेथ मूनी और लॉरा वुलफार्ट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। लॉरा वुलफार्ट (छह) को बोल्ड कर रेणुका ने आरसीबी को पहली सफलता दिलाई। दयालन हेमलता (चार) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान एश्ली गार्डनर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बेथ मूनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 46रन जोड़े। बेथ मूनी तीसरे विकेट के रूप में 42 गेंदों में (56) रन बनाकर आउट हुई। डिएंड्रा डॉटिन ने 13 गेंदों में (25) रन बनाये। सिमरन शेख (11) रन बनाकर आउट हुई। एश्ली गार्डनर ने 37 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 79) रन बनाये। गुजरात जायंट्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से रेणुका सिंह ने दो विकेट लिये। कनिका

आहूजा, जॉर्जिया वेयरहम और प्रमिला रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की वापसी, भारत के कप्तान होंगे तेंदुलकर, श्रीलंका के संगकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर पहली इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत के कप्तान होंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा श्रीलंका की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय मास्टर्स टीम का ऐलान यहां शुक्रवार को किया गया जिसमें विश्व कप विजेता युवराज सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण में खेलने के बारे में बोलते हुए, इरफ़ान पठान ने कहा कि इंटरनेशनल मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग को श्रद्धांजलि देता है। मैं लीग के सीज़न 1 में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने और उस्ताद सचिन तेंदुलकर और अन्य सहयोगियों के साथ खेलने के लिए रोमांचित हूं, जिनके साथ मैंने अतीत में कई सुखद और अनमोल क्षण साझा किए हैं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं, लेकिन मैं क्रिकेट प्रशंसकों को आश्वस्त कर सकता हूं कि हम मैदान पर उदार नहीं होंगे। हम कठिन क्रिकेट का उत्पादन करेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।' खिताब जीतो।

IMLT20 के लिए भारतीय मास्टर्स टीम

सचिन (कप्तान), युवराज, रैना, रायडू, यूसुफ, इरफान, बिन्नी, कुलकर्णी, विनय कुमार, नदीम, राहुल शर्मा, ओझा, नेगी, गुरकीरत मान, मिथुन।

वहीं, कुमार संगकारा के नेतृत्व में श्रीलंका मास्टर्स कौशल और अनुभव में मास्टरक्लास का वादा करता है। खेल के राजदूत, संगकारा क्रमशः 2007 और 2011 में दो बार पचास ओवर के विश्व कप फाइनलिस्ट और 2014 में टी20 विश्व कप विजेता थे। उनके साथ श्रीलंका की 1996 विश्व कप विजेता टीम के तेजतर्रार ओपनर-कीपर रोमेश कालुविथराना भी शामिल होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारतीय टीम दुबई रवाना, 2-2 के बैच जाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरू होने वाली आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए मुंबई से दुबई के लिए रवाना हो गई है। भारतीय टीम के ग्रुप ए के सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के दृश्यों में रोहित एंड कंपनी, सहयोगी कर्मचारियों के साथ, दुबई के लिए अपनी उड़ान लेने के लिए हवाई अड्डे में जांच कर रही थी।

आईएएनएस समझता है कि टीम की प्रारंभिक योजना दुबई के लिए 2-2 के बैच में रवाना होने की थी, लेकिन पिछले महीने जारी किए गए बीसीसीआई नीति दिशानिर्देशों में कहा गया था कि टीम अपने विदेशी दौरों के लिए एक साथ यात्रा करेगी, इसलिए टीम को मुंबई से 8 टीमों की प्रतियोगिता के लिए एक साथ रवाना होने का निर्णय लिया गया। चैंपियंस ट्रॉफी में, भारत को अपने तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की सेवाओं की काफी कमी खलेगी, जो पिछले महीने सिडनी में 5वें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को उनके प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया है, जबकि यशस्वी जयसवाल की कीमत पर कलाई के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया गया है, जो मूल रूप से अनंतिम टीम में थे। जायसवाल अब मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे के साथ गैर-यात्रा विकल्प में से एक हैं। दो बार की चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारत 23 फरवरी को बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ने से पहले 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ अपने 2025 अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपना अंतिम ग्रुप ए मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

चैंपियंस ट्रॉफी के रिकॉर्ड में कौन हैं हीरो, विराट कोहली या सचिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली अपना जलवा बिखरने को तैयार हैं। कोहती बीते कई महीने से रन के लिए तरस रहे है। चंद रोज पहले इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में हुए आखिरी वनडे में उन्होंने जो अर्धशतक लगाया, उससे उनका आत्मविश्वास जरुर वापस आया होगा। 55 गेंद में 52 रन की पारी में कोहली ने सात चौके और एक छक्का भी जड़ा था। अपने करियर के आखिरी पड़ाव में पहुंच चुके कोहली 2013 में धोनी की चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे। वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में कोहली तीसरे नंबर पर आते हैं। 297 मैच में उनके नाम 57.93 की औसत से 13,963 रन हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 मैच में 18,426 रन) और कुमार संगाकारा (404 मैच में 14.234 रन) बनाकर कोहली से आगे हैं। कोहली और तेंदुलकर की अक्सर तुलना भी होती रही है।

कोहली ने अपने पूरे करियर में चैंपियंस ट्रॉफी के कुल 13 मैच खेल चुके हैं। जहां 12 पारियों में उन्होंने 92.32 की स्ट्राइक रेट से 529 रन बनाए। छह बार वह नॉट आउट रहे। एक बार वे वह बिना खाता खोले भी आउट हो चुके हैं। 529 रन में से 124 रन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बनाए हैं, इन पारियों में विराट का औसत 62 और स्ट्राइक रेट 96.87 का रहा है। वहीं सचिन तेंदुलकर ने चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 16 मैच खेले हैं, इसमें उन्हें 14 बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इन 14 पारियों में तेंदुलकर ने 36.75 की औसत और 78.75 की स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। दो मौकों पर सचिन नॉटआउट लौटे हैं। कोहली से सचिन के रिकॉर्ड की तुलना करने पर ये चीज भी माननी पड़ेगी कि तेंदुलकर ने अपने करियर में कहीं बेहतर गेंदबाजों का सामना किया है। टूर्नामेंट के इन 441 रन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 63 की औसत से 189 रन भी आए हैं।

कोहली ने चैंपियंस ट्रॉफी में पांच अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन एक भी सेंचुरी नहीं ठोक सके। उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 96 रन रहा है, जो 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ बर्मिंघम में बनाया था। जबकि सचिन तेंदुलकर के नाम एक शतक है। 14 पारियों में तेंदुलकर ने दो अर्धशतक बनाए हैं। सचिन का शतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1998 में बांग्लादेश की मेजबानी में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में आया था। सचिन ने तब 128 गेंदों में 141 रन की तूफानी पारी खेली थी।

अब विदेश दौरों में तय सीमा से अधिक वजन वाले सामान नहीं ले जा सकेंगे क्रिकेटर

मुम्बई ।अब विदेशी दौरों पर क्रिकेटर तय सीमा से अधिक वजन के सामान नहीं ले जा सकेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों द्वारा ले जाए जाने वाले सामान के वजन की सीमा 150 किलोग्राम तय कर दी है। इससे अधिक वजन होने पर खिलाड़ी को स्वयं ये खर्च उठाना पड़ेगा। बीसीआई ने ये कदम बढ़ते हुए खर्च पर नियंत्रण के साथ ही यात्रा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए उठाया है। हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान एक खिलाड़ी अनुमानित 27 बैग ले जाए गया था जिसका वजन 250 किलोग्राम से अधिक था। रिपोर्टों के मुताबिक, इन बैगों में केवल खिलाड़ी के निजी सामान के साथ ही उनके परिवार और स्टाफ के सदस्य का सामान भी शामिल था। इस पूरे खर्च को बीसीसीआई ने उठाया था। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य पूरे दौरे के दौरान उनके साथ रहे, और ऐसे में बीसीसीआई को आने और जाने दोनो का खर्च उठाना पड़। इसके अलावा, सामान को दौरे के दौरान एक शहर से दूसरे शहर तक किलोग्राम तक के सामान का खर्च ही बोर्ड उठाएगा। इसके साथ खिलाड़ी अब विदेशी दौर में अपनी व्यक्तिगत यात्रा व्यवस्था नहीं कर पायेंगे और उन्हें टीम के साथ ही जिस भी माभेजने की जिम्मेदारी भी बीसीसीआई के पास थी।

श्रीकांत बोले, बल्लेबाजी पर ध्यान देने विराट नहीं बने आरसीबी के कप्तान

मुम्बई ।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने के लिए ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी के प्रस्ताव को ठुकराया होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए रजत पाटीदार को अपना नया कप्तान बनाया है। रजत को कप्तान बनाये जाने का स्वागत भी हुआ है पर विराट के प्रशंसकों का मानना था कि उन्हें फिर कप्तान बनाया जाना चाहिये था। इसी को लेकर श्रीकांत ने कहा कि विराट ने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आरसीबी की कप्तानी का प्रस्ताव ठुकरा दिया होगा। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि विराट ने कप्तानी से मना कर दिया होगा। उन्होंने कहा होगा कि मैं बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि रजत को कप्तान बनाने का फैलसा विराट कोहली से बात क करने के बाद हुआ होगा। पाटीदार ने घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश की कप्तानी की है। श्रीकांत ने कहा कि रजत आईपीएल कप्तानी के लिए नए हैं, इसलिए उन पर अपेक्षाओं का बहुत अधिक दबाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, रजत एक अच्छा विकल्प हैं। वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं होंगी। जब हमने 2007 में महेन्द्र सिंह धोनी को टी20 विश्व कप का कप्तान नियुक्त किया था, तो उनसे और टीम से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं। रजत को विराट कोहली का समर्थन और जरुरी सलाह मिलती रहेगी जिसका उन्हें लाभ होगा।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती

कराची (एजेंसी)। विलियम ओरूर्क (चार विकेट), माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद डैरिल मिचेल (57) और टॉम लेथम (56) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को फाइनल मुकाबले में 28 गेंदे शेष रहते 243 रन बनाकर पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली।

242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में विल यंग (पांच) का विकेट गवां दिया। उन्हें नसीम शाह ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन (34) को आगा सलमान ने पगबाधा आउट किया। डेवन कॉन्वे (48) रन बनाकर आउट हुये। 39वें ओवर में अबरार अहमद ने डैरिल मिचेल (57) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। 45वें ओवर की पहली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टॉम लेथम को आउट कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। टॉम

लेथम ने 64 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (56)रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 45.2 ओवर में पांच विकेट पर 243 रन पर बनाकर मुकाबला और त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने दो विकेट लिये। आगा सलमान, शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां नेशनल बैंक क्रिकेट एरेना में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। फखर जमान (10), सऊद शकील (आठ) और बाबर आजम (29)रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आगा सलमान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी हुई। 32वें ओवर में ओरूर्क ने रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 76 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (46) रन बनाये। इसके 37वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने आगा सलमान को आउट कर पवेलियन भेज दिया। आगा सलमान ने 65 गेंदों में एक चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रन बनाये। तय्यब ताहिर 33 गेंदों में (38) रन बनाकर आउट हुये। फहीम अशरफ (22) और नसीम शाह (19) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की पूरी टीम 49.3 ओवर में 242 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम ओरूर्क ने चार विकेट लिये। माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर को दो-दो विकेट मिले। जेकब डफी और नेथन स्मिथ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पोलार्ड की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं उनके बेटे कैडेन

जमैका ।वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड के बेटे कैडेन पोलार्ड भी पिता की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पोलार्ड ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे कैडेन की एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में कैडेन हाथ में बल्ला और हेलमेट लिए नजर आये हैं। पोलार्ड ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि उनके बेटे ने एक शतक बनाया है। पोलार्ड ने ही कहा कि उनके बेटे कैडेन ने 85 गेंदों में 135 रन बनाये हैं। कैडेन ने ये शतक लगाकर अपनी नॉर्थ टीम को टीटी क्रिकेट बोर्ड को अंडर-15 इंटरजोन यूथ टूर्नामेंट में टोबैगो पर 159 रन से बड़ी जीत दिलाई। कैडेन ने इस दौरान कई ऐसे शॉट्स लगाए, जिसने उनमें पिता कीरोन की झलक नजर आयी। कैडेन अपने पिता कायरन पोलार्ड के साथ कई बार अभ्यास करते हुए नजर आए हैं। कैडेन को कई बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस के नेट्स में अभ्यास भी करते हुए देखा गया है। मुंबई ने अपने सोशल मीडिया पर कैडेन की बैटिंग का वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें देखा जा सकता है कि वो अपने पिता कायरन की गेंदबाजी पर बड़े शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। पोलार्ड खेल से संन्यास के बाद अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं। पोलार्ड आईपीएल के अलावा विश्व की दूसरी फेंचाइजी लीग में भी खेलते हैं। पोलार्ड मुंबई इंडियंस की ओर से पांच सत्र खेले थे। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की की जीत में उनकी अहम भूमिका रही है।

सबसे तेज 6000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बाबर, - विराट कोहली को पछाड़ा

नई दिल्ली ।पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने शुक्रवार को एक और उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने 123 पारियों में वनडे क्रिकेट में 6000 रन पूरे कर हाशिम अमला के रिकॉर्ड की बराबरी की। बाबर ने 29 रनों की पारी के दौरान यह रिकॉर्ड हासिल किया और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। बाबर का यह 126वां वनडे मैच था, और उन्होंने अब तक 6019 रन बनाए हैं, जिनमें 9 शतक भी शामिल हैं। बाबर आजम का यह रिकॉर्ड उनकी लगातार शानदार फॉर्म का प्रतीक है, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले। इस पारी से पहले पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा ने शतक जड़े थे, जो टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए। बाबर की 29 रन की पारी ने भले ही मैच के परिणाम पर बड़ा असर न डाला हो, लेकिन उनकी उपलब्धि क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गई है। इस रिकॉर्ड से बाबर आजम ने विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 6000 वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। विराट कोहली ने यह आंकड़ा 136 पारियों में हासिल किया था, और अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। हाशिम अमला और बाबर आजम दोनों ने यह रिकॉर्ड 123 पारियों में पूरा किया है। बाबर आजम का करियर पिछले 10 सालों में शानदार रहा है, और इस समय तक उन्होंने 6019 रन बनाए हैं। अब वह सबसे तेजी से 6000 रन बनाने वालों की लिस्ट में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, जबकि तीसरे स्थान पर केन विलियमसन और डेविड वॉर्नर का नाम है, जिन्होंने 139-139 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। कुमार संगकारा (14234 रन) और विराट कोहली (13963 रन) इस सूची में क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड फाइनल मैच में चील का शिकार होते-होते बची बिल्ली

कराची ।पाकिस्तान को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के फाइनल में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस इस में पाक टीम टीम न्यूजीलैंड के सामने टिक नहीं पायी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक टीम पहले बल्लेबाज करते हुए 242 रन ही बना पायी। इसके बाद कीवी टीम ने ये लक्ष्य पांच विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम की बल्लेबाजी के दौरान ही अचानक एक एक काली बिल्ली मैदान में आ गयी। इस कारण मैच कुछ देर के लिए रुक गया। बिल्ली मैदान से बाहर जा ही रही थी कि लोगों को एक चील आसमान में दिखी। उस चील ने बिल्ली पर झपट्टा मारने का प्रयास किया। दर्शकों भी दिल थामकर ये देख रहे थे। चील बिल्ली को पकड़ने के काफी करीब पहुंच गयी थी पर बिल्ली किसी प्रकार उसका शिकार होने से बच गयी। बहरहाल चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले त्रिकोणीय सीरीज में मिली हार से पाक टीम को करारा झटका लगा है। खिताबी मुकाबले में पाक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के विलियम ओरूर्के के सामने टिक नहीं पाये। विलियम ने 43 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाए। इस मैच में पाक गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे। शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ और मोहम्मद हसनैन की गेंदबजी में विविधता और लाइन लैंथ की कमी दिखी। उसके गेंदबाजों को पिच से सहायता नहीं मिली।

नंबर वन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर डोपिंग में फंसे, लगा इतने महीनों का बैन

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत इतालवी खिलाड़ी पर तीन महीने का प्रतिबंध लगेगा। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के एक स्वतंत्र ट्रिब्यूनल ने सिनर को मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल, एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए दो बार सकारात्मक परीक्षण करने के बाद बिना किसी गलती या लापरवाही के दोषी पाया था।

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने पुष्टि की है कि उसने इतालवी टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर के मामले में एक केस समाधान समझौते में प्रवेश किया है, जिसमें खिलाड़ी ने डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए 3 महीने की अयोग्यता की अवधि स्वीकार कर ली है, जिसके कारण उसे मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल, एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया था। वाडा के बयान में कहा गया है।

सिनर के अनुसार- यह पदार्थ एक सपोर्ट स्टाफ सदस्य के संपर्क में आने के बाद उनके सिस्टम में प्रवेश कर गया, जो 'ओवर द काउंटर स्प्रे' लगा रहा था, जिसमें क्लोस्टेबोल का मामूली स्तर था और उक्त सपोर्ट स्टाफ सदस्य द्वारा बार-बार मालिश करने से संदूषण हो गया। बयान में कहा गया है कि वाडा स्वीकार करता है कि सिनर का धोखाधड़ी करने का इरादा नहीं था, और क्लोस्टेबोल के संपर्क में आने से कोई प्रदर्शन-बढ़ाने वाला लाभ नहीं मिला और यह उसके दल के सदस्यों की लापरवाही के परिणामस्वरूप उसकी जानकारी के बिना हुआ।

जनवरी में 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर को 9 फरवरी से 4 मई तक तीन महीने का प्रतिबंध झेलना होगा, 4 दिन पहले ही अनंतिम निलंबन के तहत सेवा दी जा चुकी है, और उन्हें 13 अप्रैल से प्रशिक्षण पर लौटने की अनुमति दी जाएगी। 4 मई को उनकी वापसी से उन्हें रोलांड गैरोस में सीज़न के दूसरे ग्रैंड स्लैम में भाग लेने की अनुमति मिल जाएगी, जो फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है, जो 19 मई से 8 जून तक पेरिस, फ्रांस में होगा।

समझौते की शर्तों के तहत, सिनर 9 फरवरी, 2025 से 4 मई, 2025 को रात 11:59 बजे तक अपनी अपात्रता की अवधि पूरी करेगा (जिसमें एथलीट द्वारा पहले दिए गए चार दिनों का क्रेडिट शामिल है, जबकि वह अनंतिम निलंबन के तहत था)। कोड अनुच्छेद 10.14.2 के अनुसार, सिनर 13 अप्रैल, 2025 से आधिकारिक प्रशिक्षण गतिविधि में वापस आ सकता है। मामले के समाधान समझौते के प्रकाश में, वाडा ने औपचारिक रूप से कहा है CAS से अपनी अपील वापस ले ली।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में भारतीयों सहित 260 विदेशियों को गुलामी से बचाया

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड में भारतीयों सहित 260 विदेशियों को सेना ने वर्चुअल गुलामी से बचा लिया। अब उन्हें वापस उनके देश भेजने की कार्रवाई की जा रही है। माना जा रहा है कि इन लोगों को मानव तस्करी के लिए मजबूर किया गया और इसने वर्चुअल गुलामी करवाई जा रही थी। वर्चुअल गुलामी में लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले केंद्रों में जबरन काम कराया जाता है। सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इन लोगों को म्यांमार से थाइलैंड भेजा गया था।

यूरोप जा रहे अमेरिकी विदेश मंत्री का विमान बीच रास्ते से वापस लौटा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और सीनेट के विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जिम रीच को लेकर जर्मनी के म्यूनिख जा रहा अमेरिकी वायुसेना का एक विमान बीच रास्ते से ही अमेरिका वापस लौट आया। दरअसल उड़ान के दौरान पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का पता चला, जिसके बाद एहतियातन विमान वापस वॉशिंगटन लौट आया। रूबियो, रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर म्यूनिख में हो रही बैठक में शामिल होने जा रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूबियो अब दूसरे विमान से म्यूनिख जाएंगे। हालांकि अभी ये तय नहीं है कि रूबियो कब म्यूनिख के लिए उड़ान भरेंगे। हालांकि शुक्रवार सुबह म्यूनिख में होने वाली बैठक में रूबियो शामिल नहीं हो पाएंगे। आज रूबियो, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच अहम बैठक होनी थी, लेकिन अब रूबियो इसमें शामिल नहीं होंगे।

विदेशी मदद पर लगी रोक अस्थायी तौर पर हटाने का आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अदालत के एक जज ने ट्रंप प्रशासन से विदेशी मदद के तहत अस्थायी फंड जारी करने का आदेश दिया है। दो स्वास्थ्य संगठनों की अपील पर संघीय जज आमिर अली ने यह आदेश पारित किया। आदेश में ट्रंप प्रशासन से विदेशी मदद के लिए फंड जारी करने पर लगी तीन हफ्ते की रोक को अस्थायी तौर पर हटाने का आदेश दिया गया है।

खैबर पख्तूनख्वा में सरकारी अधिकारियों का अपहरण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने दो सरकारी अधिकारियों और चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष का अपहरण कर लिया। पुलिस उपायुक्त नासिर खान ने कहा कि सीमा शुल्क अधीक्षक निसार अब्बासी, निरीक्षक खुशाल और वजीरिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सैफ-उर-रहमान को दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सीमा बिंदु अंगूर अड्डा स्थित सीमा शुल्क कार्यालय से लौटते समय शोलम से अपहरण कर लिया गया है। इन लोगों की बरामदगी के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पूर्वी कांगो में हथियारबंद व्यक्तियों ने सैकड़ों बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया

डाकार, एजेंसी। कांगो के पूर्वी क्षेत्र में हथियारबंद व्यक्तियों ने सैकड़ों बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया और बड़ी संख्या में बच्चों को बाल सैनिकों के रूप में भर्ती किया। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने यह बात कही। खनिज से समृद्ध इस क्षेत्र में हाल के सप्ताह में संघर्ष और ज्यादा बढ़ गया है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा, ''हमें उत्तर और दक्षिण किवु प्रांत में संघर्ष का सामना कर रहे लोगों द्वारा बच्चों के साथ किए गए गंभीर उल्लंघनों की भयावह जानकारियां मिली हैं, जिनमें दुष्कर्म और अन्य प्रकार की यौन हिंसा की शिकायतें शामिल हैं। हाल के वर्षों में हमने पहले कभी यह स्तर नहीं देखा था।'' रसेल ने कहा, ''एक मां ने हमारे कर्मचारियों को बताया कि कैसे उसकी छह बेटियों में से सबसे छोटी बेटी (12) के साथ हथियारबंद व्यक्तियों ने बलात्कार किया।'' कांगो गणराज्य में यूनिसेफ की संचार प्रमुख लियान ने एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लोगों ने 27 जनवरी से दो फरवरी के बीच दुष्कर्म के 572 मामलों की सूचना दी, जो पिछले सप्ताह की तुलना में पांच गुना अधिक हैं।

जर्मनी में हो गया बड़ा हमला, भीड़ को रौंदते चली गई कार

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में गुरुवार को हमला हुआ है, जहां एक कार भीड़ भरे इलाके में लोगों को रौंदते हुए चली गई। इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। सुबह करीब 10.30 बजे हुई इस घटना के बाद शहर के सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास बड़े पैमाने पर पुलिस अभियान चलाया गया। जर्मन मीडिया ने बताया कि आरोपी की पहचान अफगानिस्तान के एक व्यक्ति के रूप में की गई, जिसे घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पहले कहा था कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है और उससे आगे कोई खतरा नहीं है। हालाँकि, उन्होंने तुरंत यह स्पष्ट नहीं किया कि दुर्घटना जानबूझकर की गई थी या कोई दुर्घटना थी। घटनास्थल पर एक क्षतिग्रस्त मिनी कूपर देखा गया और घटना का कारण निर्धारित करने के लिए जांच जारी है।

आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। म्यूनिख के मेयर डाइटर रेइटर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पुष्टि की कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। उस समय सेवा कर्मचारी संघ वर्डी द्वारा एक प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि पीड़ितों में प्रदर्शनकारी भी थे या नहीं। यह घटना म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले हुई है, जो अंतरराष्ट्रीय नेताओं और सुरक्षा अधिकारियों की एक प्रमुख सभा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की शहर में आने वाले हाई-प्रोफाइल उपस्थित लोगों में से हैं। पूरे म्यूनिख में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है क्योंकि अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। पुलिस ने 24 साल के हमलावर को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्राइवर का नाम फरदाह बताया जा रहा है। वह 2016 में जर्मनी आया था। उस पर इस्लाम विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अफसर समेत 6 लोगों को चाकू मारकर घायल करने का आरोप है।

पुलिस ही घटनास्थल से मिनी कूपर कार को बरामद किया है। फायर सर्विस के मुताबिक घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस को शक है कि यह हमला जानबूझकर किया गया है। वहीं, म्यूनिख के मेयर डाइटर राइटर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और बताया कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

हमलावर पर नशीले पदार्थों की तस्करी का आरोप : बवेरिया के गृहमंत्री जोआचिम हरमन के मुताबिक पुलिस पहले से हमलावर को जानती थी। वह पहले नशीले पदार्थ की तस्करी और दुकान से सामान चुराने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावर मिनी कूपर कार चला रहा था। हमले के वक्त कार की रफ्तार 50 किमी प्रति घंटा थी। घटनास्थल से बरामद कार की फ्रंट विंडो पूरी तरह चकनाचूर हो गई थी। रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया है कि हादसे में एक महिला की मौत हुई है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के बाद बीएनपी ने शेख हसीना को वापस भेजे जाने की उम्मीद जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत उनकी प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना को वापस उनके देश भेजेगा, ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। बीएनपी का यह बयान संयुक्त राष्ट्र की एक तथ्यान्वेषण रिपोर्ट में किए गए उस दावे के एक दिन बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पिछले साल प्रदर्शनकारियों पर ''सुनियोजित तरीके से हमलों और हत्याओं के जरिये सत्ता में बने रहने की कोशिश की गई थी।''

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत को पिछले साल हसीना के प्रत्यर्पण के लिए किए गए गए अनुरोध का एक अनुस्मारक भेजा जाएगा। हसीना की अवामी लीग पार्टी के लगभग 16 साल लंबे शासन का पांच अगस्त 2024 को छात्रों के आंदोलन के बाद पतन हो गया था, जिसके चलते वह बांग्लादेश छोड़ भारत चली गई थीं।

बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि सामूहिक हत्याएं, मानवाधिकारों का उल्लंघन और लोकतंत्र तथा संस्थाओं का विनाश हसीना के आदेश पर किया गया था, और रिपोर्ट से यह साबित हुआ है कि ''हसीना एक फासीवादी हैं, जिन्होंने इस देश के लोगों को प्रताड़ित किया।'' आलमगीर ने कहा, ''हम आज भारत सरकार से हसीना और उनके साथियों को तुरंत बांग्लादेश भेजने और उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए सरकार को सौंपने का आह्वान करते हैं।

दक्षिण-एशिया मामलों में अमेरिकी राजनयिक नामित हुए पॉल कपूर

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण एशियाई सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ पॉल कपूर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री के रूप में नामित किया है। अगर कपूर को सीनेट से मंजूरी मिल जाती है तो वह डोनाल्ड लू की जगह लेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जनवरी में पुष्टि की थी कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू का कार्यकाल 17 जनवरी, 2025 को समाप्त हो गया है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का ब्यूरो अमेरिका की विदेश नीति और अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ अमेरिकी संबंधों से जुड़े मामलों को देखता है। भारतीय मूल के कपूर वर्तमान में 'यूनाइटेड स्टेट्स नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल' के राष्ट्रीय सुरक्षा मामला विभाग में प्रोफेसर हैं।

एक बार फिर तुर्की के राष्ट्रपति ने छेड़ा कश्मीर मुद्दा, शहबाज ने गाजा से की तुलना

अंकारा, एजेंसी। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति एर्दोगन दो दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के साथ एक-पर-एक और प्रतिनिधिमंडल वार्ता के बाद ये टिप्पणियाँ कीं। नेताओं ने दोनों पक्षों के बीच 24 समझौतों और एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह भी देखा। इसके बाद, उन्होंने अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त करते हुए मीडिया में बयान पढ़ा, इस दौरान एर्दोगन ने काश के बारे में भी बात की। भारत ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश का अभिन्न अंग थे, हैं और 'हमेशा रहेंगे'। भारत द्वारा 5 अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गई है। अपने बयान में राष्ट्रपति एर्दोआन ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को बढ़ावा देने में भी गहरी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने कहा, हमारी परिषद के सातवें सत्र में, जिसे हमने अभी-अभी समाप्त किया है, हम अपने संबंधों को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। इस यात्रा के दौरान, हमने व्यापार, जल संसाधन, कृषि, ऊर्जा, संस्कृति, परिवार और सामाजिक सेवाओं के साथ-साथ

विज्ञान, बैंकिंग, शिक्षा, रक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में कुल 24 समझौतों और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान तुर्किये के नेता का दूसरा घर है और यहां पांच साल बाद उनका फिर से आना अद्भुत है। उन्होंने भूकंप और बाढ़ के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े रहने के लिए तुर्किये का आभार जताया। शहबाज ने कहा कि आज आपकी पाकिस्तान यात्रा ने हमारे भाईचारे के संबंधों को एक नया ऊंचाई दी है।

भारतीय साइकिलिस्ट को मिनी बस ने कुचला, मौत : चिली, एजेंसी। सबसे तेज 10 हजार किलोमीटर की यात्रा का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के प्रयास में वाहन की चपेट में आने से भारतीय साइकिलिस्ट मोहित कोहली (36) की मौत हो गई। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मोहित को बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे (स्थानीय समयानुसार) पोजो अलमोंटे कम्यून में रूट संख्या पांच पर एक मिनी बस ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय समाचार पोर्टल के अनुसार, साइकिल चालक ने 22 जनवरी को कार्टाजेना से अपनी यात्रा शुरू की और 10,000 किलोमीटर की यात्रा दौरान वह कोलंबिया, पेरू, इक्वाडोर को पार कर चिली से गुजर रहे थे। यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग (एसआईएटी) के लेफ्टिनेंट एलेक्सिस गुटिरेज कोरबालन ने बताया कि मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। बता दें कि कोहली सोशल मीडिया पर अपनी यात्रा का विवरण दे रहे थे, जिसके अनुसार उनका लक्ष्य कोलंबिया के कार्टाजेना से अर्जेंटीना के उशुआइया तक सबसे तेज साइकिलिंग रिकॉर्ड बनाना था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अमेरिका की सबसे तेज यात्रा करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के माइकल स्ट्रैसर ने बनाया था और उन्होंने 2018 में यह दूरी तय करने में 41 दिन और 41 मिनट लगे थे।

जुकरबर्ग बोले-पाकिस्तान में मुझे मौत की सजा होने वाली थी: ईशनिंदा का आरोप था

फेसबुक यूजर की पोस्ट से छिड़ा था विवाद

इस्लामाबाद, एजेंसी। फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक बार उन्हें पाकिस्तान में मौत की सजा सुनाई जाने वाली थी। किसी यूजर ने फेसबुक पर प्रोफेट मोहम्मद की तस्वीर पोस्ट की थी, जिसे लेकर पाकिस्तान में उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। मंगलवार को एक इंटरव्यू में जुकरबर्ग ने कहा कि इस मामले में पाकिस्तानी सरकार से अपील की गई थी कि वो जुकरबर्ग को ईशनिंदा के लिए व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार ठहराए। जुकरबर्ग ने बताया कि मेरा पाकिस्तान जाने कोई इरादा नहीं था, इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं था। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि यह घटना किस साल हुई थी।

यह खुलासा ऐसे वक्त में हुआ है जब मेटा (फेसबुक की पैरेंट कंपनी) और पाकिस्तानी सरकार के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। पाकिस्तान में फेसबुक पर आरोप है कि वह देश के ईशनिंदा कानूनों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट की अनुमति दे रहा है। जुकरबर्ग ने बताया कि दुनिया में कई जगहों पर अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्य हमारे मूल्यों से काफी अलग हैं। ये देश चाहते हैं कि हम उन चीजों पर कार्रवाई करें और और प्रतिबंध लगाएं जो उनके यहां मान्य नहीं हैं।

पाकिस्तान में ईशनिंदा पर मौत की सजा तक का प्रावधान : पाकिस्तान में दुनिया का सबसे कड़ा ईशनिंदा कानून है। यहां पर कुरान या पैगम्बर का अपमान करने पर आजीवन कारावास से लेकर मौत की सजा तक हो सकती है। हालांकि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद देश में किसी को फांसी नहीं मिली है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 1990 के बाद से अब तक 80 से ज्यादा लोगों को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला है। कई बार ऐसा होता है जब कुरान या पैगम्बर के अपमान करने की अफवाह मात्र से किसी भी जगह पर हजारों लोगों की भीड़ जुट जाती है और आरोपी पर हमला बोल देती है।

बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों पर नियंत्रण नहीं, लालोन फकीर स्मृति समारोह रोका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। इन गुटों ने दार्शनिक व सूफी संत लालोन फकीर की स्मृति में आयोजित होने वाला समारोह रद्द करा दिया। बांग्लादेश के सबसे बड़े इस्लामी समूह हिफाजत-ए-इस्लाम की आपत्ति पर इसे रद्द करना पड़ा। फकीर लालोन सैजी की 134वीं पुण्यतिथि मनाई जानी थी। इनकी विचारधारा से रवींद्रनाथ टैगोर भी प्रभावित रहे हैं। बिबरतन सांस्कृतिक केंद्र ने भी घटना की निंदा की है। केंद्र के महासचिव मोफिजुर रहमान लाल्टू ने कहा, 5 अगस्त को फासीवादी हसीना सरकार के पतन के बाद से कट्टरपंथी देश की सियासत और सांस्कृतिक मामलों में हावी हैं। अंतरिम सरकार इन जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का संकेत नहीं दे रही है। जातिवाद, नस्ली संघर्ष के विरुद्ध थे लालोन फकीर लालोन के दर्शन में जाति, वर्ग और पंथ के सभी भेदों को खारिज किया गया है। वह धार्मिक संघर्षों और नस्लवाद के खिलाफ रहे थे। उनके अनुयायी भी कट्टरपंथ के खिलाफ हैं। इसी बात से बांग्लादेश के इस्लामी संगठन खफा हैं और उन्होंने ऐसे समारोह को ही रद्द करने का फरमान सुना दिया। वे लालोन फकीर का अस्तित्व खत्म करना चाहते हैं। मानवाधिकार समूह ने कहा, सरकारी एजेंसियां निष्पक्ष रहें अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निगरानी संस्था (एचआरडब्ल्यू) ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया है कि देश में सुरक्षा बलों को निष्पक्ष रूप से काम करने दिया जाए। उसने कहा कि सियासी हिंसा से निपटने में कानून का शासन को बनाए रखा जाए। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए, एचआरडब्ल्यू ने कहा, अगस्त 2024 में पीएम शेख हसीना की सरकार को हटाने के बाद हुई अशांति के दौरान कई हत्याएं, यातनाएं और सामूहिक गिरफ्तारियां हुईं।

व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी के लिए कुर्सी खींची

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया. वेस्ट विंग लॉबी में एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए दोनों नेताओं ने गले मिलकर खुशी जाहिर की. इस दौरान पीएम मोदी के बैठने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुर्सी खींची और उन्हें सम्मान पूर्वक स्थान ग्रहण करने को कहा.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्हाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत अमेरिकी परमाणु प्रौद्योगिकियों को भारतीय बाजार में लाने के लिए अपने कानूनों में सुधार कर रहा है. इसके बाद एलन मस्क के साथ कारोबारी सौदे के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा हल्के फुलके अंदाज में कहा कि केवल ट्रंप के पास डील शब्द का कॉपीराइट है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने पूछा कि क्या अरबपति उद्यमी एलन मस्क के साथ मुलाकात के दौरान उन्होंने कोई कारोबारी सौदा किया है, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि दुनिया में डील शब्द पर केवल एक व्यक्ति का कॉपीराइट है और वह ट्रंप हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे बीच बहुत पुराना रिश्ता है. मैं उन्हें (एलन मस्क) तब से जानता हूं, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था. वह आज अपने परिवार के साथ मुझसे मिलने आए थे. जहां तक किसी भी डील की बात है, दुनिया में डील शब्द पर केवल एक व्यक्ति का कॉपीराइट है और वह ट्रंप हैं. इससे पहले दिन में पीएम मोदी ने अमेरिका की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मस्क से मुलाकात की. यह सवाल उन खबरों के मद्देनजर आया है, जिनमें कहा गया था कि मस्क भारत में स्पेसएक्स के स्टारलिंक को लॉन्च करने की कोशिश कर रहे हैं.

भारतीय प्रवासियों के हाथों में फिर होंगी हथकड़ियां? चिदंबरम ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका से भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर दूसरे अमेरिकी विमान का आगमन भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षण होगा। चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि सभी की निगाहें अमेरिकी विमान पर होंगी जो आज अवैध अप्रवासियों को वापस लेकर अमृतसर में उतरेगा। क्या निर्वासित लोगों को हथकड़ी लगाई जाएगी और उनके पैर रस्सियों से बांध दिए जाएंगे? उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षा है। संयुक्त राज्य अमेरिका से 119 भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर एक विमान शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा। फ्लाइट के रात 10 बजे से 11 बजे के बीच एयरपोर्ट पर उतरने की उम्मीद है।

119 निर्वासित लोगों में से 67 पंजाब से, 33 हरियाणा से, आठ गुजरात से, तीन उत्तर प्रदेश से, दो-दो गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से और एक-एक हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से हैं। भारत पहुंचने वाले निर्वासित लोगों में वे लोग शामिल हैं जो मेक्सिको और अन्य मार्गों से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के तुरंत बाद कथित तौर पर अपने पासपोर्ट भी फाड़ दिए। डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले लोगों पर अभूतपूर्व कार्रवाई के बीच अमृतसर के लिए उड़ानें वापसी करने वाले लोगों की दूसरी खेप हैं।

इससे पहले, भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर अमेरिकी वायु सेना का एक विमान 5 फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमृतसर में उतरने वाले विमान में कुल 104 भारतीय नागरिक सवार थे। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ और पैर बंधे हुए थे और अमृतसर में उतरने के बाद ही उन्हें बंधन से मुक्त किया गया। इससे देश भर में आक्रोश फैल गया, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ इस मुद्दे को उठाने की मांग की।

कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ कर रही सत्ता संघर्ष जो इंडिया ब्लॉक में हैं सहयोगी

नई दिल्ली। कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ अपने संबंधों को कैसे सुधारे, जिन्होंने राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर दिया है, लेकिन इंडिया ब्लॉक के बैनर तले सहयोगी बने हुए हैं। कांग्रेस कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ सत्ता संघर्ष में लगी है। इसकी वजह है कि वे एक-दूसरे पर बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में खत्म हुए दिल्ली चुनाव कांग्रेस की आक्रामक रणनीति का एक ज्वलंत उदाहरण था। देश की सबसे पुरानी पार्टी लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा में कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल करने में अहम भूमिका निभाने में कामयाब रही। दोनों दलों के बीच वोटों के बंटवारे ने बीजेपी को जीत दिलाई। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार की टिप्पणी पार्टी के भीतर की सोच को दर्शाती है। बंगाल कांग्रेस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद, कई क्षेत्रीय दलों को एहसास हुआ है कि उस चुनाव में कांग्रेस को नजरअंदाज करना एक गलती थी। आप जैसी पार्टियों और उनके जैसे सोचने वालों के साथ समस्या यह है कि वे बीजेपी की बी-टीम से ज़्यादा कुछ नहीं हैं। ममता बनर्जी ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है।

बांग्लादेश से पाकुड़ आया आतंकी, युवाओं को दी ट्रेनिंग, एटीएस कर रही जांच

रांची। झारखंड में कुछ लोगों को आतंकी ट्रेनिंग दिए जाने की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि बांग्लादेश से आकर एक आतंकी झारखंड के पाकुड़ जिले के कुछ युवकों को आतंक के रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह खुलासा एक खुफिया पत्र के जरिए हुआ है। पत्र में लिखा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिश रच रहे हैं। साजिश के तहत कुछ आतंकी बांग्लादेश से झारखंड आ गए और पाकुड़ में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस लौट गए। मामले को लेकर झारखंड एटीएस ने अलर्ट जारी किया है। जानकारी के मुताबिक झारखंड एटीएस को सूचना मिली है कि बांग्लादेश की सीमा पार कर जेएमबी आतंकी अब्दुल मम्मुन मुर्शिदाबाद के धुलियान के रास्ते झारखंड के पाकुड़ जिला आया था। उसने जेएएचए नाम के संगठन के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद उसने कई कैडरों को आतंकी ट्रेनिंग दी और फिर वापस लौट गया। पूरे मामले की अब एटीएस जांच कर रही है। वहीं सारे जिलों के एसपी और डीआईजी को गोपनीय सूचनाएं जुटा कर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा है। पत्र में यह भी बताया गया है कि बंगाल और झारखंड के पाकुड़ के संदिग्ध शामिल हुए थे। एटीएस को जानकारी मिली है कि अब्दुल मम्मुन बांग्लादेश के सतखीरा के गोपीनाथपुर इलाके का रहने वाला है। अवैध तरीके से सीमा पार करने के बाद वह 6 जनवरी को पाकुड़ आया था। वहीं जानकारी में यह भी बताया गया है कि जेएएचए- इंडिया और जमात उल मुजाहिदीन के सदस्यों के बीच एक बैठक भी पाकुड़ के इस्लामी दावा सेंटर दुबराजपुर में हुई थी। एक दिन की ट्रेनिंग के बाद अब्दुल वापस धुलियान के रास्ते बांग्लादेश लौट गया। एटीएस को जानकारी मिली है कि बैठक में मुर्शिदाबाद के जलांगी के कई लोग शामिल हुए थे। बता दें कि बांगलादेशी प्रतिबंधित संगठन जेएमबी की सक्रियता संथाल परगना के साहिबगंज और पाकुड़ में पूर्व में भी रही है। इस संगठन के संदिग्धों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स की जानकारी पूर्व में भी एटीएस ने जुटायी थी।

अवैध प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजना अमेरिका का महापाप : उमा भारती

भोपाल। अमेरिका से भारत वापस भेजे गए अप्रवासी भारतीयों को जिस तरह से लाया गया, उसपर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा ही रहे थे लेकिन अब पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी इसपर नाराजगी जाहिर की है। उमा ने कहा कि अमेरिका से अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें हवाई जहाज से ही भेजा जा रहा था, तब हथकड़ी और बेड़ियां क्यों लगाई गई। यह हरकत अमेरिकी शासन की क्रूरता एवं अमानवीयता को दिखाती है। अवैध तरीके से किसी देश में घुसना अपराध है, उसकी सजा के प्रत्येक देश में अपने कानून के अनुसार प्रावधान हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता महापाप है। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार को भारत पहुंचने वाला है। अमृतसर में विमान की लैंडिंग रात करीब 10 बजे के बीच होगी। इस प्लेन से 119 भारतीयों को अमेरिका ने वापस भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, तीसरा विमान भी अमेरिका से 16 फरवरी को आ सकता है, जिसमें 157 लोग आ रहे है।

महाराष्ट्र जीबीएस के मामले 207 के करीब, 20 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर

पुणे। महाराष्ट्र के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य में गिलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के संदिग्ध और सक्रमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दो मामलों का पता चलने के बाद संख्या बढ़कर 207 हो गई है। राज्य में शुक्रवार को दो नए मामलों के साथ पुष्ट मामलों की संख्या 180 हो गई है, इसमें से 20 वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। इस बीच, हालांकि राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आधिकारिक तौर पर मौतों की संख्या आठ पर अपरिवर्तित रही, लेकिन कोल्हापुर में बीमारी से एक संदिग्ध मौत की सूचना मिली है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि चांगिड तहसील की 60 वर्षीय महिला की 13 फरवरी को मौत हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च से, 7 मार्च को पेश होगा बजट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च को जम्मू में आयोजित होगा। सरकार में वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट पेश करने वाले है। यह जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार का पहला बजट सत्र होगा। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के अनुसार, 28 दिवसीय सत्र 3 मार्च को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 6 मार्च तक विधायकों द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा जाएगा। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट (व्यय का वार्षिक वित्तीय विवरण) पेश करने और 8 मार्च को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 12 से 24 मार्च तक विधायकों द्वारा अनुदान की मांगें पेश की जाएगी। 7 से 9 अप्रैल तक निजी सदस्यों के विधेयक और संकल्प पेश किए जाएंगे, जबकि अंतिम दिन 11 अप्रैल को सरकारी कामकाज होगा। बता दें कि, विधानसभा का पहला चार दिवसीय परिचय सत्र नवंबर में श्रीनगर में आयोजित किया गया था और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए पारित प्रस्ताव पर विवादों से घिरा रहा। मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जबकि छोटे विपक्षी दल पीडीपी और सज्जाद लोन ने आलोचना के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया था।

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को एलजी ने किया बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने शनिवार को अनुच्छेद 311 की एक विशेष धारा लागू की और जम्मू-कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाओं को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के चलते समाप्त कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार ने केंद्र के साथ अपने संबंधों के संभावित पुनर्मूल्यांकन का संकेत दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा कि एलजी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) को लागू कर दिया है। ये 2020 में पेश किया गया एक विशेष प्रावधान है। इसके तहत पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मुहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर तीनों को बर्खास्त किया है। वे सभी फिलहाल आतंकवाद से जुड़े कई आरोपों में जेल में हैं।

अधिकारियों के अनुसार फिरदौस अहमद को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि उसने आतंकवादी संगठनों को रसद और अन्य सहायता प्रदान की। मुहम्मद अशरफ पर छात्रों को कट्टरपंथी बनाने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ संबंध बनाए रखने का आरोप है, जबकि खान कथित तौर पर कश्मीर के जंगली इलाकों में आतंकवादियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में शामिल था। हाल ही में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि कम से कम अपनी सरकार के शुरुआती कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति मेरा यह दायित्व है कि मैं केंद्र सरकार के साथ अच्छे कामकाजी संबंध स्थापित करने का प्रयास करूं। अगर इससे केंद्र सरकार द्वारा हमसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं, तो हम इस पर फिर से विचार करेंगे।

छवि सुधारने आरजेडी कर रही मंथन, दिल्ली में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अपनी छवि सुधारने के लिए सक्रिय हो गया है। आज 15 फरवरी को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बिहार पॉलिसी डायलॉग का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सोन वैली डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से किया गया है। इस पॉलिसी डायलॉग में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों पर विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा विचार रखे जाएंगे। आरजेडी इन विचारों को अपने आगामी घोषणा-पत्र में शामिल करने की योजना बना रही है। पार्टी महासचिव शाश्वत गौतम के मुताबिक इस कार्यक्रम का अगला चरण पटना में आयोजित किया जाएगा, जहां प्राप्त सुझावों को विस्तृत रूप से परखा जाएगा।

पार्टी विचार कर रही है बिहार का बजट भारी-भरकम ब्याज से मुक्त कैसे बनाया जाए? जनता की आर्थिक क्षमता बढ़ाने के लिए राहत योजनाओं से अलग क्या रणनीति अपनाई जाए? स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में निजी संस्थानों की बढ़ती भूमिका को संतुलित करने के लिए क्या उपाय किए जाएं? पार्टी अंदरखाने ओबीसी इंटलेक्चुअल वर्ग को एक मंच पर लाने की रणनीति पर भी विचार कर रही है, जिससे आगामी बजट सत्र और विधानसभा चुनाव में इसे लाभ मिल सके।

आरजेडी बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री राबड़ी देवी देने का श्रेय लेती है, लेकिन अब तक महिलाओं को लेकर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। तेजस्वी यादव ने 'माई-बहन सम्मान योजना' के तहत महिलाओं के खाते में हर माह 2500 रुपए देने का वादा किया है। साथ ही पार्टी की महिला विंग की अध्यक्षता रितु जायसवाल को सौंपी गई है। पिछले लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो बिहार में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था। इसी कारण तेजस्वी ने अपने भाषणों में 'एम मतलब महिला और वॉय मतलब युवा' का नारा दिया है।

तेजस्वी बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाते हुए युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि 17 महीने में किया कमाल, हमें दीजिए पूरे 5 साल। उनकी टीम में युवा नेतृत्व को महत्व दिया है, जिसमें राज्यसभा सांसद संजय यादव और पूर्व में नीतीश कुमार के साथ काम कर चुके शाश्वत गौतम जैसे पढ़े-लिखे युवाओं को जगह दी गई है। बिहार में 8 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरजेडी इस पॉलिसी डायलॉग के जरिए से अपनी छवि सुधारने और जनसंपर्क मजबूत करने में जुटी हुई है।

उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी लव जिहाद के खिलाफ कानून

– पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन

मुंबई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र भी लव जिहाद के खिलाफ कानून लाएगा। लव जिहाद कानून के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। दरअसल प्रदेश में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर लव जिहाद और धोखाधड़ी व बलपूर्वक किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने लव जिहाद के खिलाफ कानून का मसौदा तैयार करने के लिए पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया है। यह विशेष समिति राज्य की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करेगी। लव जिहाद धोखाधड़ी और बल के माध्यम से किए गए धर्मांतरण के खिलाफ उपाय सुझाने वाले कानून का मसौदा तैयार करेगा। इस तरह, महाराष्ट्र लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने वाला देश का दसवां राज्य बन जाएगा। अब तक देश के 9 राज्यों- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने लव जिहाद विरोधी कानून पेश किए हैं। इसी तर्ज पर, भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे सहित राज्य के विभिन्न हिंदू संगठनों ने महाराष्ट्र में भी लव जिहाद कानून लागू करने की मांग की थी।

क्या है लव जिहाद ?

जब किसी धर्म विशेष का व्यक्ति किसी अन्य धर्म की लड़कियों को प्रेम के जाल में फंसाकर या उनसे शादी करके उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करता है तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है। यदि दो अलग-अलग धर्मों के लोग विवाह करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विवाह किसी प्रलोभन या धोखे से तो नहीं किया गया है। यदि किसी लड़की का धर्म परिवर्तन केवल विवाह के उद्देश्य से किया गया है तो विवाह अमान्य माना जाता है। यह अपराध गैर-जमानती है। इसके अलावा, इस मामले की सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है। इस बीच, उत्तर प्रदेश में कानून के अनुसार, शादी के लिए जबरन धर्म परिवर्तन करने पर पांच साल की जेल और 15,000 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने तलाकशुदा शब्द पर याचिकाकर्ता को लगा दी जमकर फटकार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक विवादास्पद बाल हिरासत विवाद में समीक्षा याचिका खारिज की। साथ ही कानूनी कार्यवाही में तलाकशुदा महिलाओं के नाम के साथ तलाकशुदा शब्द जोड़ने की प्रथा की कड़ी निंदा की। जस्टिस विनोद चटर्जी कौल ने शख्स और उसकी पूर्व पत्नी के बच्चे के कस्टडी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। मामले में जज ने शख्स द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज किया गया। शख्स की समीक्षा याचिका में तर्क देकर कहा कि पिछले फैसले ने उनकी अपील को बिना सुनवाई के प्रारंभिक मुद्दे पर विचार किए ही खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने अपनी पुनर्विचार याचिका में दावा किया, मामले में अपील की स्वीकार्यता पर बहस की गई और मामले को सुरक्षित रखा गया। इस प्रकार, मुख्य अपील पर गुण-दोष के आधार पर बहस नहीं की गई। उन्होंने कहा, अपील पर मामले के गुण-दोष के आधार पर बहस हुए बिना तथा याचिकाकर्ता के वकील की बात सुने बिना ही निर्णय दिया गया, यह तथ्य रिकार्ड और अंतरिम आदेशों से स्पष्ट होता है। हालांकि, अदालत ने दावे का दृढ़ता से खंडन कर कहा कि अपील पर सुनवाई हो चुकी है। एक जून, 2022 को सुनवाई योग्य होने पर मामले को सुरक्षित रखा गया। यह मामला शख्स के मुलाकात के अधिकार को लेकर विवाद से शुरू हुआ था।

तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से मुकदमों में तेजी से कमी आएगी: मेघवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की दिशा में महाराष्ट्र की स्थिति की नई दिल्ली में हुई एक बैठक में समीक्षा की। बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने बताया कि बैठक में आईटी सेक्टर में आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला कोर्ट के मुकदमों में तेजी से कमी आएगी।

ज्ञात रहे कि केंद्र सरकार ने तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 1 जुलाई 2024 से लागू कर दिए हैं। इन कानूनों को लागू करने का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाना है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के प्रस्तुत किए जाने के समय एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया गया था। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल थे और इसकी रिपोर्ट पेश की जानी थी।

उन्होंने कहा कि जब रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तो खड़गे ने इसके विरोध में सवाल उठाए, जबकि रिपोर्ट में सभी आवश्यक जानकारियां शामिल थीं। इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में कोई अधूरी जानकारी नहीं है और इसमें विरोध करने जैसा कुछ नहीं है। अब आगे इस मामले में क्या बदलाव होते हैं, यह देखने वाली बात होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जेपीसी रिपोर्ट को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह रिपोर्ट विपक्ष की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए तैयार की गई है, जो संसदीय प्रक्रिया का उल्लंघन है। खड़गे ने इस रिपोर्ट को ÷फर्जी÷ बताते हुए इसे पुनः पेश करने की मांग की थी।

महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ के पार

– 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि तक यह संख्या 55-60 करोड़ तक पहुंच सकती है

इलाहाबाद (एजेंसी)। भारतीय आध्यात्मिकता के महायज्ञ, महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में धर्मार्थी उत्कृष्टता का प्रमुख प्रतीक बन चुका है। मानवता के इस महोत्सव में अभूतपूर्व स्थिरता दिखाते हुए, प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ मेले में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक अनगिनत जनों के साथ मिलकर गंगा और त्रिवेणी के पावन संगम में स्नान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मानवता की आत्मिक और सामाजिक सामरस्य का प्रमुख संकेत बताया है। उन्होंने कहा ?कि भारत की सनातन विरासत में समृद्धि और समरसता का प्रतीक महाकुंभ 2025, प्रयागराज में उपस्थित है। उन्होंने मेला की श्रेष्ठता को व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ में जुटे श्रद्धालुओं की आस्था और एकता संगम के पावन जल में अद्वितीय रूप से प्रकट हो रही है। इस अद्वितीय और भव्य महोत्सव के सुशोभित व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की सराहना करते हुए, सरकार ने उसे सबसे बड़ा जनसमूह कहकर सम्मानित किया है। महाकुंभ मेला के अनुसरण में उत्तर प्रदेश सरकार, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मी, स्वयंसेवी संगठन और धार्मिक संस्थान सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। अब एक्सीटिंगली, मुख्यमंत्री का अनुमान यह है कि 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि तक यह संख्या 55-60 करोड़ तक पहुंच सकती है। सभी धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में ऐसी अजीबोगरीब आँकड़ों के बावजूद, उत्तर प्रदेश के महाकुंभ मेले ने लोगों को एक साथ जोड़ते हुए एक महान आयोजन का प्रमाण पेश किया है। महाकुंभ मेला एक समय-सीमित अवसर है जब लोग एक छोटी सी कल्पना कर सकते हैं कि कैसा हो सकता है एक समर्पित और एकीकृत समुदाय का जीवन। इस महाकुंभ के मौके पर हम सभी धार्मिक संस्थानों, साधु-संतों, कल्पवासियों, धार्मिक गुरुओं और श्रद्धालुओं को एक और भव्य सफलता की कामना करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में दावा किया कि यह मानव इतिहास में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के लिहाज से सबसे बड़ा जनसमूह है। प्रदेश सरकार के अनुसार अमेरिका, रूस, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों की आबादी 50 करोड़ से कम है।